'प्रौढ़ शिक्षा'

लेख एवं लेखक

'प्रौढ़ शिक्षा' लेख एवं लेखक

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ

प्रौढ़ शिक्षा–लेख एवं लेखक

प्रौढ़ शिक्षा

पत्रिका

लेख एवं लेखक

1957–1994

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ

प्रकाशक :
भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ
17-बी, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली - 110002

मूल्य 50 रुपये
1996

मुद्रक :
त्यागी प्रिंटिंग प्रेस
त्रिलोक पुरी,
दिल्ली - 110091

प्रस्तावना

प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में विचार एवं सूचनाओं के सम्प्रेषण हेतु "कलेयरिंग हाऊस" की भूमिका का निर्वाह करने हेतु भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ लगभग चालीस वर्षों से हिन्दी भाषी प्रौढ़ शिक्षा कर्मियों के लिए "प्रौढ़ शिक्षा" नाम की एक पत्रिका का नियमित प्रकाशन कर रहा है।

यह पत्रिका प्रौढ़ शिक्षा विषय में शोध, विचार एव प्रयोग की पत्रिका है। इसमें भारत एवं विदेशों में संचालित हो रहे प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम, शोध परियोजनाओं एवं प्रायोगिक कार्यक्रमों पर लेख होते हैं। विगत चार दशकों से यह पत्रिका हिन्दी भाषी कार्यकर्त्ताओं तक प्रौढ़ शिक्षा जगत की नवीनतम जानकारी एवं ज्ञान पहुँचाने में तत्पर रही है।

यह पुस्तक प्रौढ़ शिक्षा पत्रिका में पिछले चालीस वर्षों में प्रकाशित लेखों की वर्गीकृत एव लेखक अनुक्रमणिका प्रस्तुत करती है। इस पुस्तक में पत्रिका की उपयोगी सामग्री को सूचीबद्ध करने का प्रयत्न किया गया है। हम आशा करते हैं कि यह पुस्तक प्रौढ़ शिक्षा कर्मियों, विशेष कर शोध कर्त्ताओं के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

पुस्तक के परिमार्जन हेतु सुझाव आमंत्रित है।

सूची

प्रस्तावना — पृष्ठ

विषय-सूची — V

प्रौढ़ शिक्षा—अर्थ, विचार, लक्ष्य, उद्देश्य, समस्या और विकास ... 1
पद्धति, नीति, योजना और प्रशासन ... 11
पाठ्यक्रम—अध्यापन और शिक्षण सामग्री ... 14
प्रौढ़ शिक्षा का इतिहास ... 17
समाज शिक्षा ... 18
किसान साक्षरता कार्यक्रम ... 21
राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम ... 22
राष्ट्रीय साक्षरता मिशन एव सम्पूर्ण साक्षरता अभियान ... 27
साक्षरता ... 30
प्रौढ़ मनोविज्ञान ... 40
कार्यकर्त्ता एवं उनका प्रशिक्षण ... 42
प्रशिक्षण ... 43
जनसंख्या शिक्षा ... 45
महिला शिक्षा ... 47
सतत् प्रसार शिक्षा ... 54
स्वयं सेवी सस्थाए ... 56
शैक्षिक सस्थाओं की भूमिका—स्कूल, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय और खुला विश्वविद्यालय ... 57
उत्तर साक्षरता—कार्यक्रम, पाठक की रुचि, पठन सामग्री और पुस्तकालय/जन शिक्षण निलयम ... 60
मूल्यांकन और शोध ... 63
प्रौढ़ शिक्षा एवं अन्य समूह—ग्रामीण शिक्षा ... 64
सहकारिता शिक्षा ... 68
श्रमिक शिक्षा ... 69
अनौपचारिक शिक्षा ... 70
युवक शिक्षा ... 74
विकलांग शिक्षा ... 75

व्यावसायिक शिक्षा ... 76
आदिवासी शिक्षा / जनजाति शिक्षा ... 77
आवासीय शिक्षा ... 78
राष्ट्रीय शिक्षा ... 78
प्रजातन्त्र / जन सहयोग ... 80
तुलनात्मक शिक्षा / जीवन वृत ... 82
राज्यों में प्रौढ़ शिक्षा ... 83
विदेशों में प्रौढ़ शिक्षा ... 87
भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ : अधिवेशन एवं रिपोर्ट ... 89
अन्य ... 91

लेखक-सूची 97

प्रौढ़ शिक्षा—अर्थ, विचार, लक्ष्य, उद्देश्य, समस्या और विकास

आधार भूत शिक्षा—यूनेस्को
व 1 (1), अप्रैल 1957, पृ 9-12

अपनी शिक्षा आप—सूर्यदेव नारायण श्रीवास्तव
व 1 (3), अक्टूबर-दिसम्बर 1957, पृ 6-9

आज के भारत में प्रौढ़ शिक्षा का स्वरूप : जब तक हमारे देश का प्रत्येक नागरिक साक्षर होकर समाज, देश और सरकार का ज्ञान प्राप्त नहीं करेगा तब तक वह अपने कर्त्तव्य, अधिकार व जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक नहीं हो सकता—शमसुद्दीन
व 2 (2), जून-जुलाई 1958, पृ 12-13, 31

व्यस्क शिक्षा की समस्या—अवनीन्द्र कुमार विद्यालंकार
व 2 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1958, पृ 14-16

शिक्षा और सामुदायिक विकास—शमसुद्दीन
व 2 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1958, पृ 16-18

प्रौढ़ शिक्षा क्या है—यूनेस्को
व 2 (5), दिसम्बर-जनवरी 1958, पृ 4-7, 15

प्रौढ़ शिक्षा पर गांधीजी से कुछ प्रश्न—मशरूवाला
व 3 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1959, पृ 4-6

प्रौढ़ शिक्षा का महत्व—सरजानमाड
व 3 (5), दिसम्बर 1959, पृ 4-6, 21

प्रौढ़-शिक्षा की समस्याएं और हल—पृथ्वी नाथ चतुर्वेदी
व 4 (1), अप्रैल-मई 1960, पृ 34-36

प्रौढ़ व्यक्तियों की शिक्षा कैसी हो—आचार्य सर्वे
व 7 (2), जून-जुलाई 1963, पृ 17-18

भारत वर्ष में प्रौढ़-शिक्षा की समस्या—चन्द्रिका प्रसाद शर्मा
व 7 (3), अगस्त-सितम्बर 1963, पृ 17

क्या साठ वर्ष में जीवन समाप्त हो जाता है—अल्फ्रेड मेंजो
व 7 (4) अक्टूबर-नवम्बर 1963, पृ 5-9

आओ, हम प्रौढ़ शिक्षा को मुख्य धारा में रखें—जान बी. होल्डन
व 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 20-23

प्रौढ़ शिक्षा जरूर—शालिग्राम पथिक
व 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 36-38, 42

राष्ट्र के लिए अनिवार्य प्रौढ़-शिक्षा—जाकिर हुसैन
व 8 (1), अप्रैल-मई 1964, पृ. 4-7

जनशिक्षा और स्वामी विवेकानन्द—वारीन्द्र सान्याल
व 10 (1), अप्रैल-मई 1966, पृ 4-5, 30

प्रौढ़ शिक्षा और परिष्कृत जीवन—थ्योडर पी चंगे
व 10 (2), जून-जुलाई 1966, पृ 4-7

प्रौढ़ शिक्षा और आर्थिक विकास—वी.के.आर.वी. राव
व 10 (3), अगस्त-सितम्बर 1966, पृ 6-9, 28-30, 36

आर्थिक उन्नति हेतु लोक शिक्षण—शालिग्राम पथिक
व 10 (3), अगस्त-सितम्बर 1966, पृ 23-25

प्रौढ़ शिक्षा के मानव का सर्वांगीण विकास—अन्ना साहेब सहस्त्रबुद्धे
व 10 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1966, पृ 16-19

प्रयोजनशील प्रौढ़ शिक्षा—बालगोविन्द तिवारी
व 11 (2), जून-जुलाई 1967, पृ 4-7, 25-26

प्रगति तथा विकास के लिए प्रौढ़ शिक्षा—शिवचन्द्र दत्ता
व 11 (3), अगस्त-सितम्बर 1967, पृ 4-7

प्रौढ़ शिक्षा की बदलती हुई धारणा—जगदीश चन्द्र माथुर
व 15 (4), जुलाई 1971, पृ 2-8

आप पढ़ेंगे—श्यामलाल
व 15 (11), फरवरी 1972, पृ 7-9

प्रौढ़ शिक्षा राष्ट्रीय प्राथमिकता है—चिन्तामणि देशमुख
व 16 (1), अप्रैल 1972, पृ 8-13

प्रौढ़ शिक्षा एक महद् कार्य—हरिदास हर्ष
व 17 (10), जनवरी 1974, पृ 2-6

प्रौढ़ शिक्षा का आर्थिक पक्ष—चुन्नीलाल सलूजा
व 18 (7), अक्टूबर 1974, पृ 2-4

प्रौढ़ शिक्षा : समस्याएं : नीतियां—विमला लाल
व 20 (10), जनवरी 1977, पृ 19-23

प्रौढ़ शिक्षा की नई विचार धारा : आर्थिक उन्नति व प्रौढ़ शिक्षा—एम. एस. स्वामी नाथन
व 21 (9), दिसम्बर 1977, पृ 2-4, 6-11

विकास के लिए प्रौढ़ शिक्षा—ए० के० जलालुद्दीन
ब 22 (2-3), मई-जून 1978, पृ 6-7, 16

प्रौढ़ शिक्षकों की समस्याएं और उनका हल—शिव रवि और एम० ए० खालिक

व 22 (6), सितम्बर 1978, पृ 17-20

सजीव प्रौढ़ शिक्षा—बाल गोविन्द तिवारी

व 22 (8), नवम्बर 1978, पृ 13-14

प्रौढ़ शिक्षा के सन्दर्भ में—विवेकी राय

व 22 (8), नवम्बर 1978, पृ 17-18

प्रौढ़ शिक्षा : व्यावहारिक समस्याएं—विमला लाल

व 23 (5), अगस्त 1979, पृ 6-7

प्रौढ़ शिक्षा और विकास की अवधारणा—माल्कम एस० आदिशेषैया

व 23 (7), अक्टूबर 1979, पृ 3-6

प्रौढ़ शिक्षा : कुछ आधार भूत समस्याएं—श्याम सुन्दर जैन

व 23 (10-11), जनवरी-फरवरी 1980, पृ 8-9

प्रौढ़ शिक्षा दर्शन—मोरध्वज वर्मा

व 23 (10-11), जनवरी-फरवरी 1980, पृ 12-16

प्रौढ़ शिक्षा द्वारा सभी पक्षों का उन्नयन—अम्बिका प्रसाद तिवारी

व 23 (10-11), जनवरी-फरवरी 1980, पृ 20-21, 37

प्रौढ़ शिक्षा का प्रगतिशील स्वरूप—श्याम लाल सिहवाल

व 23 (10-11), जनवरी-फरवरी 1980, पृ 28-29, 36

व्यस्क शिक्षा : एक प्रतिक्रिया—जे० एल० आर्य

व 24 (4), जुलाई 1980, पृ 10-11

प्रौढ़ शिक्षा : एक राष्ट्रीय समस्या—जगदीश सिंह

व 24 (10-11), जनवरी-फरवरी 1981, पृ 3-6

प्रौढ़ शिक्षा : कुछ प्रश्न, कुछ समस्याएं—सत्य प्रकाश आर्य
व 25 (4), जुलाई 1981, पृ 19-20

प्रौढ़ शिक्षा एवं सामाजिक विकास—भैरव दत्त गुरूरानी
व 24 (12), मार्च 1981, पृ 13-15

प्रौढ़ शिक्षा और विकास कार्यक्रम—योगेन्द्र कुमार
व 25 (1-2), अप्रैल-मई 1981, पृ 57-58

विकास प्रक्रिया में परिवर्तन कर्त्ता—कमला भसीन
व 25 (11-12), फरवरी-मार्च 1982, पृ 7-10

अपराध-निरोध के लिए प्रौढ़ शिक्षा—राम स्वरूप
व 26 (2), मई 1982, पृ 15-18

प्रौढ़ शिक्षा और विकास : कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे—क्रिस ड्यूक
व 26 (8), नवम्बर 1982, पृ 3-8, 29

आखिर हम क्यों पढ़ें लिखें—सत्येन मोइत्रा
व 26 (8), नवम्बर 1982, पृ 17-18

ग्रामीण विकास तथा प्रौढ़-शिक्षा की भूमिका—एस० आर० मोहसिनी
व 26 (10-11), जनवरी-फरवरी 1983, पृ 5-10

ग्रामीण विकास की ओर प्रौढ़-शिक्षा की भूमिका—के० जी० बालकृष्ण पिल्ले
व 26 (10-11), जनवरी-फरवरी 1983, पृ 11-15

औद्योगिक एवं नगरीय विकास में प्रौढ़-शिक्षा का महत्व—एशिया के परिप्रेक्ष्य में—शिवचन्द्र दत्ता
व 26 (12), मार्च 1983, पृ 3-11

आर्थिक और सामाजिक विकास में प्रौढ़ शिक्षा—एस० आर० मोहसिनी
व 26 (12), मार्च 1983, पृ 12-14

प्रौढ़ शिक्षा को शिक्षार्थी की निजी समस्याओं से जोड़ना आवश्यक—मृदुला सेठ
व 27 (3), जून 1983, पृ 3-6

प्रामाणिक विकास की दिशा में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका—अमादू-महत्तार एम० बो०
व 27 (4), जुलाई 1983, पृ 11-13

प्रौढ़ शिक्षा सर्वांगीण विकास की धुरी : एक दृष्टि दिल्ली के ग्रामों पर भी—आनन्द शंकर शर्मा
व 27 (8), नवम्बर 1983, पृ 11-13

बदलते सामाजिक दायरे और प्रौढ़ शिक्षा—उषा माथुर
व 27 (9), दिसम्बर 1983, पृ 17-19

प्रौढ़ों की बात प्रौढ़ों से : प्रौढ़ शिक्षा-कार्यक्रम के सन्दर्भ में—बैजनाथ शर्मा
व 27 (12), मार्च 1984, पृ 15-17

प्रौढ़ शिक्षा समाज की मांग हो—जयपाल तरंग
व 28 (1), अप्रैल 1984, पृ 2-3

प्रौढ़ शिक्षा : अपेक्षाएं, अनुभव एवं संभावनाएं—मदन लाल वर्मा
व 28 (1), अप्रैल 1984, पृ 21-23

प्रौढ़ शिक्षा की राजनीति—भाई भगवान
व 28 (3), जून 1984, पृ 11-13

प्रारंभिक स्वास्थ्य परिचर्या के लिए सामुदायिक सम्बद्धता में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका—राजेश टंडन
व 28 (6), सितम्बर 1984, पृ 21-23

प्रौढ़ शिक्षा : तथ्य समस्या और समाधान—देवेन्द्र सिंह
व 28 (9), दिसम्बर 1984, पृ 5-8, 11

प्रौढ़ शिक्षा : एक विश्लेषण—बैजनाथ शर्मा
व 28 (9), दिसम्बर 1984, पृ 25-27

प्रौढ़ शिक्षा : एक जन-आन्दोलन—कृष्ण चन्द्र पंत
व 28 (11), फरवरी 1985, पृ 5-7

प्रौढ़ शिक्षा : समस्याएं और निराकरण—सरोज बंसल
व 28 (11), फरवरी 1985, पृ 14-15, 27

प्रौढ़ शिक्षा और मानवता—भवानी शंकर गर्ग
व 28 (11), फरवरी 1985, पृ 9-13

भारत में प्रौढ़ शिक्षा—बाल गोविन्द तिवारी
व 28 (12), मार्च 1985, पृ 5-11

मानवता के विकास में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका—दयाल चन्द्र सोनी
व 28 (12), मार्च 1985, पृ 13-16

प्रौढ़ शिक्षा : तीन एकालाप—बर्ण्ड फ्लग
व 29 (9), दिसम्बर 1985, पृ 21-23

प्रौढ़ शिक्षा का लक्ष्य-विकास—एस० सी० दत्ता
व 29 (11-12), फरवरी-मार्च 1986, पृ 11-14

शिक्षा के वर्तमान महाभारत का कुरुक्षेत्र : प्रौढ़ शिक्षा—दयाल चन्द्र सोनी
व 30 (1), अप्रैल 1986, पृ 5-10

प्रौढ़ शिक्षा से आखिर चाहते क्या हैं—भाई भगवान
व 30 (2), मई 1986, पृ 10-12

प्रौढ़ शिक्षा : एक ठोस कदम—सुरेश चन्द्र मिश्र
व 30 (2), मई 1986, पृ 28-30

प्रौढ़ शिक्षा के विविध पहलू—अरुण कुमार मिश्र
व 30 (3), जून 1986, पृ 13-16

प्रौढ़ शिक्षा—परिभाषाओं की परिधि में—विमला लाल
व 30 (7), अक्टूबर 1986, पृ 8-10

प्रौढ़ शिक्षा और असमानता—मेल्कम आदिसेशैप्या
व 30 (11), फरवरी 1987, पृ 5-12

पढ़े हुए क्यों होते पन्ना लाल पटेल—प्रभाष जोशी
व 30 (11), फरवरी 1987, पृ 23-25

भारतीयता के उद्भव में प्रौढ़ शिक्षा का योग—जनार्दनराय नागर
व 31 (1-2), अप्रैल-मई 1987, पृ 12-15

भ्रम को तोड़ना ही होगा—दयाल चन्द सोनी
व 31 (3), जून 1987, पृ 8-11

प्रौढ़ शिक्षा : सामाजिक एवं आर्थिक विकास का सबल माध्यम—यूसुफ खान
व 31 (3), जून 1987, पृ 19-21

जीवन और संस्कृति का अंग : प्रौढ़ शिक्षा—ए० के० जलालुद्दीन
व 31 (4), जुलाई 1987, पृ 25-28

प्रौढ़ों से पूछें—परम्पराओं का आधार—बैजनाथ शर्मा
व 31 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1987, पृ 23-25

शिक्षा के विरोध में क्यों है जनसंचार माध्यम—एन० एल० चावला
व 31 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1987, पृ 30-33

प्रौढ़ शिक्षा की आधारशिला—निशात फारुक
व 31 (8), नवम्बर 1987, पृ 12-15

प्रौढ़ शिक्षा : कर्त्तव्य-बोध—प्रतिभा पाण्डेय
व 31 (9), दिसम्बर 1987, पृ 5-6, 10

प्रौढ़ शिक्षा और विकास—ज्यूलियस न्येरेरे
व 31 (10), जनवरी 1988, पृ 11-16

असमानता कम करने में प्रौढ़ शिक्षा का योगदान—क्रिस ड्यूक
व 31 (10), जनवरी 1988, पृ 20-25

देश की प्रगति में प्रौढ़ शिक्षा का योगदान—विमला
व 32 (5), अगस्त 1988, पृ 17-18

प्रौढ़ शिक्षा : क्षेत्र-विकास उपागम—हुकुमचन्द जैन
व 32 (9), दिसम्बर 1988, पृ 5-8

सामाजिक परम्पराओं का आधार एवं प्रौढ़ शिक्षा—बैजनाथ शर्मा
व 32 (10), जनवरी 1989, पृ 8-9, 13

प्रौढ़ शिक्षा : एक पुनीत कार्य—आशा जैन
व 32 (11), फरवरी 1989, पृ 29

प्रामाणिक विकास तथा प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका—एस० आर० मोहसिनी
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 12-18

मानवता के विकास में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका—दयाल चन्द्र सोनी
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 18-22

प्रौढ़ शिक्षा और मानवता—भवानी शंकर गर्ग
व33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 31-35

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा के समक्ष चुनौतियां—जे० वीरा राघवन
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 40-48

आर्थिक उन्नति और प्रौढ़ शिक्षा—एम० एस० स्वामीनाथन
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 49-56

प्रौढ़ों की शिक्षा : विश्वासों की, मान्यताओं की—शोभा बैद्य
व 33 (4), जुलाई 1989, पृ 18-21

प्रौढ़ शिक्षा क्यों –ए० एल० राही
व 33 (6), सितम्बर 1989, पृ 18-19

प्रौढ़ों को सही शिक्षा दीजिए—शोभा वैद्य
व 33 (7), अक्टूबर 1989, पृ 7-9

प्रौढ़ अवस्था में पढ़ना लज्जा क्यों—सविता सिन्हा
व 33 (7), अक्टूबर 1989, पृ 10-12

जन-संस्कृति के लिए जन-शिक्षा—आचार्य नरेन्द्र देव
व 33 (8-9), नवम्बर-दिसम्बर 1989, पृ 15-17

प्रौढ़ शिक्षा : स्वरूप और प्रक्रिया—नेकी राम गुप्त
व 33 (8-9), नवम्बर-दिसम्बर 1989, पृ 18-21

प्रौढ़ शिक्षा द्वारा अन्ध विश्वासों का निराकरण—महावीर प्रसाद तपोदी
व 33 (11-12), फरवरी-मार्च 1990, पृ 11-13

आखिर प्रौढ़ शिक्षा क्यों ?—ओम प्रकाश शर्मा
व 34 (4), जुलाई 1990, पृ 19-21

प्रौढ़ शिक्षा : उद्भव और विकास—बनवारी लाल सोनी
व 34 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1990, पृ 25-26

कुछ लिख के सो, कुछ पढ़ के सो—जीवन नायक
व 34 (9), दिसम्बर 1990, पृ 4-7, 12

प्रौढ़ जन को बहुमूल्य संसाधन का विकास करना चाहिए—शोभा वैद्य
व 35 (9), दिसम्बर 1991, पृ 8-9, 13

प्रौढ़ शिक्षा : कुछ कठिन मुद्दे—विमला लाल
व 35 (9), दिसम्बर 1991, पृ 10-13

प्रौढ़ों के लिए पर्यावरणीय शिक्षा—नसरीन
व 35 (9), दिसम्बर 1991, पृ 14-16

प्रौढ़ शिक्षा को जन आन्दोलन बनाया जाय—जे० एल० सचदेव
व 35 (12), मार्च 1992, पृ 26-29

सबकी शिक्षा—सबके द्वारा—सालेह मोहम्मद नायब
व 36 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1992, पृ 12-14

प्रौढ़ शिक्षकों के नाम खुली चिट्ठी—उसा दुयोंगसा
व 36 (9), दिसम्बर 1992, पृ 5-7

राष्ट्र के लिए प्रौढ़ जनों की संभाल आवश्यक है—शोभा वैद्य
व 36 (9), दिसम्बर 1992, पृ 22-23

नैतिक मूल्य : प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका—एच० सी० जैन
व 37 (8), नवम्बर 1993, पृ 7-10, 13

पद्धति नीति, योजना और प्रशासन

प्रौढ़ शिक्षा : कुछ नए प्रयोग—यूनेस्को
व 1 (3), अक्टूबर-दिसम्बर 1957, पृ 31-35

शिक्षा की पूर्वी व पश्चिमी प्रणालियां—हुमायूं कबीर
व 2 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1958, पृ 4-7

भारत में प्रौढ़ शिक्षा का फैलाव कैसे किया जाए—सूर्य प्रकाश करणवाल
व 6 (2), जून-जुलाई 1962, पृ 9-10

प्रौढ़ शिक्षा की एक आधुनिक पद्धति—धर्मवीर
व 8 (6), फरवरी-मार्च 1965, पृ 10-11, 27

प्रौढ़ शिक्षा पर एक नजर—मोहन सिंह मेहता
व 10 (1), अप्रैल-मई 1966, पृ 6-9, 22-23

कालीदास की शिक्षा पद्धति—महावीर नीर विद्यालंकार
व 10 (2), जून-जुलाई 1966, पृ 16-18, 21

कार्यक्रमों का निर्धारण और प्रौढ़ शिक्षा—चन्द्रशेखर तिवारी
व 18 (1) अप्रैल-मई 1974, पृ 2-7

किसान साक्षरता कक्षा के संगठन एवं सचालन में शिक्षक की भूमिका—गीता और श्रीदास गुप्ता
व 22 (8), नवम्बर 1978, पृ 22-24

प्रौढ़ शिक्षा क्यों और कैसे—शमशुद्दीन
व 23 (2), मई 1979, पृ 3-6

ग्राम स्तर पर प्रौढ़ शिक्षा के लिए सर्वेक्षण—श्याम लाल
व 23 (3), जून 1979, पृ 11-12

समानान्तर संकल्पनाओं के माध्यम से शिक्षा देना एस० राजू०
व 25 (11-12), फरवरी-मार्च 1982, पृ 29-30, 32

सूक्ष्म स्तर की प्रौढ़ शिक्षा परियोजना पर एक आलोचनात्मक दृष्टि—ओम् श्रीवास्तव
व 26 (8), नवम्बर 1982, पृ 15-16

प्रौढ़-शिक्षा—कार्यकर्त्ताओं के नाम एक पत्र—पाओलो फ्रियर
व 26 (9), दिसम्बर 1982, पृ 7-9, 26

प्रौढ़-शिक्षा अभियान की नई शिक्षा—अर्जुन सिंह
व 26 (10-11), जनवरी-फरवरी 1983, पृ 3-4

प्रौढ़ों की शिक्षा के लिए एक कार्यक्रम का स्वरूप—बड एल० हॉल और जे० रोबी० किड़
व27 (2), मई 1983, पृ 19-20, 25-28

प्रौढ़ शिक्षा के नये आयाम—मदन लाल वर्मा
व 29 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1985, पृ 14-16, 20

प्रौढ़ शिक्षा के नये आयाम – जीवन नायक
व 29 (9), दिसम्बर 1985, पृ 5-7

नई शिक्षा—नीति और प्रौढ़ शिक्षा – बैजनाथ शर्मा
व 29 (11-12), फरवरी-मार्च 1986, पृ 49-51

भारत में प्रौढ़ शिक्षा : माध्यम की भूमिका – एस० के० टुटेजा
व 30 (3), जून 1986, पृ 5-8, 35

नयी शिक्षा नीति और प्रौढ़ शिक्षा – सीताराम जायसवाल
व 30 (6), सितम्बर 1986, पृ 12-14

नयी शिक्षा नीति – एस० सी दत्ता
व 30 (6), सितम्बर 1986, पृ 15-17

प्रौढ़ शिक्षा और नयी शिक्षा नीति—जे० एल० सचदेव
व 30 (6), सितम्बर 1986, पृ 19-21

प्रौढ़ों से क्या लें ? प्रौढ़ों को क्या दें – बैजनाथ शर्मा
व 32 (3-4), जून-जुलाई 1988, पृ 5-7

साक्षरता—शिक्षण के लिए योजना निर्माण—सालेह मोहम्मद नायब
व 33 (3), जून 1989, पृ 14-16

प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र की आवश्कताएं--जगदीश शर्मा
व 33 (5), अगस्त 1989, पृ 16-18

प्रौढ़ शिक्षा की दिशा—दिलीप कुमार
व 33 (10), जनवरी 1990. पृ 15-19, 23

निरक्षरता से मुक्ति का उपाय सभी स्तरों पर समन्वय—भवानी शंकर गर्ग
व 33 (10), जनवरी 1990, पृ 20-23

प्रौढ़ शिक्षा के कुछ सिद्धान्त और शिक्षण प्रणाली—ए० एल० राही
व 34 (9), दिसम्बर 1990, पृ 13-16

पाठयक्रम—अध्यापन और शिक्षण-सामग्री

समाज शिक्षा में लोक नाटकों का योग—सूर्यनारायण श्रीवास्तव
व 1 (4) जनवरी-मार्च 1958, पृ 6-9, 12

लोक—रंगमंच—सूर्यदेवनारायण श्रीवास्तव
व 2 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1958, पृ 19-21, 27

मनोरंजन द्वारा शिक्षा—सूर्यदेवनारायण श्रीवास्तव
व 3 (1), अप्रैल-मई 1959, पृ 13-15, 44

समाज शिक्षा में मनोरंजनात्मक तथा सांस्कृतिक कार्यकलापों का महत्व—पृथ्वीनाथ चतुर्वेदी
व 3 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1959, पृ 7-10

दृश्य—श्रव्य साधन और प्रौढ़-शिक्षा—जगदीश चन्द्र माथुर
व 4 (5), दिसम्बर-जनवरी 1960, पृ 17

शिक्षा में फिल्मों का महत्व—जे०के० अथलिए
व 6 (2), जून-जुलाई 1962, पृ 11-12

श्रृव्य—दृश्व साधन और युवक शिक्षा—सूर्यदेवनारायण श्रीवास्तव
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 13-15

प्रौढ़ साक्षरता कक्षाओं में क्या पढ़ाएं—नेकीराम गुप्ता
व 8 (6), फरवरी-मार्च 1965, पृ 7-9, 15

प्रौढ़ों को शिक्षित करने में साहित्यकारों का भी दायित्व हैं—रामेश्वर अग्रवाल
व 9 (6), फरवरी-मार्च 1966, पृ 21-22

समाज शिक्षा में दृश्य – श्रृव्य साधन – चन्द्रशेखर तिवारी
व 11 (5), दिसम्बर-जनवरी 1967, पृ 14-16, 28

रेडियो और किसान : कृषक शिक्षा की नई दिशाएं—एल०के० सिंहल
व 19 (3), जून 1975, पृ 2-6

राष्ट्रीय प्रौढ़-शिक्षा में कठपुतली के तमाशे का योगदान—आर० सी० एरियल
व 23 (4), जुलाई 1979, पृ 12-14

टेप रिकार्डर द्वारा साक्षरता –प्रसार पद्यति—स्वरूप पुरोहित
व 24 (8), नवम्बर 1980, पृ 13-14

प्रौढ़ शिक्षा में दृश्य—श्रृव्य साधनों का योगदान—आर० सी० एरियल
व 25 (3), जून 1981, पृ 15-18, 27

प्रौढ़ शिक्षा में भाषा की समस्याएं—ओम श्रीवास्तव
व 25 (5), अगस्त 1981, पृ 3-6

जन-जातियों के प्रौढ़ सीखने वालों के लिए पठन-सामग्री—एम० कुण्डु
व 25 (10), जनवरी 1982, पृ 13-14, 24,32

प्रौढ़ शिक्षण सामग्री : निर्माण एवं प्रयोग की दिशाएं—हीरा लाल वाछोतिया
व 27 (7), अक्टूबर 1983, 14-18

प्रौढ़ों के लिए शैक्षिक सामग्री में लोक माध्यमों का विनयोग—जयपाल तरंग
व 27 (9), दिसम्बर 1983, पृ 7-11

शैक्षकि कठपुतली और प्रौढ़ शिक्षा—हेमलता तलेसरा
व 28 (3), जून 1984, पृ 16-18

प्रौढ़ शिक्षा और जन-सचार माध्यमों की भूमिका—जगत बहुखण्डी
व 30 (12), मार्च 1987, पृ 31-35

प्रौढ़ों की शैक्षणिक आवश्यकताएं : एक अध्ययन—सुन्दर लाल इण्टोदिया
व 31 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1987, पृ 19-22

प्रौढ़ शिक्षा के विकास में श्रव्य-दृश्य संचार माध्यम की भूमिका—विभतिभूषण महान्ति
व 31 (10), जनवरी 1988, पृ 6-10

सक्षारता प्रसार में कठपुतली नाटकों की भूमिका—श्रीपति रस्तोगी
व 32 (2), मई 1988, पृ 21-22, 26

शैक्षिक दूरदर्शन और मुद्रण—साधनों में परिवर्तन : प्रौढ़ शिक्षा के सन्दर्भ में—हंसराज पाल
व 32 (8), नवम्बर 1988, पृ 15-18

प्रौढ़ शिक्षा के लिए पठन-पाठन सामग्री—निशात फारुक
व 34 (5), अगस्त 1990, पृ 18-21, 30

प्रौढ़ों के लिए—लेखन-पठन पद्धति—बी० के० मेहता
व 35 (1-2), अप्रैल-मई 1991, पृ 8-11

प्रौढ़ शिक्षा के पांच पाठ—गणेश खरे
व 35 (4-5), जुलाई-अगस्त 1991, पृ 31-33

अनपढ़ों की किताब—देवेन्द्र सिंह
व 35 (1), अप्रैल 1992, पृ 14-17

आई० पी० सी एल० क्या है ?—शारदा कुमारी
व 37 (12), मार्च 1994, पृ 6-8

प्रौढ़ शिक्षा का इतिहास

प्रौढ़ शिक्षा : कुछ नए प्रयोग—यूनेस्को
व 1 (3), अक्टूबर-दिसम्बर 1957, पृ 31-35

पेरिस में प्रौढ़ शिक्षा गोष्ठी : सन् 1959-1960 के यूनेस्को—कार्यक्रम के लिए सुझाव—कुल्सुम सयानी
व 1 (4), जनवरी-मार्च 1958, पृ 35-36

प्रौढ़ शिक्षा में नये मोड़ : प्रौढ़ शिक्षा समय की प्रधान आवश्यकता है—शमसुद्दीन
व 2 (1), अप्रैल-मई 1958, पृ 11-14

प्रौढ़ शिक्षा में सफलता कैसे प्राप्त करें —जे० डी० वैश्य
व 2 (1), अप्रैल-मई 1958, पृ 15-17

प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में सफलता पाने के लिए व्यक्ति के भावात्मक व सांस्कृतिक जगत का स्पर्श करना ही होगा—अनन्त पै मानव
व 2 (1), अप्रैल-मई 1958, पृ 48-49

प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में कुछ क्रियात्मक सुझाव –कन्हैया लाल मत्त
व 2 (3), अगस्त-सितम्बर 1958, पृ 7-8

प्रौढ़-शिक्षा आन्दोलन—एक समालोचना—एस० सी० दत्ता
व 2 (6), फरवरी-मार्च 1959, पृ 10-11, 15

नई तालीम की दृष्टि से प्रौढ़ शिक्षा—धीरेन मजूमदार
व 3 (1), अप्रैल-मई 1959, पृ 10-11

भारत में 1947-63 में प्रौढ़ शिक्षा की झलक—सोहन सिंह
व 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 8-15

आजाद हिन्द फौज में प्रौढ़ शिक्षा—गोविन्द राम जोशी
व 23 (7), अक्टूबर 1979, पृ 24-25, 29

भारत में प्रौढ़ शिक्षा : कुछ पहलू—एन० ए० अन्सारी
व 24 (2) मई 1980, पृ 3-6

समाज शिक्षा

समाज शिक्षा– क्या और क्यों– सोहन सिंह
व 1 (1), अप्रैल 1957, पृ 13-18

द्वितीय पंच-वर्षीय योजना में समाज शिक्षा—शिवचन्द्र दत्ता
व 1 (2), जुलाई-सितम्बर 1957, पृ 6-10

समाज शिक्षक को निष्पक्ष भी होना चाहिए—रवीदत्त शर्मा
व 1(2), जुलाई-सितम्बर 1957, पृ 19-20

समाज शिक्षा के प्रति ग्रामीण पाठशालाओं का कर्तव्य : मिले-जुले स्कूल तथा सामुदायिक केन्द्रों की योजना पर विचार—शिवचन्द्र दत्ता
व 1 (3), अक्टूबर-दिसम्बर 1957, पृ 14-18

प्रौढ़ शिक्षा के सामाजिक रूप—चम्पा गोयल
व 1 (3), अक्टूबर-दिसम्बर 1957, पृ 24-27

समाज शिक्षा और शिक्षण संस्थाएं—शिवचन्द्र दत्ता
व 1 (4), जनवरी-मार्च 1958, पृ 21-22

समाज शिक्षा का आशय व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास करना है—नरेन्द्र कुमार
व 1 (4), जनवरी-मार्च 1958, पृ 26-29

समाज शिक्षा का स्वरूप व्यक्ति की आवश्यकता और अभिरुचि के अनुसार हो—शमसुद्दीन
व 1 (4), जनवरी-मार्च 1958, पृ 30-34

समाज शिक्षा के नये रूप—नरेन्द्र कुमार
व 2 (1), अप्रैल-मई 1958, पृ 28-30

विकास की दौड़ में समाज शिक्षा का अस्पष्ट रूप जगन्नाथ प्रसाद चौबे
व 2 (1), अप्रैल-मई 1958, पृ 44-45

राष्ट्रीय जीवन में समाज शिक्षा का स्थान—के० जी० सय्येदैन
व 2 (2), जून-जुलाई 1958, पृ 14-16

समाज शिक्षा आयोजक—भुवनेश्वर नाथ मिश्र माधव
व 2 (5), दिसम्बर-जनवरी 1958, पृ 9-11, 21

समाज-शिक्षा तथा जाति-भेद—राधाकमल मुकर्जी
व 2 (6), फरवरी-मार्च 1959, पृ 8-9, 29

नवीन ग्रामीण दृष्टिकोण और समाज शिक्षा—आनन्द शंकर शर्मा
व 2 (6), फरवरी-मार्च 1959, पृ 22-23

समाज शिक्षा का विकास—पृथ्वी नाथ चतुर्वेदी
व 3 (1), अप्रैल-मई 1959, पृ 22-23, 30

समाज शिक्षा—एक विश्लेषण—मुहम्मद मुजीब
व 3 (2), जून-जुलाई 1959, पृ 3-5, 22

समाज शिक्षा—रानाडे
व 3 (3), अगस्त-सितम्बर 1959, पृ 8-9

समाज शिक्षा की आवश्यकता—राजेन्द्र रावल
व 3 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1959, पृ 12-13

समाज शिक्षा का प्रसार—ब्रजमोहन पांडे
व 3 (5), दिसम्बर-जनवरी 1959, पृ 7-8

समाज-शिक्षा की ओर —परमानन्द दोषी
व 4 (2), जून-जुलाई 1960, पृ 8-9

पंचायत और सयानों की शिक्षा—सीताराम चतुर्वेदी
व 4 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1960, पृ 11-13

युवक व समाज शिक्षा—पृथ्वीनाथ चतुर्वेदी
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 55

जन-जातीय क्षेत्रों में समाज-शिक्षा—सच्चिदानन्द
व 7 (1), अप्रैल-मई 1963, पृ 6-7, 9

समाज-शिक्षा में एन. सी. सी. का महत्व—वीरेंद्र सिंह
व 8 (1), अप्रैल-मई 1964, पृ 13-16, 18

साक्षरता की एक योजना—मुश्ताक अहमद
व 9 (1), अप्रैल-मई 1965, पृ 4-7, 22

समाज शिक्षा में दृश्य—श्रव्य साधन—चन्द्रशेखर तिवारी
व 11 (5), दिसम्बर-जनवरी 1967, पृ 14-16, 28

सामुदायिक विकास और शिक्षादा—मोदर शर्मा
व 16 (11), फरवरी 1973, पृ 2-9

समाज शिक्षा में सहयोगात्मक प्रवृत्ति—कमला कान्त शर्मा
व 17 (9), दिसम्बर 1973, पृ 7-10

निदेशन एवं परामर्श—समाज शिक्षा का नया आयाम—भूदत्त शर्मा
व 28 (2) मई 1984, पृ 12-14, 22

बेहतर इन्सान और बेहतर समाज बनाने के लिए शिक्षा—एस० बी० कक्कड़
व 29 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1985, पृ 21-22-41

किसान साक्षरता कार्यक्रम

क्रियात्मक शिक्षा एवं कृषि उत्पादन—सुन्दरलाल इण्टोदिया
व 15 (3), जून 1971, पृ 16-18

कृषि क्रांति का चौथा चरण—जगदीश चन्द्र माथुर
व 15 (10), जनवरी 1972, पृ 2-6,31

कार्यात्मक साक्षरता और किसान—जगदीश चन्द्र माथुर
व 16 (3), जून 1972, पृ 2-7

किसानों में नए ज्ञान प्राप्ति का माध्यम शैक्षणिक भ्रमण—सुन्दर लाल इण्टोदिया
व 16 (7), अक्टूबर 1972, पृ 9-12

किसान साक्षरता में रत अध्यापकों एवं पर्यवेक्षकों के गुण तथा दायित्व—गोपेश चन्द्र शर्मा आतुर
व 17 (4), जुलाई 1973, पृ 10-14, 23-24

रेडियो और किसान : कृषक शिक्षा की नई दिशाएं—एल. के. सिंहल
व 19 (3), जून 1975, पृ 2-6

कृषि उत्पादन व प्रौढ़ शिक्षा—मनोहर लाल लोढ़ा और राज जैन
व 21 (1), अप्रैल 1977, पृ 15-17

किसान साक्षरता कक्षा के संगठन एवं संचालन में शिक्षक की भूमिका—गीता और श्री दास गुप्ता
व 22 (8), नवम्बर 1978, पृ 22-24

कृषि विकास में प्रौढ़ शिक्षा का महत्व—जसवंत सिंह भण्डारी
व 22 (9), दिसम्बर 1978, पृ 16-18

कार्यात्मक साक्षरता और पारिवारिक जीवन में समाज शिक्षा—दुर्गाबाई देशमुख
व 23 (6), सितम्बर 1979, पृ 16-18

क्रियात्मक साक्षरता के लिए जन-अभियान—पी. के. पटनायक
व 30 (12), मार्च 1987, पृ 7-21

राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम

राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा बोर्ड के उद्घाटन अवसर पर भाषण—मोरारजी देसाई
व 21 (12), मार्च 1978, पृ 5-8

राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के लिए आवश्यक—शिवव्रत गुप्त
व 21 (12), मार्च 1978, पृ 17-18

राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम—शिवचन्द्र दत्ता
व 22 (7), अक्टूबर 1978, पृ 7-9

प्रौढ़ शिक्षा आंदोलन : एक जायजा—राधेलाल निगम
व 22 (7), अक्टूबर 1978, पृ 18-20, 24

प्रौढ़ शिक्षा : एक राष्ट्रीय आंदोलन—जे. डी. शर्मा
व 22 (9), दिसम्बर 1978, पृ 13-15

प्रौढ़ शिक्षा अभियान : सफल कैसे हो—चुन्नीलाल सलूजा
व 22 (10), जनवरी 1979, पृ 11-12

राष्ट्रीय प्रौढ़-शिक्षा नीति के संदर्भ में ग्रामों में अनौपचारिक शिक्षा—ए. के. सक्सेना
व 22 (11-12), फरवरी-मार्च 1979, पृ 3-7

महिलाओं के लिए राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम—सुशीला मेहता
व 22 (11-12), फरवरी-मार्च 1979, पृ 16-18, 26

राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के कुछ विचारणीय बिन्दु—हरिदास हर्ष
व 23 (1), अप्रैल 1979, पृ 3-5

राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम में शिक्षा संस्थाओं का योगदान—राजम्मलपी० देवदास
व 23 (5), अगस्त 1979, पृ 3-5

प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम : कुछ उपलब्धियां—अम्बिका प्रसाद तिवारी
व 23 (5), अगस्त 1979, पृ 13-15

राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम का कार्यान्वयन एक विहंगावलोकन—जे० डी० शर्मा
व 23 (8), नवम्बर 1979, पृ 6-8

ग्रामीण अंचलों में राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम की समस्याएं—दिलीप कुमार
व 23 (8), नवम्बर 1979, पृ 23-25

प्रौढ़ शिक्षा प्रगति तथा संभावनाएं—ब्रह्म प्रकाश गुप्त
व 23 (8), नवम्बर 1979, पृ 26-27

राष्ट्रीय व्यस्क शिक्षा कार्यक्रम —रमा शंकर तिवारी
व 23 (10-11), जनवरी-फरवरी 1980, पृ 3-4

प्रौढ़ शिक्षा एक व्यापक कार्यक्रम -ब्रह्मदत्त स्नातक
व 24 (3), जून 1980, पृ 5-8

राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम क्यों—देवेन्द्र शर्मा
व 24 (3), जून 1980, पृ 9-11

प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के प्रति मेरे अनुभव—रामनाथ महलावत
व 24 (7), अक्टूबर 1980, पृ 17-18

व्यस्क शिक्षा के उद्देश्य—के० एन० अर्द्धनारीश्वरन
व 25 (1-2), अप्रैल-मई 1981, पृ 13-14

राष्ट्रीय व्यस्क शिक्षा कार्यक्रम में प्राथमिकताएं क्या हों—अनिल कुमार सिन्हा
व 25 (1-2), अप्रैल-मई 1981, पृ 15-17

राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम की कुछ झलकियां—जे० डी० शर्मा
व 25 (5), अगस्त 1981, पृ 7-9

प्रौढ़ शिक्षा आंदोलन का प्रभाव—शिवचन्द्र दत्ता
व 25 (6), सितम्बर 1981, पृ 14-15

राष्ट्रीय व्यस्क शिक्षा कार्यक्रम : कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे—सीताराम अकिंचन और प्रभात कुमार सिंह
व 26 (1), अप्रैल 1982, पृ 5-6, 18

राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा—कार्यक्रम पर एक दृष्टि—गोपाल सिंह नयाल
व 26 (4), जुलाई 1982, पृ 15-18, 22

राष्ट्रव्यापी एवं व्यापक प्रौढ़-शिक्षा-कार्यक्रम आरम्भ करने के लिए एक कार्य-योजना—एस० आर० मोहसिनी
व 26 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1982, पृ 3-5

प्रौढ़-शिक्षा कार्यक्रम में चेतना : अर्थ और सीमा क्षेत्र—एस० आर० मोहसिनी
व 27 (12), मार्च 1984, पृ 4-8

प्रौढ़ शिक्षा के क्रियान्वयन में बाधाओं का प्रत्यक्षीकरण—अरूण मिश्र
व 28 (1), अप्रैल 1984, पृ 10-12

मंडलकारा में व्यस्क शिक्षा कार्यक्रम एक अनुभव—बद्रीनारायण गुप्त
व 28 (3), जून 1984, पृ 6-7

प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम में जन-भागीदारी—हेमराज भाटी
व 28 (3), जून 1984, पृ 8-10, 23-24

प्रौढ़ शिक्षा : कार्यक्रम एक आइने अनेक सिद्धांतों के आइने में—बैजनाथ शर्मा
व 28 (3) 1984, पृ 4-5, शेष कवर 3 पर

प्रौढ़ शिक्षा के संदर्भ में जागरूकता : कुछ मुद्दे—नवल सिंह
व 28 (4-5), जुलाई-अगस्त 1984, पृ 4-7,32

प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम एक : आइने अनेक क्रियाओं के आइने में (2) प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र सेरिया की सेर—बैजनाथ शर्मा
व 28 (4-5), जुलाई-अगस्त 1984, पृ 8-10

प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम एक : आइने अनेक प्रौढ़ों के आइने में (3)—बैजनाथ शर्मा
व 28 (6), सितम्बर 1984, पृ 7-10

साक्षरता एवं सामाजिक जागरूकता—कृष्णप्रसाद पांडेय
व 29 (5), अगस्त 1985, पृ 17-21,36

प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों पर कार्यक्रम—वेदप्रकाश गुप्त
व 29 (11-12), फरवरी-मार्च 1986, पृ 37-39

भारत में निरक्षरता के विरुद्ध मुहिम—सज्जनमल मेहता
व 31 (4), जुलाई 1987, पृ 9-12

जीवन और संस्कृति की अंग : प्रौढ़ शिक्षा—ए० के० जलालुद्दीन
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 26-30

प्रौढ़ शिक्षा : एक टिप्पणी—गुमानमल जैन
व 33 (4), जुलाई 1989, पृ 34-35

प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम : सोच और विश्लेषण—अवनीश कुमार सिंह
व 33 (5), अगस्त 1989, पृ 12-15

राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम में शिक्षा संस्थानों का योगदान—शरण बहादुर
व 34 (2-3), मई-जून 1990, पृ 11-13

प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम का प्रौढ़ प्रतिभागियों के जीवन पर प्रभाव—छोटेलाल यादव
व 37 (2-3), मई-जून 1993, पृ 13-17

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन एवं सम्पूर्ण साक्षरता अभियान

नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रौढ़ शिक्षा : कार्य की योजना—भारत सरकार
व 30 (6), सितम्बर 1986, पृ 5-11

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन : बनाम प्रौढ़ महिला शिक्षा—अनिल के० सिन्हा
व 32 (1), अप्रैल 1988, पृ 14-16

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन : एक बड़ी समस्या का समाधान—राजीव गांधी
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 5-7

प्रौढ़ शिक्षण का राष्ट्रीय मिशन : राष्ट्रीय साधना—जनार्दन राय नागर
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 8-11

साक्षरता मिशन : कार्य-प्रणालियों की खोज—बलभद्र कुमार हूजा
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 12-15

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की सफलता व्यक्ति और व्यवस्था का दायित्व—दिलीप कुमार
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 21-26

प्रौढ़ शिक्षा में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की भूमिका—वीरेन्द्र कुमार अग्रवाल
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 34-36

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन : प्रचार एवं प्रसार—निशात फारूक
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 40-42

शिक्षा बनाम राष्ट्रीय साक्षरता अभियान—बी एल० गर्ग
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ4 3-45

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन : एक नई आशा—प्रणव खुल्लर
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 46-48

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन और स्वयं सेवी संस्थाएं—प्रेम भाई
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 49-50

मिशन : कुछ प्रतिक्रियाएं—रत्नाकर पाण्डेय
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 51-53

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन ने गहरी जड़ें पकड़ी—लक्ष्मीधर मिश्र
व 33 (10), जनवरी 1990, पृ 5-11

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन में सक्रिय भागीदारी—कालिका यादव
व 33 (10), जनवरी 1990, पृ 43-46

साक्षरता मिशन एवं आपकी भूमिका—तारा जायसवाल
व 34 (1), अप्रैल 1990, पृ 34-36

प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम : सवाल प्रासंगिकता का—हीरालाल बाछोतिया
व 34 (11), फरवरी1 991, पृ 11-14

साक्षरता अभियान—शमसुद्दीन
व 35 (3), जून 1991, पृ 14-16

सम्पूर्ण साक्षरता क्यों और कैसे—बलभद्र कुमार हूजा
व 35 (4-5), जुलाई-अगस्त 1991, पृ 25-27,33

सम्पूर्ण साक्षरता के संदर्भ में : निरक्षरता से मुक्ति—भवानी शंकर गर्ग
व 35 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1991, पृ 11-14

साक्षरता अभियान : महिलाओं का ऐतिहासिक कीर्तिमान—परदशीराम वर्मा
व 35 (8), नवम्बर 1991, पृ 10-12

आपसी कलह से घिरा साक्षर अभियान—वीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
व 35 (8), नवम्बर 1991, पृ 13-14

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन एवं हमारी नैतिक जिम्मेदारी—ओमप्रकाश पुरोहित
व 35 (8), नवम्बर 1991, पृ 30-31

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन और महिला स्तर—निशात फारूक
व 35 (10-11), जनवरी-फरवरी 1992, पृ 5-8

सम्पूर्ण साक्षरता परियोजना की सक्षम मानिटरिंग—बी० के० मेहता और बीणा पाठक
व 35 (10-11), जनवरी-फरवरी 1992, पृ 15-16,22

सम्पूर्ण साक्षरता का आदर्श और यथार्थ—उमाकांत सक्सेना
व 35 (12), मार्च 1992, पृ 22-24

सम्पूर्ण साक्षरता : एक विश्लेषण—बी० आर० व्यास
व 36 (1), अप्रैल 1992, पृ 18-20

साक्षरता अभियान के लिए आवश्यकता है जन आंदोलन की—सी० एस० दवे
व 36 (4-5), जुलाई-अगस्त 1992, पृ 5-7

सम्पूर्ण साक्षरता का यथार्थ और आदर्श—दिलीप कुमार
व 36 (4-5), जुलाई-अगस्त 1992, पृ 14-20

सन 2000 तक सबके लिए शिक्षा—हुकुमचन्द्र जैन
व 36 (6), सितम्बर 1992, पृ 8-12

सम्पूर्ण साक्षरता अभियान : क्षमताएं और कमजोरियां—माल्कम एस० आदिशेषेया
व 36 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1992, पृ 3-7

प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम का बदलता स्वरूप—नीरजा शर्मा
व 37 (2-3), मई-जून 1993, पृ 8-9

सम्पूर्ण साक्षरता हेतु अभियान—संजीव कुमार
व 37 (5), अगस्त 1993, पृ 12-13,17

संपूर्ण साक्षरता का राष्ट्रीय लक्ष्य और विकास—देवेश कुमार गुप्त
व 37 (5), अगस्त 1993, पृ 14-17

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन : नव साक्षर प्रौढ़ महिलाओं पर प्रभाव—शोभा गुप्ता अन्य
व 37 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1993, पृ 14-28

'सबके लिए शिक्षा' का नारा केवल कागज पर ही न रह जाय—प्रकाशकांत
व 37 (9), दिसम्बर 1993, पृ 16-18,24

साक्षरता

प्रौढ़ शिक्षा : कुछ नए प्रयोग : साक्षरता की परिभाषा और उसका मापदण्ड
व 1 (2), जुलाई-सितम्बर 1957, पृ 28-37

भारत में निरक्षरता निवारण—शमसुद्दीन
व 2 (5), दिसम्बर-जनवरी 1958 पृ 16-17,29

प्रौढ़ शिक्षा में साक्षरता का एक महत्वपूर्ण स्थान है परन्तु साक्षरता ही प्रौढ़ शिक्षा की सीमा नहीं है
व 2 (1), अप्रैल-मई 1958, पृ 53-54,59

निरक्षरता : एक विश्व समस्या—गोरडन बेहरंस
व 6 (6), फरवरी-मार्च 1963, पृ 3-4

अशिक्षा का अभिशाप—परमानंद दोषी
व 7 (2), जून-जुलाई 1963, पृ 4,27

प्रौढ़ साक्षरता के कुछ पहलू—नजीर अहमद अंसारी
व 8 (5), दिसम्बर-जनवरी 1964, पृ 8-10

साक्षरता की एक योजना—मुश्ताक अहमद
व 9 (1), अप्रैल-मई 1965, पृ 4-7,22

व्यापक साक्षरता का एक शुभारम्भ—शालिग्राम पथिक
व 9 (1), अप्रैल-मई 1965, पृ 11,26

प्रौढ़-साक्षरता के कुछ अनुभव—सुशीला मेहता
व 9 (1), अप्रैल-मई 1965, पृ 15-16, 26

प्रौढ़ साक्षरता सिखाने के लक्ष्य क्या है—मुश्ताक अहमद
व 9 (2), जून-जुलाई 1965, पृ 6-9

निरक्षरता का कलंक मिटाइये—प्रताप सिंह
व 11 (6), फरवरी-मार्च 1968, पृ 21-22

1971 की जनगणना तथा साक्षरता—हेमन्त कुमार
व 11 (2), मई 1971, पृ 16-19, 29

प्रौढ़ साक्षरता की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि—बरकत अली फिराक
व 15 (8), नवम्बर 1971, पृ 13-15, 20

1971 की जनगणना साक्षरता कार्यकर्त्ताओं को एक चेतावनी—
एन० ए० अन्सारी
व 15 (11), फरवरी 1972, पृ 2-3

प्रौढ़ साक्षरता के लिए क्या-क्या हो रहा है—यूनेस्को
व 15 (12), मार्च 1972, पृ 2-5

भरतपुर जिला साक्षर बनेगा—सुन्दरलाल इण्टोदिया और मंजू पारीक
व 16 (6), सितम्बर 1972, पृ 2-6

प्रौढ़ साक्षरता हमारा दायित्व—नेकीराम गुप्त
व 16 (7), अक्टूबर 1972, पृ 3-7, 15

क्या प्रौढ़ शिक्षा केवल साक्षरता तक सीमित—चुन्नीलाल सलूजा
व 17 (2), मई 1973, पृ 2-5

साक्षरता की परिभाषा—यूनेस्को
व 17 (3), जून 1973, पृ 2,22

बड़ी साक्षरता केन्द्र—शम्भूलाल शर्मा
व 17 (5), अगस्त 1973, पृ 5-6

प्रौढ़ शिक्षा एवं प्रौढ़ साक्षरता—न० अ० अन्सारी
व 17 (5), अगस्त 1973, पृ 10, 14

अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस—नेकीराम गुप्त
व 18 (6), सितम्बर 1974, पृ 2-5

अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस : दिल्ली व बीकानेर में—बिमला दत्ता
व 19 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1975, पृ 15-18

जुड़वां बहनें : निरक्षरता और निर्धनता—जी० रामचन्द्रन
व 19 (10), जनवरी 1976, पृ 2-7, 10-13

अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में—विमला दत्ता
व 20 (6) सितम्बर 1976, पृ 16-20

देश में साक्षरता का नया अभियान—बैजनाथ सिंह
व 21 (7), अक्टूबर 1977, पृ 22-26

प्रौढ़ साक्षरता कार्यक्रम में बुनियादी शिक्षा—सत्यप्रकाश पचोली
व 22 (11-12), फरवरी-मार्च 1979, पृ 21-24

प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों की नव-शिक्षित महिलाएं—रमाबेन देसाई
व 23 (10-11), जनवरी-फरवरी 1980, पृ 18-19

साक्षरता और आर्थिक विकास—मनमोहन मदारिया
व 23 (10-11), जनवरी-फरवरी 1980, पृ 25-26

सन 2001 में 55 करोड़ भारतीय अंगूठा छाप होंगे—दीनानाथ मिश्र
व 24 (3), जून 1980, पृ 3-4

विकास की प्रक्रिया में साक्षरता का योगदान—हरिदास हर्ष
व 24 (6), सितम्बर 1980, पृ 11-13

टेपरिकार्डर द्वारा साक्षरता—प्रसार पद्धति—स्वरूप पुरोहित
व 24 (8), नवम्बर 1980, पृ 13-14

निरक्षरता का श्रोत कहां से निकलता है—चन्द्रमोहन भाटिया
व 24 (12), मार्च 1981, पृ 3-5

कार्यात्मक साक्षरता में गृह विज्ञान की भूमिका—पुष्पा गुप्ता
व 25 (10), जनवरी 1982, पृ 11-12

"निरक्षर-अशिक्षितों में प्रवेश" की समस्या—जे०तिवारी
व 25 (11-12), फरवरी-मार्च 1982, पृ 15-18

निरक्षरता-उन्मूलन के लिए आंदोलन और कार्यक्रम—एस० आर० मोहसिनी
व 26 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1982, पृ 6-11

प्रौढ़ शिक्षा और साक्षरता—वी० एस० माथुर
व 26 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1982, पृ 12-14

साक्षरता के लिए अभियान चलाना—एच० एस० भोला
व 26 (9), दिसम्बर 1982, पृ 11-19, 27-29

साक्षरता का अर्थ साक्षरता से कहीं ज्यादा है—संतो दत्ता
व 27 (3), जून 1983, पृ 7-10

यूनेस्को द्वारा साक्षरता अभियान में योगदान—ताज रावत
व 28 (1), अप्रैल 1984, पृ 13-16

भारत में सौ प्रतिशत साक्षरता कैसे प्राप्त की जाए—संजीवन प्रसाद
व 28 (6), सितम्बर 1984, पृ 25-29

भारत में साक्षरता : समस्या एवं समाधान—सीताराम सिंह
व 28 (6), सितम्बर 1984, पृ 30-33

साक्षरता एवं सामाजिक जागरूकता—रमाशंकर तिवारी
व 28 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1984, पृ 19-21

साक्षरता और चरित्र निर्माण—रघुबीर सहाय
व 28 (9), दिसम्बर 1984, पृ 3-4

शत-प्रतिशत साक्षरता : स्वरूप, साधन और परिकल्पना—शिवचन्द्र दत्ता
व 29 (4), जुलाई 1985, पृ 9-11, 14

साक्षरता की जड़ों में—कृष्ण कुमार
व 30 (4), जुलाई 1986, पृ 13-14

निरक्षरता निवारण : एक चुनौती—पी० एन० त्रिपाठी
व 30 (5), अगस्त 1986, पृ 25-29

देश का विकास और साक्षरता : एक वार्तालाप—नाजिमहुसैन अलजाफरी
व 31 (3), जून 1987, पृ 30-33

निरक्षर क्यों पढ़ें—जनार्दन सोनवणें
व 31 (3), जून 1987, पृ 34-36

निरक्षरता से मुक्ति का उपाय : सभी स्तरों पर समन्वय—भवानी शंकर गर्ग
व 31 (8), नवम्बर 1987, पृ 5-8

साक्षरता प्रयासों में यथार्थ और कल्पना—मंजूर अहमद
व 31 (9), दिसम्बर 1987, पृ 7-10

साक्षरता—एक अनुभव—यूसुफ सेलेमानी
व 31 (10), जनवरी 1988, पृ 29-32

साक्षरता की दिशा में—पी० वी० नरसिंह राव
व 32 (2), मई 1988, पृ 5-8

निरक्षरता उन्मूलन : चुनौतियां और कार्यक्रम—अमादो महतार एम० बो०
व 32 (2), मई 1988, पृ 30-32

प्रौढ़ शिक्षा के माध्यम से सामान्य कानूनों की जानकारी—महावीर प्रसाद तपोदी
व 32 (5), अगस्त 1988, पृ 19-21, 23

साक्षरता का प्रश्न इतना सरल नहीं है—दयालचन्द्र सोनी
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 16-20

ग्रामीण क्रियात्मक साक्षरता : एक रपट—केन्द्रपाल सिंह
व 32 (10), जनवरी 1989, पृ 20-22

निरक्षरता उन्मूलन की चुनौती को स्वीकार करना चाहिए—प्रताप नारायण श्रीवास्तव
व 32 (11), फरवरी 1989, पृ 5-11

सघन साक्षरता अभियान : समस्याएं एवं समाधान—कालिका यादव
व 33 (3), जून 1989, पृ 5-8

बंदियों के लिए साक्षरता प्रयास—अशोक कुमार मुद्गल
व 33 (4), जुलाई 1989, पृ 29-31

इक्कीसवीं सदी तक पूर्ण साक्षरता के लिए—देवेन्द्र सिंह
व 33 (5), अगस्त 1989, पृ 5-7

निरक्षर विचारक और वानस्पतिक शोधकर्ता—रामस्वरूप
व 33 (5), अगस्त 1989, पृ 35-37

साक्षरता आंदोलन और प्रौढ़ शिक्षा—कुसुम वीर
व 33 (6), सितम्बर 1989, पृ 15-17

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस—चन्द्रशेखर तिवारी
व 33 (6), सितम्बर 1989, पृ 20-22

साक्षरता के घेरे में—विमला लाल
व 33 (7), अक्टूबर 1989, पृ 4-6

भारत में साक्षरता : कल, आज और कल—सीताराम जायसवाल
व 33 (10), जनवरी 1990, पृ 12-14

साक्षरता का सवाल सरल नहीं है—दयाल चन्द्र सोनी
व 33 (10), जनवरी 1990, पृ 24-28

साक्षरता लक्ष्य कैसे ?—पी० एन० अस्थाना
व 33 (10), जनवरी 1990, पृ 34-37

गरीबी-विरोधी योजनाओं की असफलता का कारण निरक्षरता—बी० के० अग्रवाल
ब 33 (11-12), फरवरी-मार्च 1990, पृ 8-10

साक्षरता का पोत—बलभद्र कुमार हूजा
व 34 (1), अप्रैल 1990, पृ 5-8

हमारे धर्म-ग्रंथ और साक्षरता— सुषमा मेढ़
व 34 (1), अप्रैल 1990, पृ 17-18,28

निरक्षरता उन्मूलन में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका—रोहिणी प्रसाद
व 34 (5), अगस्त 1990, पृ 15-17

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता वर्ष : आगामी दशक के लिए कार्य-नीति—जे० सी० सक्सेना और जे० एल० सचदेव
व 34 (5), अगस्त 1990, पृ 22-26

हम निरक्षरता को मिटाने की चुनौती का सामना करें—भाई भगवान
व 34 (5), अगस्त 1990, पृ 27-30

निरक्षरता को 'कलंक' कहना 'स्कूलित' लोगों का कोरा दंभ—दयाल चन्द्र सोनी
व 34 (6), सितम्बर 1990, पृ 4-11

भारतीय राजनीतिक संरचना में साक्षरता की भूमिका—देवेश कुमार गुप्त
व 34 (11), फरवरी 1991, पृ 18-21

जनसंख्या वृद्धि एवं साक्षरता—श्रीपति रस्तोगी
व 34 (12), मार्च 1991, पृ 11-12

निरक्षरता उन्मूलन और लाडनूं प्रयोग—बलभद्र भारती
व 34 (12), मार्च 1991, पृ 16-18

निरक्षरता अभिशाप है—बिमला
व 34 (12), मार्च 1991, पृ 19-21

निरक्षरता उन्मूलन कार्यक्रम के आलोचकों से —हरगोविन्द नायक
व 35 (1-2), अप्रैल-मई 1991, पृ 5-7

साक्षरता का ताज पहना जा सकता है—बल्लभ डोगरे
व 35 (1-2), अप्रैल-मई 1991, पृ 19-20

पचायती राज व्यवस्था और साक्षरता कार्यक्रम : एक टिप्पणी—रामनाथ महलावत
व 35 (3), जून 1991, पृ 22-23

हिन्दी भाषी क्षेत्र में साक्षरता : स्थिति और चुनौतियां —जे० एल० सचदेव
व 35 (4-5), जुलाई-अगस्त 1991, पृ 10-17

साक्षरता विकास की पहली प्राथमिकता है—एस० सी० दवे
व 35 (4-5), जुलाई-अगस्त 1991, पृ 28-30

निरक्षरता के खिलाफ लड़ाई—जे० बीरा राघवन
व 35 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1991, पृ 14-17

साक्षरता की दिशा में—विभा नरगुन्दे
व 35 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1991, पृ 43-46

निरक्षरता मुक्ति : उपेक्षा क्यों और कब तक—हरगोविन्द नायक
व 35 (8), नवम्बर 1991, पृ 5-6

कार्यात्मक साक्षरता—रणजीत सिंह कुमट
व 35 (8), नवम्बर 1991, पृ 7-9

साक्षरता के संदर्भ में दो अनुभव—विभा चन्द्राकर
व 35 (9), दिसम्बर 1991, पृ 21-24

प्रौढ़ शिक्षा और साक्षरता आंदोलन—सालेह मोहम्मद नायब
व 35 (10-11), जनवरी-फरवरी 1992, पृ 12-14

सबसे बड़ी कमजोरी निरक्षरता है—स्वामी विवेकानन्द
व 35 (10-11), जनवरी-फरवरी 1992, पृ 23-26

ग्राम विकास में साक्षरता कार्यक्रमों की भूमिका—हीरालाल बाछोतिया
व 35 (12), मार्च 1992, पृ 19-21

साक्षरता : एक अनन्त विवाद—रामलाल पारीख
व 36 (1), अप्रैल 1992, पृ 5-8

साक्षरता की जरूरत—जगदीश शर्मा
व 36 (1), अप्रैल 1992, पृ 24-25

निरक्षरता का अंतराष्ट्रीय आयाम—हुकुम चन्द जैन
व 36 (1), अप्रैल 1992, पृ 27-32

1991 की जनगणना और साक्षरता—जे० एल० सचदेव
व 36 (2-3), मई-जून 1992, पृ 5-6

कारागार में साक्षरता अभियान एवं निरंतर शिक्षा : एक अनुभव—नानू भाई जोशी और ए० एस० मालवीय
व 36 (4-5), जुलाई-अगस्त 1992, पृ 8-13

जनसमूह की निरक्षरता किसका पाप किसकी शरम—हरगोबिन्द नायक
व 36 (11-12), फरवरी-मार्च 1993, पृ 6-14

निर्धनता एवं निरक्षरता : कुछ भ्रान्तियां—सुरेश सूरतवाला
व 37 (1), अप्रैल 1993, पृ 3-5

क्या, साक्षरता अभियान का प्रतिफल मिलेगा—अनुजा चौधरी
व 37 (1) अप्रैल 1993, पृ 6-7

शिक्षित निरक्षरों से अशिक्षित साक्षरों को भी कुछ सीखना चाहिए—दयाल चन्द्र सोनी
व 37 (4), जुलाई 1993, पृ 3-5

अलग हैं हिन्दी राज्यों में साक्षरता की चुनौतियां—विनोद नागर
व 37 (8), नवम्बर 1993, पृ 14-16,18

लोक संस्कृति की रीढ़, स्थानीय लोकवाणी बनाम आज का साक्षरता आंदोलन—दयाल चन्द्र सोनी
व 37 (9), दिसम्बर 1993, पृ 12-15

प्रौढ़ मनोविज्ञान

प्रौढ़ शिक्षा का मनोवैज्ञानिक आधार—मेघराज शर्मा
व 1 (3) अक्टूबर-दिसम्बर 1957, पृ 28-30

भोजपुरी लोक-गीतों में प्रौढ़-शिक्षा पर जोर—विद्याधर शुक्ल विद्यार्थी
व 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 43-44

प्रौढ़ों का मन और साक्षरता—धर्मवीर
व 10 (2), जून-जुलाई 1966, पृ 14-15

सीखने में भावनाओं का स्थान—रोबी किड
व 10 (5), दिसम्बर-जनवरी 1966, पृ 6-10

प्रौढ़ और बच्चों के सीखने में अन्तर है
व 10 (5), दिसम्बर 1966, पृ 23-24

प्रौढ़ों द्वारा सीखना—राजेन्द्र जायसवाल
व 11 (3), अगस्त-सितम्बर 1967, पृ 10-11,31

प्रौढ़ छात्र का मनोविज्ञान—हंसराज पाल
व 23 (9), दिसम्बर 1979, पृ 3-4

प्रौढ़ों की मनोवैज्ञानिक अपेक्षाएं—चुन्नी लाल सलूजा
व 24 (8), नवम्बर 1980, पृ 11-12

कार्यात्मक साक्षरता कार्यक्रमों में प्रेरणा देने की समस्या—सी० राज्यलक्ष्मी
व 25 (4), जुलाई 1981, पृ 4-7, 18,30

विकास और अभिप्रेरणा—आशुतोष कुमार सिन्हा
व 26 (1), अप्रैल 1982, पृ 3-4,16

प्रौढ़ों की बुद्धि के सम्बन्ध में साक्षरता—ह्रास का अध्ययन—जंगबहादुर सिंह मनराल
व 28 (3), जून 1984, पृ 21-22

प्रौढ़ मनोविज्ञान के कुछ बिन्दु—सीताराम जायसवाल
ब 29 (1), अप्रैल 1985, पृ 5-7

प्रौढ़ों के सीखने के आधार एक वैचारिक यात्रा—ओम श्रीवास्तव
व 30 (11), फरवरी 1987 पृ 19-22

महिला प्रतिभागियों की भागीदारी : मनोवैज्ञानिक कारक—नीरजा शर्मा
व 32 (9), दिसम्बर 1988, पृ 9-11

प्रौढ़ शिक्षा के लिए एक सधन पदयात्रा—गोविन्द जोशी
व 33 (5), अगस्त 1989, पृ 21-26

प्रौढ़ों से व्यवहार के 20 सूत्र—जे० एल० सचदेव
व 36 (6), सितम्बर 1992, पृ 5-7

प्रौढ़ कैसे सीखते हैं—शारदा
व 37 (2-3), मई-जून 1993, पृ 10-12

कार्यकर्त्ता एवं उनका प्रशिक्षण

प्रौढ़ शिक्षकों का उत्तरदायित्व—ब्रजभूषण पांडेय
व 2 (2), जून-जुलाई 1958, पृ 10-11

समाज शिक्षा आयोजक—भुवनेश्वर नाथ मिश्र माधव
व 2 (5), दिसम्बर-जनवरी 1958, पृ 9-11,21

सामुदायिक विकास कार्यक्रम में समाज शिक्षा संयोजक का कार्य व स्थान—कन्हैया लाल शर्मा
व 8 (3), अगस्त-सितम्बर 1964, पृ 8-9

प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम परिवीक्षकों की नजर में—भगवती लाल व्यास
व 23 (1), अप्रैल 1980, पृ 17-18

अनुदेशक तथा ग्रामीण शिक्षार्थी—पी० के० शाहू
व 24 (6), सितम्बर 1980 पृ 6-7, (शेष पृष्ठ पर) 33

व्यस्क शिक्षा कार्यक्रम एवं पर्यवेक्षिकाएं—मोहन प्रसाद सिंह
व 25 (1-2), अप्रैल-मई 1981, पृ 41-42

समुदायिक स्वास्थ्य स्वयं सेवक : एक प्रौढ़ शिक्षक—ए० के० सेन
व 25 (6), सितम्बर 1981, पृ 9-10 (शेष तीसरे आवरण पर)

प्रौढ़ शिक्षा : कार्यकर्त्ताओं के आईने में—बैजनाथ शर्मा
व 28 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1984, पृ 25-28,34-35

प्रौढ़ शिक्षा की धुरी : अनुदेशक—जे० एल० सचदेव
व 31 (11-12), फरवरी-मार्च 1988, पृ 14-16

प्रौढ़ शिक्षा के अनुदेशकों से—कृष्ण कुमार गुप्त
व 32 (5), अगस्त 1988, पृ 10-12

प्रौढ़ अनुदेशकों के लिए कानूनी जानकारी : कितनी सुलभ-कितनी सरल—शोभा वैद्य
व 32 (12), मार्च 1989, पृ 5-7

प्रौढ़ शिक्षा में अनुदेशकों की मानसिकता—शमशेर अली
व 34 (4), जुलाई 1990, पृ 16-18

दस वर्ष की बालिका लेती है—'प्रौढ़ शिक्षा क्लास'—नरेन्द्र राठौर
व 35 (4-5), जुलाई-अगस्त 1991, पृ 37-38

प्रशिक्षण

महिलाओं के लिए प्रशिक्षण केन्द्र कैसे चलाए जायें
व । (4), जनवरी-मार्च 1958, पृ 13-17

प्रौढ़ शिक्षा में नए प्रशिक्षण—एम० चौबे
फरवरी-मार्च 1964, पृ 32-33

भारत में क्रियात्मक प्रौढ़-शिक्षा क्षेत्र में कार्यकर्त्ताओं का प्रशिक्षण—ए० एन० अंसारी
व 15 (1), अप्रैल 1971, पृ 2-4

कृषक प्रशिक्षण केन्द्रों की उपयोगिता—एच० एस० ठाकुर
व 15 (8), नवम्बर 1971, पृ 26-27

किसान साक्षरता में रत अध्यापकों एवं पर्यवेक्षकों के गुण तथा दायित्व—गोपेश चन्द्र शर्मा आतुर
व 17 (4), जुलाई 1973, पृ 10-14, 23-24

प्रौढ़ साक्षरता शिक्षकों का प्रशिक्षण—बी० सी० रोकड़िया
व 17 (11), फरवरी 1974, पृ 2-9

युवा नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम—उदय लाल चण्डालिया
व 24 (5), अगस्त 1980, पृ 14-16

प्रौढ शिक्षा में लोक-सम्पर्क का महत्व—किशोर कान्त ओझा
व 24 (6) सितम्बर 1980, पृ 8-10

प्रौढ शिक्षा के लिए कार्यकर्त्ताओं का प्रशिक्षण—शिवचन्द्र दत्ता
व 25 (3), जून 1981, पृ 3-6

प्रौढ़ शिक्षा : प्रशिक्षण की एक रूप रेखा—एस० सी० दत्ता
व 30 (2), मई 1986, पृ 7-9,12

परिवर्तनकर्ता का प्रशिक्षण और दायित्व—कमला भसीन
व 30 (11), फरवरी 1987, पृ 13-17

प्रौढ़ शिक्षा की विश्वजनीन समस्या : प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण—भवानी शंकर व्यास
व 31 (8), नवम्बर 1987, पृ 19-30

प्रौढ़ शिक्षा : प्रशिक्षण की रूप रेखा—ए०सी० दत्ता
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 92-95

परिवर्तनकर्ता का प्रशिक्षण और दायित्व—कमला भसीन
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 100-104

महिला अनुदेशकों से—शैल कुमारी अग्रवाल
व 33 (4), जुलाई 1989, पृ 13-17

भारतीय विद्याएं और जनोपयोगी शिक्षण—रामस्वरूप
व 36 (11-12), फरवरी-मार्च 1993, पृ 18-20

जनसंख्या शिक्षा

यौन-शिक्षा—ज०ड० बोज
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 18-19

परिवार नियोजन के तरीके कोई मुश्किल नहीं हैं—सुरेन्द्र कुमार जैन
व 9 (5), दिसम्बर-जनवरी 1965, पृ 17-20

परिवार नियोजन के लिए प्रौढ़ शिक्षा आवश्यक—नेकीराम गुप्ता
व 15 (5), अगस्त 1971, पृ 2-6

प्रौढ़ शिक्षा एवं परिवार नियोजन—अजित कुमार जैन
व 15 (7), अक्टूबर 1971, पृ 2-6

प्रौढ़ कक्षाओं में जनसंख्या शिक्षा—चुन्नीलाल सलूजा
व 23 (8), नवम्बर 1979, पृ 20-21

जनसंख्या शिक्षा की आवश्यकता—ज्ञानेन्द्र कुमार
व 24 (4), जुलाई 1980, पृ 5-7

प्रौढ़ शिक्षा के साथ जनसंख्या—शिक्षा का एकीकरण—वी० मोहन कुमार
व 25 (5), अगस्त 1981, पृ 13-16

जनसंख्या शिक्षा का महत्व—आर० एस० शफी
व 25 (11), जनवरी 1982, पृ 3-4

पर्यावरण, स्वास्थ्य, आवास, शिक्षा और पोषण से जनसंख्या का सम्बन्ध—आर० एस० शफी
व 26 (4), जुलाई 1982, पृ 9-12, 14

जन्म-मृत्यु के आंकड़े की प्रवृत्तियों एवं प्रामाणिक विकास के बीच सम्बन्ध—एस० पी० चावला
व 26 (10-11), जनवरी-फरवरी 1983, पृ 19-25

जनसंख्या शिक्षा एवं महिला साक्षरता—के. एम. भटनागर
व 28 (10), जनवरी 1985, पृ 35-37

प्रौढ़ शिक्षा के आधार : साक्षरता और नियोजित परिवार—आर. एस. विरमानी
व 29 (6), सितम्बर 1985, पृ 20-22

प्रौढ़ शिक्षा और जनसंख्या शिक्षा—निशात फारूक
व 30 (5), अगस्त 1986, पृ 17-19

प्रौढ़ शिक्षा और परिवार कल्याण—मोतीलाल बोरा
व 32 (8), नवम्बर 1988, पृ 5-8

जनसंख्या शिक्षा : प्रौढ़ शिक्षा के माध्यम से—जगदीश शर्मा
व 32 (11), फरवरी 1989, पृ 24-26

जनसंख्या शिक्षा की आवश्यकता कितनी सार्थक—जे. एल. सचदेव
व 33 (11-12), फरवरी-मार्च 1990, पृ 5-7

प्रौढ़ शिक्षा में जनसंख्या शिक्षा का समन्वय—विभा नरगुन्दे
व 35 (8), नवम्बर 1991, पृ 29-30

साक्षरता अभियानों में जनसंख्या शिक्षा का समन्वय—जे. एल. सचदेव
व 36 (11-12), फरवरी-मार्च 1993, पृ 3-5

जनसंख्या प्रौढ़ शिक्षा : कितनी आवश्यक—संजय वर्मा
व 36 (11-12), फरवरी-मार्च 1993, पृ 21-22

महिला शिक्षा

बिहार में महिला प्रशिक्षण केन्द्र—गौरी चक्रवर्ती
व । (1), अप्रैल 1957, पृ 23-26

उत्तर प्रदेश में महिलाओं के लिए कल्याण योजना—मारया गेल्डेंस
व । (2), जुलाई-सितम्बर 1957, पृ 11-15

महिलाओं के लिए प्रशिक्षण केन्द्र कैसे चलाए जायें—
व । (4), जनवरी-मार्च 1958, पृ 13-17

शिक्षित महिलाएं घरेलू जीवन को सुन्दर बनाएं—ख्वाजा गुलामुस्सैयदेन
व 3 (1), अप्रैल-मई 1959, पृ 12,38

शिक्षा द्वारा ही नारी शक्ति का विस्फोट सम्भव है—गौरी चक्रवर्ती
व 3 (2), जून-जुलाई 1959, पृ 14-16

कमला का स्कूल —नारायण प्रसाद श्रीवास्तव
व 4 (3), अगस्त-सितम्बर 1960, पृ 14-16

बूढ़ी दाढ़ी की शिक्षा—पीटर डू सोटे
व 4 (5), दिसम्बर-जनवरी 1960, पृ 19-21

पंचायती राज में नारी शिक्षा—इन्द्रा ओझा
व 6 (2), जून-जुलाई 1962, पृ 15, 27

नारी शिक्षा—सुरेश चन्द्र घोड़ावत
व 8 (5), दिसम्बर-जनवरी 1964, पृ 16

महिलाओं के लिए प्रौढ़ शिक्षा—अजित कुमार जैन
व 11 (6), फरवरी-मार्च 1968, पृ 23-24

प्रौढ़-शिक्षा कक्षाओं में भाग लेने के कारण : बड़ौदा की महिलाओं पर किया हुआ एक शोध प्रबन्ध—अरविन्द चन्द्र और कंवल खुराना
व 15 (1), अप्रैल 1971, पृ 21-23

महिलाओं के लिए व्यावहारिक शिक्षा—मालती लपालीकर
व 15 (2), मई 1971, पृ 2-5

विकास कार्यों में महिलाओं की भूमिका—शीला त्रिवेदी
व 19 (12), मार्च 1976, पृ 2-6

उड़ीसा, उत्कल नवजीवन मण्डल, महिला अनौपचारिक शिक्षा पर उड़ीसा में आयोजित सेमीनार—बिमला दत्ता
व 20 (2-3), मई-जून 1976, पृ 2-10

महिलाओं के लिए अनौपचारिक शिक्षा हेतु पाठयक्रम निर्माण—टी. ए. कोशी
व 20 (6), सितम्बर 1976, पृ 2-5, 7-8

स्त्री-शिक्षा का छोटा-सा इतिहास—तेज आनन्द
व 21 (1), अप्रैल 1977, पृ 18-20

आम जिन्दगी से जुड़ी प्रौढ़—स्त्री-शिक्षण की योजना—दुर्गाशंकर द्विवेदी
व 21 (2-3), मई-जून 1977, पृ 10-12

प्रौढ़ (महिला) शिक्षा बाधाएं एवं सुझाव—श्याम लाल
व 23 (9), दिसम्बर 1979, पृ 6-9

महिलाओं के लिए राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम—सुशीला मेहता
व 22 (11-12), फरवरी-मार्च 1979, पृ 16-18,26

प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र की नव-शिक्षित महिलाएं—रमाबेन देसाई
व 23 (10-11), जनवरी-फरवरी 1980, पृ 18-19

नारी चेतना और अनौपचारिक शिक्षा—रामस्वरूप रक्षक
व 25 (7), अक्टूबर 1981, पृ 7-9, 31

प्रौढ़ शिक्षा और महिला-विकास—आर. आर. शर्मा
व 25 (11-12), फरवरी-मार्च 1982, पृ 26-28 (शेष आवरण पृष्ठ तीन पर)

व्यस्क शिक्षा बनाम महिला प्रतिभागी—जे० तिवारी
व 27 (3), जून 1983, पृ 23-24

महिलाओं में प्रौढ़ शिक्षा—शमीमा बेगम
व 28 (4-5), जुलाई-अगस्त 1984, पृ 12-13, 17

प्रौढ़ महिलाओं के लिए शैक्षिक कार्यक्रम—कुमुद बंसल
व 28, (6), सितम्बर 1984, पृ 11-14

महिलाएं और शिक्षा—मोहसिना किदवई
व 28 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1984, पृ 5-7

आज का समाज और महिला—देवेश कुमार गुप्त
व 28 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1984, पृ 8-9,13

महिला प्रौढ़ शिक्षा और राष्ट्रीय नव निर्माण—कालिका यादव और कृपा देवी
व 28 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1984, पृ 10-13

महिला शिक्षा : विकास की पहली आवश्यकता—प्रमिला तिवारी
व 28 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1984, पृ 14-16

शिक्षा और ग्रामीण महिलाएं—काशीनाथ तिवारी
व 28 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1984, पृ 17-18, 21

महिलाओं के लिए प्रौढ़ एवं अनौपचारिक शिक्षा—जे. एल. सचदेव
व 28 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1984, पृ 29-35

समस्याओं के घेरे में शिक्षित एवं कामकाजी नारी—शकुन्तला मंगलसेन
व 28 (11), फरवरी 1985, पृ 16-19

ग्रामीण समुदाय और महिला शिक्षा—प्रेमलता श्रीवास्तव
व 28 (12), मार्च 1985, पृ 18-19

महिलाओं की अनौपचारिक शिक्षा—योगेन्द्र नारायण मिश्र
व 29 (1), अप्रैल 1985, पृ 33-35

ग्रामीण महिलाओं की शिक्षा एवं ग्रामीण विकास कार्यक्रम में उनकी सहभागिता—सुभाषचन्द्र राय
व 29 (5), अगस्त 1985, पृ 11-13, 28

स्वामी विवेकानन्द और महिला शिक्षा—चंचल मिश्रा
व 30 (2), मई 1986, पृ 25-27

ग्रामीण महिला और प्रौढ़ शिक्षा—आशा दीक्षित
व 30 (3), जून 1986, पृ 9-12

शिक्षित महिला : निरक्षर बहनों की सेवा में—कुन्दा सुपेकर
व 30 (6), सितम्बर 1986, पृ 24-26

प्रौढ़ शिक्षा के दायरे में भारतीय नारी—हरीश आनन्द
व 31 (3), जून 1987, पृ 22-25

महिला शिक्षा की सार्थकता और आधार—दिलीप कुमार
व 32 (1), अप्रैल 1988, पृ 11-13, 16

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन : बनाम प्रौढ़ महिला शिक्षा—अनिल के० सिन्हा
व 32 (1), अप्रैल 1988, पृ 14-16

अपरिहार्य महिला शिक्षा—प्रतिभा पांडेय
व 32 (1), अप्रैल 1988, पृ 17-19

नारी शिक्षा के बदलते आयाम—अनिता गुप्ता
व 32 (1), अप्रैल 1988, पृ 20-22

महिलाओं के लिए प्रौढ़ शिक्षा : शिक्षण व्यूहों की दिशा-दृष्टि—जयपाल तरंग
व 32 (1), अप्रैल 1988, पृ 23-28

महिला प्रौढ़ शिक्षा : चाहिए—सजग और अन्वेषक दृष्टि—बिमला लाल
व 32 (1), अप्रैल 1988, पृ 40-42

नारी और प्रौढ़ शिक्षा—रीता अग्रवाल
व 32 (1), अप्रैल 1988, पृ 43-45

नारी शिक्षा बनाम सामाजिक जागरूकता—बी. एल. गर्ग
व 32 (1), अप्रैल 1988, पृ 48-49

भारत में महिला साक्षरता : एक महान चुनौती—जगदीश चरन सक्सेना
व 32 (1), अप्रैल 1988, पृ 63-65

महिला शिक्षा : महिलाओं की भूमिका—भवानी शंकर गर्ग
ब 32 (2), मई 1988, पृ 27-29

महिला प्रतिभागियों की भागीदारी : मनोवैज्ञानिक कारक—नीरजा शर्मा
ब 32 (9), दिसम्बर 1988, पृ 9-11

महिला शिक्षा : गृह वैज्ञानिक की भूमिका—कमलेश शर्मा
व 32 (10), जनवरी 1989, पृ 10-13

नारी एक माप दण्ड अनेक : प्रौढ़ शिक्षा की चुनौती—शोभा वैद्य
व 32 (10), जनवरी 1989, पृ 14-16

भारतीय समाज में स्त्री—शिक्षा की अवधारणा—शशिकला पांडेय
व 32 (11), फरवरी 1989, पृ 12-15

भारत में महिला साक्षरता : एक महान चुनौती—जे. सी. सक्सेना
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 81-84

ग्रामीण महिला और प्रौढ़ शिक्षा—आशा दीक्षित
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 84-88

उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों की महिला उत्थान में भूमिका—एन. सी. जैन और एच. आर. पाल
व 33 (3), जून 1989, पृ 32-34

महिला अनुदेशकों से—शैल कुमारी अग्रवाल
व 33 (4), जुलाई 1989, पृ 13-17

शिक्षित नारी का आदर्श—वी. के. अग्रवाल
व 33 (7), अक्टूबर 1989, पृ 27-29

प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों तथा जन शिक्षण निलयम द्वारा महिलाओं में जागरूकता—प्रेमलता श्रीवास्तव
व 33 (8-9), नवम्बर-दिसम्बर 1989, पृ 13-14

नारी शिक्षा की समस्याएं : एक अध्ययन—एस. एल. इंटोदिया
व 33 (11-12), फरवरी-मार्च 1990, पृ 14-16

नई शिक्षा-नीति और नारी उत्थान—बलभद्र कुमार हूजा
व 34 (4), जुलाई 1990, पृ 29-36

राष्ट्र निर्माण में शिक्षित नारी की भूमिका—रूपकिशोर गुप्त
व 34 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1990, पृ 19-21

महिला प्रौढ़ शिक्षा क्यों और कैसे—संध्या अग्रवाल
व 34 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1990, पृ 22-24

महिला साक्षरता की समस्याएं और सुझाव : एक प्रयोगात्मक अध्ययन—किरन नाथ
व 34 (11), फरवरी 1991, पृ 27-30

महिला शिक्षा और स्वास्थ्य : राष्ट्रीय विकास का आधार—हुकुम चन्द जैन
व 35 (1-2), अप्रैल-मई 1991, पृ 12-15

सशक्त महिला और प्रौढ़ शिक्षा—ए. एल. राही
व 35 (4-5) जुलाई-अगस्त 1991, पृ 18-20

महिला जागृति : सफल लोकतन्त्र का आधार—शोभा वैद्य
व 35 (4-5) जुलाई-अगस्त 1991, पृ 21-24

भारत में महिला शिक्षा की आवश्यकता—मीनाक्षी स्वामी
व 35 (10-11), जनवरी-फरवरी 1992, पृ 9-11

शिक्षा की शुरूआत—नारी शोषण का अंत—मीनाक्षी स्वामी
व 36 (2-3), मई-जून 1992, पृ 7-8

अनौपचारिक शिक्षा—महिला विकास का एक सशक्त माध्यम—मीना शुक्ला
व 36 (4-5) जुलाई-अगस्त 1992, पृ 21-22

नारी शिक्षा की प्रासंगिकता—प्रतिभा पांडेय
व 36 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1992, पृ 8-11

प्रौढ़ शिक्षा और नारी उत्थान—कैलाश चन्द्र कबठियाल
व 36 (10), जनवरी 1993, पृ 3-4

मुस्लिम महिलाओं में शिक्षा और जागरुकता—मीनाक्षी स्वामी
व 37 (1), अप्रैल 1993, पृ 8-11

महिलाओं की पठन अभिरुचियां—सत्यसागर शर्मा और रमाशंकर
व 37 (5), अगस्त 1993, पृ 3-11

शिक्षा के बगैर महिलाओं की सेहत में सुधार असंभव—मंजू वर्मा
व 37 (5), अगस्त 1993, पृ 18-20

महिला होगी साक्षर जब, राष्ट्र बनेगा साक्षर तब—विकास जाउलकर
व 37 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1993, पृ 3-4, 13

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन : नवसाक्षर प्रौढ़ महिलाओं पर प्रभाव—शोभा गुप्ता और—
व 37 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1993, पृ 14-28

सतत् प्रसार शिक्षा

संग्रहालयों का शिक्षा में महत्व—हुमायूं कबीर
व 3 (2), जून-जुलाई 1959, पृ 6, 27

प्रसार कार्यकर्त्ता के गुण—रामवृक्ष सिंह विराट
व 3 (3), अगस्त-सितम्बर 1959, पृ 16-17

प्रसार सेवा में अंधकूप—रामवृक्ष सिंह विराट
व 4 (1), अप्रैल-मई 1960, पृ 13-14, 31

जब तक जियो, तब तक सीखते रहो जीवन—व्यापी समाकलित शिक्षा गोष्ठी में—परमात्मादीन शुक्ला
व 11 (6), फरवरी-मार्च 1968, पृ 4-7, 26-30

जीवन-व्यापी शिक्षा—जे. सी. माथुर
व 16 (8), नवम्बर 1972, पृ 3-8, 30-31

जीवन-व्यापी शिक्षा के व्यावहारिक परिणाम—आशेर डिलियोन
व 19 (11), फरवरी 1976, पृ 2-8

सतत शिक्षा से स्त्रियों की अपेक्षाएं—सविता मार्कण्डेय
व 25 (7), अक्टूबर 1981, पृ 3-6

प्रौढ़/सतत् शिक्षा की संकल्पना—सविता मार्कण्डेय
व 26 (1), अप्रैल 1982, पृ 7-12,22

प्रौढ़ शिक्षा के बाद सतत शिक्षा एक अध्ययन—शांता सिसोदिया
व 28 (12), मार्च 1985, पृ 20-21,29

प्रौढ़ शिक्षा में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका—ए. एम. तंपी
व 30 (1), अप्रैल 1986, पृ 23-24

प्रसार शिक्षा का संस्थाकरण—शशिकला पाण्डेय
व 33 (4), जुलाई 1989, पृ 8-12

विश्वविद्यालयीय पाठ्यक्रम में विस्तार आयाम : एक प्रस्ताव—आर. ए. शर्मा
व 34 (1), अप्रैल 1990, पृ 9-12

भारत में प्रसार शिक्षा और कार्यक्रम—हुकुम चन्द जैन
व 34 (4), जुलाई 1990, पृ 9-15

क्षेत्र विकास उपागम के अंतर्गत प्रौढ़ तथा सतत शिक्षा कार्यक्रम : कुछ चुनौतियां—योगेन्द्र नारायण मिश्र
व 35 (1-2), अप्रैल-मई 1991, पृ 21-23

प्रसार शिक्षा—दर्शन एवं सिद्धांत—वीपा पाठक
व 36 (2-3), मई-जून 1992, पृ 9-11

स्वयं सेवी संस्थाएं

मौनी विद्यापीठ—पाद जोशी
व 3 (6), फरवरी-मार्च 1960, पृ 21-24

प्रौढ़-शिक्षा क्षेत्र में अकेली राष्ट्रीय संस्था—मोहन सिंह मेहता
व 8 (1), अप्रैल-मई 1964, पृ 8-12

प्रौढ़-शिक्षा और ऐच्छिक संस्थाएं—शिवचन्द्र दत्ता
व 10 (1), अप्रैल-मई 1966 पृ 10-12

राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति —ललित किशोर
व 17 (8) नवम्बर 1973, पृ 8-10

राजस्थान में प्रौढ़-शिक्षा एवं स्वयंसेवी संस्थाएं—अजित कुमार जैन
व 18 (5), अगस्त 1974, पृ 2-4, 23

लखनऊ का साक्षरता निकेतन—टी. ए. कोशी
व 23 (6), सितम्बर 1979, पृ 8-10

प्रौढ़ शिक्षा एवं स्वायत्त संस्थाएं : एक भागलपुर अंचल में व्यस्क शिक्षा के क्षेत्र में गांधी शांति प्रतिष्ठान की भूमिका' बिजय कुमार
व 25 (1-2), अप्रैल-मई 1981, पृ 30-34

व्यस्क शिक्षा के क्षेत्र में "जेवियर समाज सेवा संस्थान का योगदान"—सरोज भगत
व 25 (1-2), अप्रैल-मई 1981, पृ 35-36

इन्सान स्कूल एक स्वैच्छिक संस्था के रूप में—सुरेश चन्द्र मेहता
व 25 (1-2), अप्रैल-मई 1981, पृ 37-40

स्वैच्छिक संस्थाएं : कितनी उपयोगी—बी. जार्ज वर्घीस
व 25 (11-12), फरवरी-मार्च 1982, पृ 3-6

निरक्षरता-उन्मूलन-अभियान के लिए स्वैच्छिक संस्थाओं का राष्ट्रीय सम्मेलन : 26 जुलाई 1982
व 26 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1982, पृ 24-28

प्रौढ़ शिक्षा : जन-आंदोलन की प्रेरक एजेंसियां—डी. डी. शर्मा
व 30 (2), मई 1986, पृ1 3-15

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन और स्वयं सेवी संस्थाएं—प्रेम भाई
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 49-50

नयी शिक्षा नीति में प्रौढ़ शिक्षा : स्वयंसेवी संस्थाओं का दायित्व—भाई भगवान
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 112-116

शैक्षिक संस्थाओं की भूमिका—स्कूल, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय और खुला विश्वविद्यालय

समाज शिक्षा और शिक्षण संस्थाएं—शिवचन्द्र दत्ता
व 1 (4), जनवरी-मार्च 1958, पृ 21-22

विश्वविद्यालयों का महान दायित्व—कालूलाल माली
व 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 50-52

समाज-शिक्षा में एन. सी. सी. का महत्व—वीरेंद्र सिंह
व 8 (1), अप्रैल-मई 1964, पृ 13-16, 18

विश्वविद्यालय सम्मेलन का उद्घाटन द्वारिका प्रसाद मिश्र
व 9 (3), अगस्त-सितम्बर 1965, पृ 8-9, 12

समाज के प्रति विश्वविद्यालयों का क्या कर्तव्य है—के. जी. ससयैदेन
व 9 (5), दिसम्बर-जनवरी 1965, पृ 4-5

प्रौढ़ शिक्षा विकास के लिए स्कूलों के प्रयोग करने का प्रस्ताव—मोहन सिह मेहता
व 11 (4) अक्टूबर-नवम्बर 1967, पृ 7-10, 29

साक्षरता आंदोलन में पाठशालाओं का योग—एस. सी. एम. हीली
व 11 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1967, पृ 17-22

प्रौढ़-शिक्षा और विद्यालय—जियालाल सचदेवा
व 16 (3), जून 1972, पृ 8-9

विश्वविद्यालय के परिवेश में बसने वाले समुदाय की शैक्षिणिक आवश्यकताओं की पहचान—टी० ए० कोशी
व 20 (4-5), जुलाई-अगस्त 1976, पृ 13-15, 21

विश्वविद्यालय और प्रौढ़ शिक्षा—माधुरी शाह
व 25 (10), दिसम्बर 1981, पृ 5-12

राष्ट्रीय सेवा योजना और प्रौढ़ शिक्षा एक अध्ययन—टी० आर० सिह और आर० सी० भटनागर
व 25 (10), जनवरी 1982, पृ 15-18

सामुदायिक केन्द्र के रूप में विद्यालय—फादर टी० वी० कुन्नकल
व 26, (12), मार्च 1983, पृ 15-19,32

विद्यालय बाह्य जन शिक्षा के लिए सामग्री का निर्माण—अंसार अली खा
व 27 (7), अक्टूबर 1983, पृ 8-13

ओपन स्कूल—प्रौढ़ शिक्षा में नया कदम—जयपाल तरंग
व 28 (2) मई 1984 पृ 9-11

प्रौढ़ शिक्षा : विश्वविद्यालय की भूमिका—एस० पी० अहलूवालिया
व 29 (7-8) अक्टूबर-नवम्बर 1985, पृ 17-20

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन में विश्वविद्यालयों का योगदान—नानूभाई जोशी
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 27-29

ब्रिटेन में मुक्त विश्वविद्यालय एक सफल प्रयोग—हुकुम चन्द जैन
व 33 (3), 1989, पृ 9-13, 20

विद्यार्थियों द्वारा साक्षरता—शिक्षण साकार अथवा बेकार—सालेह मुहम्मद नायब
व 34 (6), सितम्बर 1990, पृ 33-35

निरक्षरता उन्मूलन में विश्वविद्यालयों की भूमिका—सुधा सक्सेना
व 35 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1991, पृ 47-48

खुला विश्वविद्यालय एवं दूरस्थ शिक्षा—सुबह सिंह यादव और सत्यमान यादव
व 36 (4-5), जुलाई-अगस्त 1992, पृ 23-26

विस्तार कार्यक्रमों में उच्चतर माध्यमिक छात्रों की भूमिका—हुकुम चन्द्र जैन
व 36 (10), जनवरी 1993, पृ 5-6

एड्स शिक्षा : विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों की भूमिका—राजेश
व 36 (11-12), फरवरी-मार्च 1993, पृ 15-17

विश्वविद्यालयों की भूमिका साक्षरता अभियान में—बाल कृष्ण पंजाबी
व 37 (8), नवम्बर 1993, पृ 19-21

उत्तर साक्षरता—कार्यक्रम, पाठक की रुचि, पठन सामग्री और पुस्तकालय/जन शिक्षण निलयम

नव-साक्षर प्रौढ़ों के लिए क्या लिखे, कैसे लिखे—जयप्रकाश भारती
व 4 (1), अप्रैल-मई 1960, पृ 38-39

नवसाक्षरों के लिए लिखिए—बिमला दत्ता
व 4 (6), फरवरी-मार्च 1961, पृ 14-15,19

नव-साक्षरोपयोगी साहित्य का सृजन—श्रीराम ताम्रकर
व 9 (3), अगस्त-सितम्बर 1965, पृ 22-24

ईसा की तीन शिक्षाएं काका कालेलकर
व 18 (9), दिसम्बर 1974, पृ 6-7, 31

प्रौढ़-शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित पाठ्य सामग्री निर्माण हेतु कार्यशाला—बिमला दत्ता
व 22 (6), सितम्बर 1978, पृ 2-14

प्रौढ़ शिक्षा में अनुवर्ती गतिविधियां—एन० ए० अंसारी
व 24 (7), अक्टूबर 1980, पृ 7-9

अंगुल में लेखक कार्यशाला आयोजित—बिमला दत्ता
व 24 (7), अक्टूबर 1980, पृ 12-14

जी हां, साहित्य ऐसा हो जिसे पढ़ने के लिए नवसाक्षर ललचाएं—मनमोहन मदारिया
व 24 (10-11), जनवरी-फरवरी 1981, पृ 9-11,17

अज्ञात-सपने : नव साक्षरों की नजर में—एल० एस० सरस्वती और डी० जे० रवीन्द्र
व 25 (3), जून 1981, पृ 7-10,24

पठन्-संस्कृति की ओर साक्षरता अभियान – जयपाल तरंग
व 27 (4), जुलाई 1983, पृ 14-18

पुस्तक मेले का पठन रुचि को बढ़ावा देने में योगदान—सैयद असद अली
व 27 (9), दिसम्बर 1983, पृ 13-16

नवसाक्षर और अनुवर्ती साहित्य—हीरालाल बाछोतिया
व 30 (7), अक्टूबर 1986, पृ 5-7

नवसाक्षरों का कहना—एल० एस० सरस्वती और डी० जे० रवीन्द्रम
व 31 (11-12), फरवरी-मार्च 1988, पृ 17-21,24

हिन्दी प्रौढ़ शिक्षा साहित्य की बुन्देली भूमिका—लक्ष्मीनारायण दुबे
व 32 (4-5), जून-जुलाई 1988, पृ 8-10

निरक्षरता दूर करने की दिशाएं और जन शिक्षण निलयम—जी० बी० भक्त प्रिय
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 30-33

नवसाक्षरों के लिए अनुवर्ती साहित्य—हीरा लाल बाछोतिया
व 33 (10), जनवरी 1990, पृ 41-42,46

नवसाक्षरों के लिए क्या-साहित्य—शरद सिंह
व 34 (9), दिसम्बर 1990, पृ 27-28

नवसाक्षरों के लिए पठनीय सामग्री का उत्पादन—सुशील कुमार त्यागी और अनोखी लाल वर्मा
व 36 (2-3), मई-जून 1992, पृ 12-15

अधूरा है उत्तर साक्षरता के बिना साक्षरता कार्यक्रम—नरेन्द्र राठौर
व 36 (9), दिसम्बर 1992, पृ 8-9, 24

महिलाओं की पठन अभिरुचियों—सत्यसागर शर्मा और रमाशंकर
व 37 (5), अगस्त 1993, पृ 3-11

छत्तीसगढ़ी नवसाक्षरों के लिए लेखन कर्मशाला—परदेशीराम वर्मा
व 37 (8), नवम्बर 1993, पृ 11-13

नवसाक्षर सामग्री : समाचारिक (न्यूज लैटर) का महत्व—जे० एल० सचदेव
व 37 (9), दिसम्बर 1993, पृ 9-11

पुस्तक पढ़ने की आदत बचपन में डालिए—जयंत महापात्र
व 37 (12), मार्च 1994, पृ 3-5

पुस्तकालय/जन शिक्षण निलयम

पुस्तकालय ही समाज-शिक्षा की रश्मियों को फैलाता है—श्रीरंग शाही
व 7 (5), दिसम्बर-जनवरी 1993, पृ 22-23, 30

गांवों में पुस्तकालय—विश्वास कुमार सिन्हा
व 15 (11), फरवरी 1972, पृ 4-6

जीवन की शून्यता को भरने वाली-पुस्तकें—जाकिर हुसैन
व 17 (4), जुलाई 1973, पृ 7

पुस्तकालय संत मिलन का उत्तम मार्ग—हजारी प्रसाद द्विवेदी
व 17 (12), मार्च 1974, पृ 2-4

ग्रामीणों के लिए पुस्तकालय का महत्व—राशिदा शीरि
व 23 (2), मई 1979, पृ 14-15

प्रौढ़ शिक्षा में पुस्तकालयों का योगदान—भवर सिंह राजपूत
व 23 (7), अक्टूबर 1979, पृ 21-23

राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा एवं गांव का पुस्तकालय—सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव
व 23 (10-11), जनवरी-फरवरी 1980, पृ 22-24

प्रौढ़ शिक्षा और पुस्तकालय —मालिनी जोशी
व 31 (10), जनवरी 1988, पृ 17-19

प्रौढ़ शिक्षा में सार्वजनिक पुस्तकालयों का योगदान —बलवीर सिंह
व 33 (11-12), फरवरी-मार्च 1990, पृ 18-19,31

पुस्तकालय एवं प्रौढ़ शिक्षा : एक ऐतिहासिक परिदृश्य—जे० एल० सचदेव
व 38 (1), अप्रैल 1994, पृ 11-14

मूल्यांकन और शोध

प्रौढ़ शिक्षा एक तिमाही आँकलन—अंबिका प्रसाद तिवारी
व 23 (1), अप्रैल 1979, पृ 19-22

प्रौढ़ शिक्षा में मूल्यांकन और अनुसंधान—सोमदत्त दीक्षित
व 23 (9), दिसम्बर 1979, पृ 18-23

साक्षरता कार्यक्रमों का स्वरूप और उनकी अवधि —ए० के० जलालुद्दीन
व 26 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1982, पृ 31-34

प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों पर उपस्थिति का स्वरूप : एक अध्ययन—आशा दीक्षित अन्य
व 30 (7), अक्टूबर 1986, पृ 14-25

प्रौढ़ प्रतिभागियों की उपलब्धि का मूल्यांकन—अरुप मिश्र
व 31 (8), नवम्बर 1987, पृ 9-11

साक्षरता कार्यक्रम की समीक्षा की जरूरत—एम० आर० वासुदेव
व 37 (9), दिसम्बर 1993, पृ 7-9,11

शोध

प्रौढ़-शिक्षा कक्षाओं में भाग लेने के कारण : बड़ौदा की महिलाओं पर किया हुआ एक शोध प्रबन्ध—अरविन्द चन्द्र और कवल खुराना
व 15 (1), अप्रैल 1971, पृ 21-23

युवा और प्रौढ़ शिक्षा . एक अध्ययन—ए० रवीन्द्र
व 25 (7), अक्टूबर 1981, पृ 13-16, 24

प्रौढ़-शिक्षा के क्षेत्र में शोध कार्य की अपेक्षायें—देवेन्द्र जोशी
व 27 (9), दिसम्बर 1983, पृ 3-6

प्रौढ़ों की बुद्धि के सम्बन्ध में साक्षरता ह्रास का अध्ययन—जंग बहादुर सिंह मनराल
व 28 (3), जून 1984, पृ 21-22

शैक्षिक शोध की नयी सीमाएं—मालकम एस० आदिशेषैया
व 31 (3), जून 1987, पृ 12-15

प्रौढ़ शिक्षा और सर्वेक्षण –प्रकाश नारायण
व 32 (5), अगस्त 1988, पृ 13-16

प्रौढ़ शिक्षा में अनुसंधान की आवश्यकता—भगवती लाल व्यास
व 35 (12), मार्च 1992, पृ 30-32

प्रौढ़ शिक्षा एवं अन्य समूह—
ग्रामीण शिक्षा

ग्रामीण शिक्षा—शमसुद्दीन
व 2 (3), अगस्त-सितम्बर 1958, पृ 15-16

दिल्ली के गांव में प्रौढ़ शिक्षा—आनन्द शंकर शर्मा
व 2 (5), दिसम्बर-जनवरी 1958, पृ 20-21

ग्राम विकास और साक्षरता—आनन्द शंकर शर्मा
व 3 (1), अप्रैल-मई 1959, पृ 36-37

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रौढ़ शिक्षा के कुछ अनुभव—धर्मदेव शास्त्री
व 3 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1959, पृ 23, 51

ग्रामों की मौलिक शिक्षा—परमेश्वर लाल सोलंकी
व 4 (3), अगस्त-सितम्बर 1960, पृ 7-8, 17

ग्राम पंचायत तथा प्राथमिक शिक्षा—जे० पी० नाइक
व 4 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1960, पृ 41-43, 51

गांवों में सड़ती हुई सामाजिक व आर्थिक स्थितियां जहां प्रौढ़-शिक्षा की नितांत आवश्यकता है —जाकिर हुसैन
व 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 34-35

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रौढ़ शिक्षा—एस० सी० चटर्जी
व 9 (1), अप्रैल-मई 1965, पृ 8-9, 25

ग्रामोत्थान एवं प्रौढ़ शिक्षा—अजित कुमार जैन
व 15 (1), अप्रैल 1971, पृ 12-15

आदर्श गाँव —नेकीराम गुप्त
व 17 (2), मई 1973, पृ 9-12

27वें सम्मेलन में पारित प्रस्ताव : ग्रामीण निर्धनों की सेवा में प्रौढ़ शिक्षा
व 18 (9), दिसम्बर 1974, पृ 2-5

ग्रामीण निर्धनों की सेवा में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका—वीरेन्द्र स्वरूप माथुर
व 18 (10), जनवरी 1975, पृ 2-7, 26-27,32

गांधी दर्शन में ग्रामीण विकास का माध्यम प्रौढ़ शिक्षा—देव प्रकाश नायर
व 20 (9), दिसम्बर 1976, पृ 9-19

समन्वित शिक्षा द्वारा ग्राम विकास—एक भूमिका—रतन चन्द मेहता
व 21 (4-5,6), जुलाई-सितम्बर 1977, पृ 44-47

समग्र ग्रामीण विकास में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका—माल्कम आदिशेषैया
व 21 (9), दिसम्बर 1977, पृ 13-15

ग्रामीण युवा—नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर—गोविन्द राम जोशी
व 22 (1), अप्रैल 1978, पृ 5-8

ग्रामीण अंचलों में राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम की समस्याएं—दिलीप कुमार
व 23 (8), नवम्बर 1979, पृ 23-25

ग्रामीण विकास की कुंजी : प्रौढ़ शिक्षा—महेश चन्द्र शर्मा
व 23 (12), मार्च 1980, पृ 3-5

शिक्षा का ग्राम—व्यापीकरण—उमराव सिंह चौधरी
व 24 (1), अप्रैल 1980, पृ 5-8

ग्रामीण गरीबों के लिए प्रौढ़ शिक्षा—जिया लाल सचदेव
व 25 (4), जुलाई 1981, पृ 13-14,30

ग्रामीण-युवाओं की वृहत सभावनाएं—वी॰ एस॰ माथुर
व 25 (9), नवम्बर 1981, पृ 9-14

ग्रामीण संस्थाओं की स्थापना और उनके प्रभारी कार्यान्वयन में प्रौढ़-शिक्षा की भूमिका—मेलकाम एस० आदिशेषैया
व 25 (10), दिसम्बर 1981, पृ 13-16

ग्रामीण समाज को आधुनिक बनाने में विशिष्ट वर्ग की भूमिका—वी० कूरियन
व 26 (3), जून 1982, पृ 3-6, 18

प्रौढ़-शिक्षा : ग्राम स्तरीय संरचना—बिद्यासागर तिवारी
व 28 (4-5), जुलाई-अगस्त 1984, पृ 14-17

गांवों के रचनात्मक आयामों से शिक्षा का जुड़ना जरूरी—तिलक सिंह
व 29 (6), सितम्बर 1985, पृ 41-43

गांवों में विज्ञान और तकनीकी प्रौढ़ शिक्षा की जिम्मेदारी—वी. के. मान
व 30 (8-9), नवम्बर-दिसम्बर 1986, पृ 45-48

ग्रामीण शिक्षा : प्रौढ़ शिक्षा के संदर्भ में—सी. एस. दवे
व 31 (5), अगस्त 1987, पृ 10-12

गांवों में निरक्षरता : एक बड़ी चुनौती—वत्सला आयंगर
व 31 (9), दिसम्बर 1987, पृ 11-12

ग्रामीण जीवन एवं प्रौढ़ शिक्षा : एक सर्वेक्षण—सुबह सिंह यादव और जे. पी. यादव
व 32 (2), मई 1988, पृ 33-35

पारसोली गांव में अशिक्षा का अंधकार अब नहीं रहा—अशोक कुमार यादव
व 32 (9), दिसम्बर 1988, पृ 20-22

राष्ट्रीय तकनालाजी मिशन्स और ग्रामीण विकास की दशा—हुकुम चन्द्र जैन
व 32 (11), फरवरी 1989, पृ 19-23

ग्रामीण निर्धनों की सेवा में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका—वीरेन्द्र स्वरूप माथुर
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 71-75

ग्रामीण संस्थाओं के कार्यान्वयन में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका—मैल काम एम० आदिशेषैया
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 76-80

ग्रामीण विकास के लिए प्रौढ़ शिक्षा—ए. एल. राही
व 34 (1), अप्रैल 1990, पृ 13-16

देहाती शिक्षा—बलभद्र भारती
व 34 (6), सितम्बर 1990, पृ 28-32

ग्रामीण सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका—शशिकला पांडेय
व 34 (11), फरवरी 1991, पृ 5-7, 21

ग्रामीण शिक्षा—सुबह सिंह यादव
व 35 (10-11), जनवरी-फरवरी 1992, पृ 17-22

ग्रामीण विकास के लिए जन साक्षरता—रोहिणी प्रसाद
व 36 (6), सितम्बर 1992, पृ 13-15

ग्रामीणों के लिए प्रौढ़ शिक्षा का स्वरूप—जे. एल सचदेव
व 37 (2-3), मई जून 1993, पृ 3-4

सहकारिता शिक्षा

विद्यार्थी-जीवन में सहकारिता का स्थान—देवेन्द्र कुमार अमर
व 7 (3), अगस्त-सितम्बर 1963, पृ 22-23

सहकारी शिक्षा की कुछ पद्धतियां—धर्मवीर
व 7 (5), दिसम्बर-जनवरी 1963, पृ 4-5

सदस्य-शिक्षा की सक्रिय पद्धतियां—धर्मवीर
व 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 24-28

सहकारी-शिक्षा की कार्य-विधि और सामग्री—धर्मवीर
व 25 (6), सितम्बर 1981, पृ 6-8

मानव के लिए, मानव द्वारा, मानव का विकास—जूलियसकेन्येरेरे
व 27 (1), अप्रैल 1983, पृ 9-16

भारत में महिला सहकारी शिक्षा - धर्मवीर
व 32 (1) अप्रैल, 1988, पृ 46-47

प्रौढ़ शिक्षा में सहकारियों की भूमिका—दिलीप सिंह भूरिया
व 33 (4), जुलाई 1989, पृ 5-7

श्रमिक शिक्षा

कारखाने के श्रमिकों के लिए प्रौढ़ शिक्षा का प्रश्न—शालिग्राम पथिक
व 2 (2), जून-जुलाई 1958, पृ 24-25

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए साक्षरोत्तर शिक्षण योजना—अजित कुमार जैन
व 11 (2), जून-जुलाई 1967, पृ 12-13

श्रमिक शिक्षा योजना : उद्देश्य और उपलब्धियां—बी. एल. प्रसाद
व 23 (3), जून 1979, पृ 6-8

श्रम संगठन और प्रौढ़ साक्षरता—जगन्नाथ चौधरी
व 23 (12), मार्च 1980, पृ 7-8

श्रमिकों की शिक्षा की वर्तमान स्थिति—वी. एस. माथुर
व 27 (2), मई 1983, पृ 3-12

श्रमिकों के लिए शिक्षा का महत्व—बा० रा० व्यास
व 28 (9), दिसम्बर 1984, पृ 16-17, 22

श्रमिक शिक्षा योजना—पी. ए. मेहता
व 29 (1), अप्रैल 1985, पृ 8-11

श्रमिक शिक्षा : अध्यापन के मूल तत्व—मंगल माथुर
व 29 (1), अप्रैल 1985, पृ 15-19

ग्रामीण श्रमिक शिक्षा—सुरेश शर्मा
व 29 (1), अप्रैल 1985, पृ 20-24

प्रौढ़ों की आवश्यकता : सुरक्षा शिक्षा—शोभा वैद्य
व 34 (1), अप्रैल 1990, पृ 26-28

श्रमिकों के लिए प्रौढ़ शिक्षा—जे. एल. सचदेव
व 34 (12), मार्च 1991, पृ 8-10

देश के औद्योगिक विकास में श्रमिक शिक्षा की भूमिका—भवानी शंकर गर्ग
व 36 (9), दिसम्बर 1992, पृ 3-4

बाल श्रमिकों की आवश्यकताएं और आकांक्षाएं शैक्षिक योजना और प्रबन्ध निहितार्थ—अरुण घोष
व 36 (10), जनवरी 1993, पृ 14-21

अनौपचारिक शिक्षा—

ग्रामीण युवकों के लिए अनौपचारिक शिक्षा—एन. के. पंत
व 18 (11-12), फरवरी-मार्च 1975, पृ 2-6

अनौपचारिक शिक्षा चिकित्सा और संजीवनी—मालकम आदिशेषैया
व 19 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1975, पृ 2-4

अनौपचारिक शिक्षा—आशेर डिलियोज
व 19 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1975, पृ 4-6

अनौपचारिक शिक्षा—शिवचन्द्र दत्ता
व 19 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1975, पृ 11-14

अनौपचारिक शिक्षा का औदार्य—बिमला दत्ता
व 19 (7), अक्टूबर 1975, पृ 8-10

1976 में अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम के लिए पाठयक्रम निर्माण
व 19 (8), नवम्बर 1975, पृ 2-4

अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन—सत्येन मैत्रा
व 19 (8), नवम्बर 1975, पृ 5-9

अनौपचारिक शिक्षा मनुष्य के प्राणों की सुगन्ध है—छगन मोहता
व 19 (11), फरवरी 1976, पृ 9-10, 19

अनौपचारिक शिक्षा और ग्रामीण विकास—किशोर सेण्ट
व 20 (1), अप्रैल 1976, पृ 2-10, 31-32

अनौपचारिक शिक्षा—शत्रुघन नाथ
व 20 (2-3), मई-जून 1976, पृ 11-12, 20-21

उत्तर प्रदेश का पार्वत्य अंचल : अनौपचारिक शिक्षा : कुछ सुझाव—बिमला दत्ता
व 20 (4-5), जुलाई अगस्त 1976, पृ 2-5, 8-12

महिलाओं के लिए अनौपचारिक शिक्षा हेतु पाठयक्रम निर्माण—टी. ए. कोशी
व 20 (6), सितम्बर 1976, पृ 2-5, 7-8

6-14 वर्ष के आयु वर्ग के बालकों के लिए अनौपचारिक शिक्षा का पाठयक्रम निर्माण—ओम् श्रीवास्तव
व 20 (6), सितम्बर 1976, पृ 10-14, 29-32

अनौपचारिक शिक्षा के कुछ पहलू—जे. पी. नायक
व 20 (10), जनवरी 1977, पृ 2-7, 9-18

भोपाल में अनौपचारिक शिक्षा सम्बन्धी परिसंवाद—बिमला दत्ता
व 21 (1), अप्रैल 1977, पृ 9-14

अनौपचारिक शिक्षा : एक बुनियादी सिद्धांत—अनिल सदगोपाल
व 21 (1), अप्रैल 1977, पृ 30-32

राष्ट्रीय सेवा योजना और अनौपचारिक शिक्षा—टी. आर. सिंह और आर. सी भटनागर
व 21 (2-3), मई-जून 1977, पृ 13-15

ग्रामीण विकास और अनौपचारिक शिक्षा—जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी
व 21 (4, 5, 6), जुलाई-सितम्बर 1977, पृ 17-20

समन्वित ग्राम विकास में अनौपचारिक शिक्षा—टी. ए. कोशी
व 21 (4, 5, 6), जुलाई-सितम्बर 1977, पृ 23-28

ग्रामीण विकास और अनौपचारिक शिक्षा—सुशील मेहता
व 21 (4,5,6), जुलाई-सितम्बर 1977, पृ 31-35

समग्र ग्रामीण विकास और अनौपचारिक शिक्षा—रक्षक
व 21 (4,5,6), जुलाई-सितम्बर 1977, पृ 50-52

शिक्षा के नए आयाम युवा वर्ग के लिए अनौपचारिक शिक्षा—शिवचन्द्र दत्ता
व 21 (7), अक्टूबर 1977, पृ 2-8

समग्र ग्रामीण विकास एवं अनौपचारिक शिक्षा—अजीत दीवान
व 21 (8), नवम्बर 1977, पृ 11-14

अनौपचारिक शिक्षा पर एक विचार गोष्ठी—जियालाल सचदेव
व 23 (2), मई 1979, पृ 18-19

अनौपचारिक शिक्षा का महत्व—एस. सी. दुबे
व 24 (4), जुलाई 1980, पृ 8-9, 25

अनौपचारिक शिक्षा और सामाजिक क्रांति—सूर्यपाल सिंह
व 24 (5), अगस्त 1980, पृ 11-13

अनौपचारिक शिक्षा : उत्तर प्रदेश के भूमि याधार में एक पायलट प्रोजेक्ट—डी. एस. रावत
व 24 (8), नवम्बर 1980, पृ 5-9

नारी चेतना और अनौपचारिक शिक्षा—रामस्वरूप रक्षक
व 25 (7), अक्टूबर 1981, पृ 7-9, 31

हरित-क्रांति और अनौपचारिक शिक्षा—आर. सी. भटनागर और टी. आर. सिंह
व 26 (7), अक्टूबर 1982, पृ 9-12

निरक्षरता और अनौपचारिक शिक्षण पद्धति—विद्यासागर तिवारी
व 28 (3), जून 1984, पृ 25-26

महिलाओं के लिए प्रौढ़ शिक्षा एवं अनौपचारिक शिक्षा
व 28 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1984, पृ 29-35

महिलाओं की अनौपचारिक शिक्षा—योगेन्द्र नारायण मिश्र
व 29 (1), अप्रैल 1985, पृ 33-35

अनोपचारिक शिक्षा—फेलिसिटा जी० बरनार्डिनों
व 29 (5), अगस्त 1985, पृ 23-28

अनौपचारिक शिक्षा में शैक्षिक तकनीक का प्रयोग—हेमलता तलेसरा
व 29 (11-12), फरवरी-मार्च 1986, पृ 22-24

अनौपचारिक शिक्षा और नयी शिक्षा नीति—भवानी शंकर गर्ग
व 31 (11-12), फरवरी-मार्च 1988, पृ 8-13

अनौपचारिक शिक्षा—महिला विकास का एक सशक्त माध्यम—मीना शुक्ला
व 36 (4-5), जुलाई-अगस्त 1992, पृ 21-22

कबाड़ा बटोर बच्चों की शिक्षा : प्रयोग और अनुभव—मेरी चेल्लादुराई
व 36, (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1992, पृ 17-24

अनौपचारिक शिक्षा—फेलिसिटा जी० बरनार्डिनो
व 37 (10-11), जनवरी-फरवरी 1994, पृ 11-17

युवक शिक्षा

श्रव्य-दृश्य साधन और युवक शिक्षा—सूर्यदेव नारायण श्रीवास्तव
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962 पृ 13-15

नवयुवकों की शिक्षा कैसी हो—सूर्यप्रकाश करणवाल
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 16-17

युवक शिक्षा समस्याएं और समाधान—धर्मशील चतुर्वेदी
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 21-23

युवक शिक्षा एक चुनौती—प्रताप सिंह सुराणा
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 25

युवकों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा का स्वरूप क्या हो—ईश्वर सिंह
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 28-29

समाज रचना में युवकों का स्थान और उनकी शिक्षा—दरबारी लाल कोठिया
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 49-50

युवक शिक्षा की कुछ सामान्य समस्याएं —स्नेह कुमार चौधरी
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 53-54

भारत और युवक शिक्षा—रास विहारी पांडे
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 61-62

आपात स्थिति में युवकों का कर्तव्य—जनरल के. एम. करिअप्पा
व 6 (6), फरवरी-मार्च 1963, पृ 16-17

राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय व्यस्क शिक्षा—डी. पी. सिंह
व 24 (4), जुलाई 1980, पृ 20-21

ग्रामीण युवक और शिक्षा कार्यक्रम—न. अ. अंसारी
व 26 (7), अक्टूबर 1982, पृ 3-4, 31

प्रौढ़ शिक्षा के प्रसार में युवा वर्ग का दायित्व—महावीर प्रसाद तपोदी
व 35 (4-5), जुलाई-अगस्त 1991, पृ 34-36

विकलांग शिक्षा

भारत में प्रौढ़ विकलांग : समस्या और समाधान —डी. पी. सिंह
व 27 (12), मार्च 1984, पृ 9-12

समन्वित शिक्षा—विकलांग बच्चों की शिक्षा का सवाल—जयपाल तरंग
व 28 (2), मई 1984 पृ 19-22

विकलांगों की शिक्षा की आवश्यकता—हंसराज पाल और सीमा तिवारी
व 36 (1), अप्रैल 1992, पृ 9-14

व्यावसायिक शिक्षा

प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में क्राफ्ट—बिमला लाल
व 24 (3), जून 1980, पृ 12-15

प्रौढ़ शिक्षा और तकनीकी नवीनता—भगवान सहाय
व 26 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1982, पृ 15-18, 40

व्यावसायिक शिक्षा : एक ऐतिहासिक परिदृश्य—एस. आर. गंगोपाध्याय
व 29 (5), अगस्त 1985, पृ 14-15

प्रौढ़ शिक्षा के नए आयाम : रोजगारोन्मुख शिक्षा—ताज रावत
व 30 (7), अक्टूबर 1986 पृ 11-13

विज्ञान और तकनीक की प्रगति में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका—विभूति भूषण महान्ति
व 30 (8-9), नवम्बर-दिसम्बर 1986, पृ 7-10, 22

प्रौढ़ शिक्षा : आम आदमी और विज्ञान तथा तकनीकी विकास—राजेन्द्र पाल सिंह
व 30 (8-9), नवम्बर-दिसम्बर 1986, पृ 11-12

विज्ञान और प्रोद्योगिकी का प्रसार और प्रौढ़ शिक्षा—श्याम सुन्दर शर्मा
व 30 (8-9), नवम्बर-दिसम्बर 1986, पृ 13-14

विकास के लिए विज्ञान और तकनीकी की आवश्यकता -एम. सी. रेएप्पा रेड्डी
व 30 (8-9), नवम्बर-दिसम्बर 1986, पृ 15-18

प्रौढ़ शिक्षा स्व-रोजगार पाने में सहायक—सविता सिन्हा
व 33 (3), जून 1989, पृ 21-23

साक्षरता को व्यवसाय से जोड़ने की प्रक्रिया—सी० बोनानी
व 37 (10-11), जनवरी-फरवरी 1994, पृ 3-7

आदिवासी शिक्षा/जनजाति शिक्षा

जन-जातीय क्षेत्रों में समाज-शिक्षा—सच्चिदानन्द
व 7 (1), अप्रैल-मई 1963, पृ 6-7, 9

भारत में अनुसूचित जन-जातियों की शिक्षा की दिशा एवं दशा—लक्ष्मणसिंह चतुर्वेदी

व 23 (1), अप्रैल 1979, पृ 6-7

शिक्षा के क्षेत्र में छोटा नागपुर की आदिम जातियाँ : तब और अब—सुशील कुमार
व 24 (10-11), जनवरी-फरवरी 1981, पृ 12-15

जन-जातियों के प्रौढ़ सीखने वालों के लिए पठन-सामग्री—एम० कुण्डु
व 25 (10), जनवरी 1982, पृ 13-14, 24,32

आदिवासी प्रौढ़ महिलाओं में साक्षरता—सालेह मुहम्मद नायब
व 29 (4), जुलाई 1985, पृ 28-31

आदिवासी जन-शिक्षा—विनोद गुप्त
व 30 (10), जनवरी 1987, पृ 19-21

गिरिजन ग्रामजन महिलाओं में शिक्षा—नानू भाई जोशी
व 32 (1), अप्रैल 1988, पृ 35-36, 45

जन जाति शिक्षा के नए आयाम—भाई भगवान
व 34 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1990, पृ 5-8,24

आवासीय शिक्षा

जनता कालेज क्यों चलाए जाएं—सोहन लाल
व 2 (2), जून-जुलाई 1958, 20-23

लोक हाई स्कूल भारत के संदर्भ में—एस. सी. दत्ता
व 27 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1983, पृ 24-27

भारत में फोक हाई स्कूल की प्रासंगिकता—एस० आर० मोहसिनी
व 27 (10-11), जनवरी-फरवरी 1984, पृ 10-16

लोक विद्यालय—तारिक मिर्जा
व 35 (8), नवम्बर 1991, पृ 21-23, 36

राष्ट्रीय एकता

राष्ट्रीय एकता का सवाल एवं प्रौढ़ शिक्षा—योगेन्द्र सिंह पुंढीर
व 28 (10), जनवरी-फरवरी 1985, पृ 10-13

राष्ट्रीय एकता, धर्म निरपेक्षता और शिक्षा—के. एल. श्रीमाली
व 28 (10), जनवरी 1985, पृ 8-9, 13

शिक्षा और राष्ट्रीय एकता—कपिला वात्स्यायन
व 28 (10), जनवरी 1985, पृ 14-17

राष्ट्रीय एकता और प्रौढ़ शिक्षा—तारावती भादू
व 28 (10), जनवरी 1985, पृ 25-27

प्रौढ़ शिक्षा और राष्ट्रीय एकता—एस० सी० दत्ता
व 30 (5), अगस्त 1986, पृ 5-7

भारतीय राष्ट्रीय शिक्षा में प्रौढ़ शिक्षा—जनार्दन राय नागर
व 30 (10), जनवरी 1987, पृ 5-18

राष्ट्रीय एकता के ह्रास के राजनीतिक एवं शैक्षिक कारण—दयाल चन्द्र सोनी
व 31 (1-2), अप्रैल-मई, 1987, पृ 21-27

राष्ट्रीय एकता के संदर्भ में प्रौढ़ शिक्षा—योगेन्द्र नारायण मिश्र
व 31 (1-2), अप्रैल-मई 1987, पृ 42-45

राष्ट्रीय एकता में प्रौढ़ों का दायित्व—दिलीप कुमार
व 31 (1-2), अप्रैल-मई 1987, पृ 46-50

राष्ट्रीय एकता और प्रौढ़ शिक्षा—सुशील कुमार
व 31 (1-2), अप्रैल-मई 1987, पृ 51-53

प्रौढ़ शिक्षा और राष्ट्रीय एकता—जे. एल. सचदेव
व 31 (1-2), अप्रैल-मई 1987, पृ 73-75

राष्ट्रीय एकीकरण के लिए सामुदायिक शिक्षा—हुकुम चन्द्र जैन
व 31 (11-12), फरवरी-मार्च 1988, पृ 25-27

प्रौढ़ शिक्षा के माध्यम से राष्ट्रीय एकता—महावीर प्रसाद तपोदी
व 32 (2), मई 1988, पृ 16-18

राष्ट्रीय एकता के सदर्भ में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका –शोभा वैद्य
व 32 (5), अगस्त 1988, पृ 5-6, 9

प्रौढ़ शिक्षा और राष्ट्रीय एकता—शमशेर अली
व 32 (8), नवम्बर 1988, पृ 19-21

प्रौढ़ शिक्षा और राष्ट्रीय एकता —कपिला वात्स्यायन
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 23-26

प्रौढ़ शिक्षा के माध्यम से सांप्रदायिक एकता—महावीर प्रसाद तपोदी
व 33 (4), जुलाई 1989, पृ 22-25

राष्ट्रीय एकता के लिए प्रौढ़ शिक्षा—सीताराम जायसवाल
व 34 (10), जनवरी 1991, पृ 24-26

राष्ट्रीय एकता और प्रौढ़ शिक्षा—शमसुद्दीन
व 34 (10), जनवरी 1991, पृ 30-33

प्रौढ़ शिक्षा : राष्ट्रीय मूल्यों के प्रसार का माध्यम—हुकुमचन्द जैन
व 34 (10), जनवरी 1991, पृ 34-37

देश में राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संकट : शिक्षा की अपेक्षा—दिलीप कुमार
व 34 (10), जनवरी 1991, पृ 43-45

प्रौढ़ शिक्षा और राष्ट्रीय एकता—जीवन नायक
व 34 (11), फरवरी 1991, पृ 15-17

प्रजातन्त्र/जन सहयोग

जनतन्त्रीय आदर्श मे प्रौढ़ शिक्षा—नरेन्द्र कुमार
व 1 (2), जुलाई-सितम्बर 1957, पृ 16-18

ग्राम राज्य और रामराज्य की दिशा में—शालिग्राम पथिक
व 4 (2), जून-जुलाई 1960, पृ 18-19, 30

प्रजातन्त्र और साक्षरता – रघुवीर सिन्हा
व 11 (1), अप्रैल-मई 1967, पृ 8-11, 29

कमजोर हाथ लोकतन्त्र की मशाल कब तक थाम सकेंगे—स्नेह अग्रवाल
व 11 (5), दिसम्बर-जनवरी 1967, पृ 24-25, 27

नागरिक चेतना के लिए प्रौढ़ शिक्षा—चुन्नीलाल सलूजा
व 17 (4) जुलाई 1973 पृ 2-6

हमारी स्वतन्त्रता और भारतीय प्रौढ़ शिक्षा—शालिग राम पथिक
व 17 (5), अगस्त 1973 पृ 7-9

प्रौढ़ शिक्षा और जन सहयोग—रुद्र दत्त
व 23 (4), जुलाई 1979, पृ 6-9, 14

प्रौढ़ शिक्षा और हमारा कर्तव्य—सत्य प्रकाश आर्य
व 23 (5), अगस्त 1979, पृ 11-12

प्रौढ़ शिक्षा और जनसहयोग—अरूण मिश्र
व 29 (11-12), फरवरी-मार्च 1986, पृ 25-26

प्रौढ़ शिक्षा : जनता की भागीदारी –नानू भाई जोशी
व 30 (2), मई 1986, पृ 17-18, 33

प्रौढ़ शिक्षा में विभिन्न वर्गों का योगदान– बी० एल० टेलर
व 32 (5), अगस्त 1988, पृ 7-9

राजनीति की प्रौढ़ शिक्षा– भाई भगवान
व 32 (10), जनवरी 1989, पृ 5-7

प्रजातंत्र और प्रौढ़ शिक्षा—ए० एल० राही
व 33 (4), जुलाई 1989, पृ 26-28

प्रौढ़ शिक्षा : शिक्षित वर्ग के दायित्व—नसरीन
व 35 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1991, पृ 28-29

शिक्षित जनता ही प्रजातंत्रीय राष्ट्र का निर्माण कर सकती है—भवानी शकर गर्ग
व 35 (9), दिसम्बर 1991, पृ 5-7, 13

तुलनात्मक शिक्षा/जीवन वृत

नई तालीम में प्रौढ़ शिक्षा का स्थान—मोहन भाई
व 6 (1), अप्रैल-मई 1962, पृ 8-10

बालकों की शिक्षा में प्रौढ़ शिक्षा का महत्व—रासबिहारी पांडेय
व 7 (3), अगस्त-सितम्बर 1963, पृ 13-14

साक्षरता का दीप शिक्षा वैल्थी फिशर—जे० एल० सचदेव
व 23 (6), सितम्बर 1979, पृ 14-15

साक्षरता प्रसारक बैल्थी फिशर—बिमला दत्ता
व 23 (6), सितम्बर 1979, पृ 24-26

प्रौढ़ शिक्षा ? बनाम बाल शिक्षा—सत्य प्रकाश आर्य
व 23 (9), दिसम्बर 1979, पृ 30-32

लोक शिक्षक चूनी भाई भट्ट—सालेह मुहम्मद नायब
व 27 (1), अप्रैल 1983, पृ 17-19

गुड विग : जीवन और कार्य—एस. आर. मोहसिनी
व 27 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1983, पृ 34-37

साक्षरता प्रसारक : वैब्दी फिशर—बिमला दत्ता
व 28 (6), सितम्बर 1984, पृ 15-16, 23

राज्यों में प्रौढ़ शिक्षा

बिहार

बिहार में महिला प्रशिक्षण केन्द्र—गौरी चक्रवर्ती
व 1 (1), अप्रैल 1957, पृ 23-26

राष्ट्रीय व्यस्क शिक्षा कार्यक्रम बिहार के आदिवासी क्षेत्र में —अनिल कुमार सिन्हा
व 24 (7), अक्टूबर 1980, पृ 2-3, 18

प्रौढ़ शिक्षा एवं स्वायत्त संस्थाएं : एक भागलपुर अंचल में व्यस्क शिक्षा के क्षेत्र में गांधी शांति प्रतिष्ठान की भूमिका —विजय कुमार
व 25 (1-2), अप्रैल-मई 1981, पृ 30-34

बिहार में प्रौढ़ शिक्षा का इतिहास : एक मूल्यांकन—मुहम्मद तसलीन
व 25 (1-2), अप्रैल-मई 1981, पृ 63-64

बिहार में व्यस्क शिक्षा की प्रगति—जगन्नाथ मिश्र
व 25 (9), नवम्बर 1981, पृ 5-8

बिहार में प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम का मूल्यांकन—आर० नटराजन
व 26 (3), जून 1982, पृ 11-12, 32

हरियाणा

हरियाणा—पंजाब में प्रौढ़ शिक्षा—कार्यक्रम के विस्तार से संबंधित एक रपट—जे० डी० शर्मा
व 22 (10), जनवरी 1979, पृ 3-4

हरियाणा में प्रौढ़ शिक्षा प्रगति—बलवीर सिंह
व 34 (2-3), मई-जून 1990, पृ 16-18

दिल्ली

दिल्ली के गांव में प्रौढ़ शिक्षा—आनन्द शंकर शर्मा
व 2 (5) दिसम्बर-जनवरी 1958, पृ 20-21

मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश का समाज शिक्षा आंदोलन—अनिल कुमार
व 9 (6), फरवरी-मार्च 1966, पृ 17-19

मालवा में महिला प्रौढ़ शिक्षा धर्मवीर
व 16 (6), सितम्बर 1972, पृ 9, 21

राजस्थान

भरतपुर जिला साक्षर बनेगा—सुन्दरलाल इण्टोदिया एवं मंजू पारीक
व 16 (6), सितम्बर 1972, पृ 2-7

बड़ी साक्षरता केन्द्र—शम्भू लाल शर्मा
व 17 (5), अगस्त 1973, पृ 5-6

राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति—ललित किशोर
व 17 (8), नवम्बर 1973, पृ 8-10

राजस्थान में प्रौढ़-शिक्षा एवं स्वयंसेवी संस्थाएं—अजीत कुमार जैन
व 18 (5), अगस्त 1974, पृ 2-4

भीलवाड़ा में आयोजित पांचवा राजस्थान प्रौढ़ शिक्षा सम्मेलन : नागरिक चेतना में प्रौढ़ शिक्षा का उत्तर दायित्व—बिमला दत्ता
व 21 (11), फरवरी 1978, पृ 2-10

शहरी जन-शिक्षण का एक प्रयोग : जनपद—भगवती लाल व्यास
व 27 (8), नवम्बर 1983, पृ 4-6

निरक्षरता उन्मूलन और लाडनू प्रयोग—बलभद्र भारती
व 34 (12), मार्च 1991, पृ 16-18

हिमाचल

हिमाचल प्रदेश में प्रौढ़ शिक्षा—प्रेमराज
व 1 (4), जनवरी-मार्च 1958, पृ 37-39

केरल

केरल में जन जातियों की शिक्षा—एन. डी. जोशी
व 25 (11-12), फरवरी-मार्च 1982, पृ 11-13, 40

गुजरात

प्रौढ़-शिक्षा कक्षाओं में भाग लेने के कारण : बड़ौदा की महिलाओं पर किया हुआ एक शोध प्रबन्ध—अरविंद चन्द्र और कंवल खुराना
व 15 (1), अप्रैल 1971, पृ 21-23

तमिलनाडु

तमिलनाडु में प्रौढ़ सीखने वाले की रूप रेखा—गोमती मणि
व 26 (8), नवम्बर 1982, पृ 9-14

उड़ीसा

उड़ीसा, उत्कल नव जीवन मण्डल, महिला अनोपचारिक शिक्षा पर उड़ीसा में आयोजित सेमीनार—विमला दत्ता
व 20 (2-3), मई-जून 1976, पृ 2-10

नागपुर

शिक्षा के क्षेत्र में छोटा नागपुर की आदिम जातियाँ : तब और अब—सुशील कुमार
व 24 (10-11), जनवरी-फरवरी 1981, पृ 12-15

बंगाल

जन क्रांति की दस्तक देवी साक्षरता—ओम प्रकाश
व 38 (1), अप्रैल 1994, पृ 3-10

पश्चिम बंगाल

पश्चिमी बगाल में साक्षरता आंदोलन—प्रणबमुकर्जी
व 15 (3), जून 1971, पृ 24,32

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश में महिलाओं के लिए कल्याण योजना—मारया गैल्डेंस
व 1 (2), जुलाई-सितम्बर 1957, पृ 11-15

उत्तर प्रदेश का पार्वत्य अंचल : अनौपचारिक शिक्षा : कुछ सुझाव—बिमला दत्ता
व 20 (4-5), जुलाई-अगस्त 1976, पृ 2-5, 8

उत्तर प्रदेश में प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम नए आयाम, नए अनुभव—रघुनंदन सिंह
व 28 (6), सितम्बर 1984, पृ 3-6

पहाड़ों में प्रौढ़ शिक्षा का भविष्य—ताज रावत
व 30 (2), मई 1986, पृ 31-33

उत्तर प्रदेश में प्रौढ़ शिक्षा के बढ़ते चरण—चन्द्र पाल
व 30 (3), जून 1986, पृ 24-27

उत्तर प्रदेश में प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम : स्वैच्छिक, संगठनों का योगदान—नरेन्द्र पाल सिंह चंदेल और साहब दयाल
व 35 (1-2), अप्रैल-मई 1991, पृ 24-25

विदेशों में प्रौढ़ शिक्षा

सोवियत संघ में साक्षरता आंदोलन—सिराफिमा ल्यूवी मोवा
व 2 (2), जून-जुलाई 1958, पृ 6-8

डेन्मार्क में आवासिक संस्थाओं का मूल्य—जोहंस नोवरुण
व 3 (5), दिसम्बर-जनवरी 1959, पृ 13-14

एशिया में साधन विकास के लिए प्रौढ़ शिक्षा की आवश्यकता—शिवचन्द्र दत्ता
व 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 16-19

अमरीका में पढ़ने का शौक बढ़ा—विलियम एस डडे
व 8 (5), दिसम्बर-जनवरी 1964, पृ 18-21

ईरान और कार्यात्मक साक्षरता—दयाशंकर मिश्र
व 15 (11), फरवरी 1972, पृ 16-20

मलेशिया और प्रौढ़-शिक्षा—यूसुफ बिन जुनीद
व 16 (2), मई 1972, पृ 2-5

नवोदित बंगला देश की प्रौढ़ शिक्षा योजना—शेख मुजीबुर्रहमान
व 16 (4), जुलाई 1972, पृ 2-6, 23

अंतराष्ट्रीय साक्षरता दिवस 8 सितम्बर—सुशील मेहता
व 23 (6), सितम्बर 1979, पृ 11-13

भारत और चीन में प्रौढ़ शिक्षा—जे० आर० किड
व 24 (1), अप्रैल, 1980, पृ 3-4

जमायिका में प्रौढ़ शिक्षा—होपटन गोर्डन
व 24 (1), अप्रैल 1980, पृ 9-12

विदेशों में प्रौढ़ शिक्षा का स्वरूप—भगवती लाल व्यास
व 24 (5), अगस्त 1980, पृ 3-5

एशियन साउथ पैसेफिक ब्यूरो आफ एडल्ट एजुकेशन सम्मेलन (क्षेत्र-1) की सिफारिशें—जे० डी० शर्मा
व 24 (7), अक्टूबर 1980, पृ 4-6

8 सितम्बर : अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस—सुभाष दुआ
व 25 (6), सितम्बर 1981, पृ 11-13

शत प्रतिशत साक्षरता—फिलिपींस का एक प्रयोग—विजय कुमार गुप्त
व 26 (3), जून 1982, पृ 7-10

चीन लोक—गणराज्य के निरक्षरता—विरोधी अभियान (1950-58)—एच० एस० भोला
व 27 (4), जुलाई 1983, पृ 4-10

वियतनाम और थाईलैंड में प्रौढ़ शिक्षा : एक अध्ययन रिपोर्ट—एस० के० चौधरी और पी. के शुक्ला
व 28 (2), मई 1984, पृ 28-32

प्रौढ़ शिक्षा के जीवन्त विद्या मंदिर : डनिस लोक उच्च विद्यालय—हुकुम चन्द्र जैन
व 33 (5), अगस्त 1989, पृ 8-11

अमेरिका में निरक्षरता—भारत भूषण
व 37 (4), जुलाई 1993, पृ 22-24

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ : अधिवेशन एवं रिपोर्ट

अखिल भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ : एक परिचय—शिवचन्द्र दत्ता
व 1 (1), अप्रैल 1957, पृ 27-30

सातवां राष्ट्रीय सेमीनार : कुछ संस्मरण—फिलिप जिलि
व 1 (1), अप्रैल 1957, पृ 31-33

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ का वार्षिक प्रतिवेदन—एस॰ सी॰ दत्ता
व 2 (6), फरवरी-मार्च 1959, पृ 4-5, 13

प्रौढ़ शिक्षा और द्वितीय सम्मेलन—पाल लेग्रांड
व 4 (6), फरवरी-मार्च 1961, पृ 5-6

संघ के महासचिव की रिपोर्ट—शिवचन्द्र दत्ता
व 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 5-7, 55

संघ के महामंत्री की रिपोर्ट—शिवचन्द्र दत्ता
व 10 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1966, पृ 5-9, 19

सम्मेलन के प्रस्ताव
व 16 (9), दिसम्बर 1972, पृ 2-8

नेहरू साक्षरता पुरस्कार— विमला दत्ता
व 17 (12), मार्च 1974, पृ 16-21

27 वां अखिल भारतीय प्रौढ़ शिक्षा सम्मेलन—शिवचन्द्र दत्ता
व 18 (8), नवम्बर 1974, पृ 2-9

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ की वार्षिक रिपोर्ट—शिव चन्द्र दत्ता
व 19 (7), अक्टूबर 1975, पृ 2-7

29वां अखिल भारतीय प्रौढ़ शिक्षा सम्मेलन—सत्येन मैत्रा
व 20 (7), अक्टूबर 1976, पृ 2-15

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ की रिपोर्ट—शिवचन्द्र दत्ता
व 20 (8). नवम्बर 1976, पृ 4-10

उदयपुर के अंचल में 30वां अखिल भारतीय प्रौढ़ शिक्षा सम्मेलन—बिमला दत्ता
व 21 (8), नवम्बर 1977, पृ 2-4

नेहरू साक्षरता पुरस्कार—ए० आर० देश पांडेय
व 22 (9), दिसम्बर 1978, पृ 5-12

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ की वार्षिक (1978-1979) रिपोर्ट—बी. एस. माथुर
व 23 (7), अक्टूबर 1979, पृ 7-11

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ की वार्षिक रिपोर्ट (वर्ष 1979-80)—बी० एस० माथुर
व 24 (10), दिसम्बर 1980, पृ 10-13

1980-81 : अवैतनिक महासचिव की रिपोर्ट—टी ए. कोशी
व 25 (10), दिसम्बर 1981, पृ 19-23

1981-82 : अवैतनिक महासचिव रिपोर्ट—
व 26 (10-11), जनवरी-फरवरी 1983, पृ 26-29

36वें अखिल भारतीय प्रौढ़ शिक्षा सम्मेलन का संक्षिप्त विवरण—जे. एल. सचदेव
व 27 (10-11), जनवरी-फरवरी 1984, पृ 4-9

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा के समक्ष चुनौतियाँ—जे. वीरा. राघवन
व 27 (10-11), जनवरी-फरवरी 1984, पृ 47-57

दक्षिण क्षेत्रीय प्रौढ़ शिक्षा सम्मेलन : एक रपट—जे. एल. सचदेवा
व 28 (2), मई 1984, पृ 4-7

सैंतीसवां अखिल भारतीय प्रौढ़ शिक्षा सम्मेलन : एक रपट
व 28 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1984, पृ 36-39

उत्तर क्षेत्रीय प्रौढ़ शिक्षा सम्मेलन एक रपट—सुशील कुमार
व 28 (11), फरवरी 1985, पृ 35-39

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ : वार्षिक रिपोर्ट—जे. सी. सक्सेना
व 30 (2), मई 1986, पृ 34-40

भारतीय शिक्षा संघ वार्षिक (1985-1986) रपट—जे. सी सक्सेना
व 30 (8-9), नवम्बर-दिसम्बर 1986, पृ 23-29

मध्य क्षेत्रीय प्रौढ़ शिक्षा सम्मेलन : एक रिपोर्ट—अंबिका प्रसाद तिवारी
व 37 (5), अगस्त 1993, पृ 22-24

अन्य

लोकतंत्र में शिक्षा का महत्व—श्री मन्नारायण
व 2 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1958, पृ 11-13

शिक्षक के चार अस्त्र—एच. एस. पीरजादे
व 2 (5), दिसम्बर-जनवरी 1958, पृ 8

भारत में शिक्षा का पुनर्गठन—जाकिर हुसैन
व 2 (6), फरवरी-मार्च 1959, पृ 6-7, 28

शिक्षा का उद्देश्य—धर्मशील चतुर्वेदी
व 4 (3), अगस्त-सितम्बर 1960, पृ 9-10

समूह मानस व शिक्षक—दीपा सेठ
व 4 (6), फरवरी-मार्च 1961, पृ 11-12

योजना और अध्यापक—लाडली प्रसाद त्रिपाठी
व 6 (1), अप्रैल-मई 1962, पृ 13-15

भारत वर्ष में शिक्षा को विदेशी सांचे में ढालना क्या स्वस्थ है—स्नेह कुमार चौधरी
व 6 (2), जून-जुलाई 1962, पृ 18-19

ज्ञान की खोज में विद्यार्थी विदेशों में—गार्डन वेलमेंस
व 6 (3), अगस्त-सितम्बर 1962, पृ 5, 16

चरित्र निर्माण और हमारे स्कूल—र. ह. लंसर
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 11-12, 42

शिक्षा समानता का मार्ग है—जोरजस फ्रेडियर
व 6 (6), फरवरी-मार्च 1963, पृ 7-8

पूर्व पश्चिम : अज्ञान का अध्ययन—जार्ज फ्रेडियर
व 7 (3), अगस्त-सितम्बर 1963, पृ 4-6

क्या हमारे स्कूलों में शिक्षा स्तर गिर रहा है—प्रेम कृपाल
व 7 (5), दिसम्बर-जनवरी 1963, पृ 7-8, 21

भारतीय शिक्षा-शास्त्र आचार्य विनोबा भावे
व 8 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1964, पृ 8-11

गाँधी जी एक शिक्षा शास्त्री—काका कालेलकर
व 9 (1), अप्रैल-मई 1965, पृ 17-18, 26

क्या आज की परीक्षा प्रणाली चालू रखना उचित है—सीताराम चतुर्वेदी
व 9 (3), अगस्त-सितम्बर 1965, पृ 14-15, 24

उदार शिक्षा वह है जो विचार—शक्ति का विकास करें—बोडिया
व 9 (6), फरवरी-मार्च 1966, पृ 12-14, 32

शिक्षा और आर्थिक विकास का महत्व—एस० सिम्हाराम
व 10 (3), अगस्त-सितम्बर 1966, पृ 14-17, 34-36

क्रिया द्वारा शिक्षा—रमाशंकर जायसवाल
व 10 (6), फरवरी-मार्च 1967, पृ 4-6

सेवा और शिक्षा की प्रतीक—धर्मवीर
व 15 (6), सितम्बर 1971, पृ 13-15

शिक्षा का अर्थ—कंचन लाल शाह
व 15 (10), जनवरी 1972, पृ 14-15

शिक्षा : पूर्णता : अभिव्यक्ति—शिव दयाल
व 19 (12), मार्च 1976, पृ 7-9

शिक्षा का परिप्रेक्ष्य—बाल गोविन्द तिवारी
व 21 (10), जनवरी 1978, पृ 10-11, 21

नई तालीम की पृष्ठ भूमि में समग्र शिक्षा एक प्रयोग—चित्त भूषण दास गुप्त
व 22 (10), जनवरी 1979, पृ 13-15

शिक्षा पर राष्ट्रीय-नीति का प्रारूप—मालकम आदिशेषैया
व 23 (4), जुलाई 1979, पृ 3-5, 11

शिक्षा में व्यक्तिगत और मैत्रीभाव का विकास—पीटर मानिले
व 27 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1983, पृ 28-31

शिक्षा, व्यक्ति और समाज—इन्दिरा गांधी
व 29 (4), जुलाई 1985, पृ 5-8

नई शिक्षा नीति का सफर—भीमसेन
व 29 (4), जुलाई 1985, पृ 18-21

उत्तम शिक्षा—विभा नार कुंडे
व 29 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1985, पृ 25-26

सवाल शिक्षा की माध्यम भाषा का—रोहित धनकर
व 29 (9), दिसम्बर 1985, पृ 24-25

शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में विवेकानन्द—मंजू शर्मा
व 29 (9), दिसम्बर 1985, पृ 26-31, 37

शिक्षा प्रणाली का नया स्वरूप—राजीव गांधी
व 29 (11-12) फरवरी-मार्च 1986, पृ 5-10 30

शिक्षा कोई फैक्टरी नहीं है—बनवारी
व 30 (1), अप्रैल 1986 पृ 39-42

नई शिक्षा नीति के साथ कार्यान्वयन की निष्ठा आवश्यक—श्रीधर मिश्र
व 30 (2), मई 1986, पृ 22-24

हमारी शिक्षा-प्रणाली—श्यामाचरण दुबे
व 30 (4), जुलाई 1986, पृ 9-12

भारतीय परिप्रेक्ष्य में शिक्षा के सिद्धांत और लक्ष्य—दया पन्त
व 30 (5), अगस्त 1986, पृ 9-14

सार्वजनिक शिक्षा भारत के लिए चुनौती है—रेणु
व 30 (12), मार्च 1987, पृ 22-30

शिक्षा और मानवीय—मूल्य—डी. एस. कोठारी
व 31 (4), जुलाई 1987, पृ 5-8

शिक्षा—इक्कीसवीं सदी की ओर—प्रेम कृपाल
व 31 (5), अगस्त 1987, पृ 5-9

राष्ट्रीय शिक्षा नीति : क्रियान्वयन के दौर में—रामरतन हर्ष
व 31 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1987, पृ 5-14

शिक्षा विकास का साधन है—रामलाल पारिख
व 32 (9), दिसम्बर 1988, पृ 12-16

शिक्षा से दूरदर्शन का सरोकार—शमसुद्दीन
व 32 (12), मार्च 1989, पृ 35-37

शिक्षा और मानवीय—मूल्य—डी. एस. कोठारी
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 5-8

हमारी शिक्षा-प्रणाली—श्यामा चरण दुबे
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 8-11

अरविन्द की दृष्टि में राष्ट्रीय शिक्षण—रति लाल छाया
व 33 (3), जून 1989, पृ 24-31

बालकों का शैक्षिक विकास : समस्या और समाधान—बी० एल० गर्ग
व 33 (7), अक्टूबर 1989, पृ 21-23

शिक्षा का यथार्थ उद्देश्य : आज की शिक्षा—हनुमान प्रसाद पोद्धार
व 33 (8-9), नवम्बर-दिसम्बर 1989, पृ 22-35

शिक्षा, विकास और सम्पूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण—लक्ष्मीधर मिश्र
व 34 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1990, पृ 9-14

समतावादी समाज के निर्माण में शिक्षा की भूमिका—राजमंगल पांडेय
व 35 (3), जून 1991, पृ 11-13

भारतीय परिप्रेक्ष्य में शिक्षा—नरेश कुमार शर्मा
व 35 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1991, पृ 30-35

नेहरू का शिक्षा दर्शन—हुकुम चन्द्र जैन
व 35 (8), नवम्बर 1991, पृ 17-20

स्कूल और काम की दुनिया के बीच हमारी शिक्षा—देवेन्द्र सिंह
व 36 (6), सितम्बर 1992, पृ 16-19

जातिवाद तोड़ने में शिक्षा का महत्व—चन्द्र प्रकाश
व 36 (9), दिसम्बर 1992, पृ 10-11, 14

राष्ट्रीय शिक्षा तथा विकास—सुबोध अदावाल
व 37 (4), जुलाई 1993, पृ 14-16

लेखक सूची

अकिंचन, सीताराम और सिंह, प्रभात कुमार—राष्ट्रीय व्यस्क शिक्षा कार्यक्रम : कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे
व 26 (1), अप्रैल 1982, पृ 5-6, 18

अग्रवाल, रामेश्वर—प्रौढ़ों को शिक्षित करने में साहित्यकारों का भी दायित्व है
व 9 (6), फरवरी-मार्च 1966, पृ 21-22

अग्रवाल, रीता—नारी और प्रौढ़ शिक्षा
व 32 (1), अप्रैल 1988, पृ 43-45

अग्रवाल, वी० के०—गरीबी-विरोधी योजनाओं की असफलता का कारण निरक्षरता
व 33 (11-12), फरवरी-मार्च 1990, पृ 8-10

अग्रवाल, वी० के०—शिक्षित नारी का आदर्श
व 33 (7), अक्टूबर 1989, पृ 27-29

अग्रवाल, वीरेंद्र कुमार—प्रौढ़ शिक्षा में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की भूमिका
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 34-36

अग्रवाल, शैल कुमारी—महिला अनुदेशकों से
व 33 (4), जुलाई 1989, पृ 13-17

अग्रवाल, संध्या—महिला प्रौढ़ शिक्षा क्यों और कैसे
व 34 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1990, पृ 22-24

अग्रवाल, स्नेह—कमजोर हाथ लोकतन्त्र की मशाल कब तक थाम सकेंगे
व 11 (5), दिसम्बर-जनवरी 1967, पृ 24-25, 27

अर्जुन सिंह—प्रौढ़-शिक्षा अभियान को नई दिशा
व 26 (10-11), जनवरी-फरवरी 1983, पृ 3-4

अथलिए, जी. के.—शिक्षा में फिल्मों का महत्व
व 6 (2), जून-जुलाई 1962, पृ 11-12

अदावाल, सुबोध—राष्ट्रीय शिक्षा तथा विकास
व 37 (4), जुलाई 1993, पृ 14-16

अनिल कुमार—मध्य प्रदेश का समाज शिक्षा आंदोलन
व 9 (6), फरवरी-मार्च 1966, पृ 17-19

अंसारी, न० अ०—ग्रामीण युवक और शिक्षा कार्यक्रम
व 26 (7), अक्टूबर 1982, पृ 3-4, 31

अंसारी, ए० एन०—भारत में क्रियात्मक प्रौढ़-शिक्षा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण
व 15 (1), अप्रैल 1971, पृ 2-4

अन्सारी, एन० ए०—प्रौढ़ शिक्षा में अनुवर्ती गतिविधियां
व 24 (7), अक्टूबर 1980, पृ 7-9

अन्सारी, एन० ए०—भारत में प्रौढ़ शिक्षा : कुछ पहलू
व 24 (2), मई 1980, पृ 3-6

अन्सारी, एन० ए०—1971 की जनगणना साक्षरता कार्यकर्त्ताओं को एक चेतावनी
व 15 (11), फरवरी 1972, पृ 2-3

अन्सारी, न० अ०—प्रौढ़ शिक्षा एवं प्रौढ़ साक्षरता
व 17 (5), अगस्त 1973, पृ 10, 14

अन्सारी, नजीर अहमद—प्रौढ़ साक्षरता के कुछ पहलू
व 8 (5), दिसम्बर-जनवरी 1964, पृ 8-10

अमर, देवेन्द्र कुमार—विद्यार्थी-जीवन में सहकारिता का स्थान
व 7 (3), अगस्त-सितम्बर 1963, पृ 22-23

अर्द्धनारीश्वरन, के० एन०—व्यस्क शिक्षा के उद्देश्य
व 25 (1-2), अप्रैल-मई 1981, पृ 13-14

अरविंद चन्द्र और खुराना, कंवल—प्रौढ़ शिक्षा कक्षाओं में भाग लेने के कारण बड़ौदा की महिलाओं पर किया हुआ एक शोध प्रबन्ध
व 15 (1), अप्रैल 1971, पृ 21-23

अलजाफरी, नाजिम हुसैन—देश का विकास और साक्षरता : एक वार्तालाप
व 31 (3), जून 1987, पृ 30-33

अली, शमशेर—प्रौढ़ शिक्षा में अनुदेशकों की मानसिकता
व 34 (4), जुलाई 1990, पृ 16-18

अली, शमशेर—प्रौढ़ शिक्षा और राष्ट्रीय एकता
व 32 (8), नवम्बर 1988, पृ 19-21

अली, सैयद असद—पुस्तक मेले का पठन रुचि को बढ़ावा देने में योगदान
व 27 (9), दिसम्बर 1983, पृ 13-16

अल्फ्रेड मेजो—क्या साठ वर्ष में जीवन समाप्त हो जाता है
व 7 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1963, पृ 5-9

अस्थाना, पी. एन.—साक्षरता लक्ष्य कैसे
व 33 (10), जनवरी 1990, पृ 34-37

अहमद, मंजूर—साक्षरता प्रयासों में यथार्थ और कल्पना
व 31 (9), दिसम्बर 1987, पृ 7-10

अहमद, मुश्ताक—प्रौढ़ साक्षरता सिखाने के लक्ष्य क्या है
व 9 (2), जून-जुलाई 1965, पृ 6-9

अहलूवालिया, एस पी.—प्रौढ़ शिक्षा : विश्वविद्यालयों की भूमिका
व 29 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1985, पृ 17-20

आचार्य विनोबा भावे—भारतीय शिक्षा-शास्त्र
व 8 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1964, पृ 8-11

आचार्य सर्वे—प्रौढ़ व्यक्तियों की शिक्षा कैसी हो
व 7 (2), जून-जुलाई 1963, पृ 17-18

आदिशेषैया, मेलकाम एस०—ग्रामीण संस्थाओं की स्थापना और उनके प्रभावी कार्यान्वयन में प्रौढ़-शिक्षा की भूमिका
व 25 (10), दिसम्बर 1981, पृ 13-16

आदिशेषैया, मेल्कम—प्रौढ़ शिक्षा और असमानता
व 30 (11), फरवरी 1987, पृ 5-12

आदिशेषैया, मैलकाम एस०—ग्रामीण संस्थाओं के कार्यान्वयन में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, अप्रैल-मई 1989, पृ 76-80

आदिशेषैया, माल्कम एस०—सम्पूर्ण साक्षरता अभियान : क्षमताएं और कमजोरियां
व 36 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1992, पृ 3-7

आदिशेषैया, माल्कम एस०—शैक्षिक शोध की नई सीमाएं
व 31 (3), जून 1987, पृ 12-15

आदिशेषैया, माल्कम एस०—प्रौढ़ शिक्षा और विकास की अवधारणा
व 23 (7), अक्टूबर 1979, पृ 3-6

आदिशेषैया, माल्कम ए०—अनौपचारिक शिक्षा चिकित्सा और संजीवनी
व 19 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1975, पृ 2-3

आदिशेषैया, माल्कम—समग्र ग्रामीण विकास में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका
व 21 (9), दिसम्बर 1977, पृ 13-15

आदिशेषैया, माल्कम—शिक्षा पर राष्ट्रीय-नीति का प्रारूप
व 23 (4), जुलाई 1979, पृ 3-5, 11

आनन्द, हरीश—प्रौढ़ शिक्षा के दायरे में भारतीय नारी
व 31 (3), जून 1987, पृ 22-25

आयंगर, वत्सला—गांवों में निरक्षरता : एक बड़ी चुनौती
व 31 (9), दिसम्बर 1987, पृ 11-12

आर्य, जे० एल०—व्यस्क शिक्षा : एक प्रतिक्रिया
व 24 (4), जुलाई 1980, पृ 10-11

आर्य, सत्य प्रकाश—प्रौढ़-शिक्षा और हमारा कर्तव्य
व 23 (5), अगस्त 1979, पृ 11-12

आर्य, सत्य प्रकाश—प्रौढ़ शिक्षा : कुछ प्रश्न, कुछ समस्याएं
व 25 (4), जुलाई 1981, पृ 19-20

ओझा, किशोर कान्त—प्रौढ़ शिक्षा में लोक-संपर्क का महत्व
व 24 (6), सितम्बर 1980, पृ 8-10

ओमप्रकाश—जन क्रांति की दस्तक देती साक्षरता
व 38 (1), अप्रैल 1994, पृ 3-10

ओशो—भावी स्वर्णिम शिक्षा के पांच आयाम
व 34 (4), जुलाई 1990, पृ 22-25

इंगलिश, टॉम—फ्रैंक लुबाख : साक्षरता का एक कम चर्चित नायक
व 38 (1), अप्रैल 1994, पृ 15-19, 21

इंटोदिया, एस० एल०—नारी शिक्षा की समस्याएं : एक अध्ययन
व 33 (11-12), फरवरी-मार्च 1990, पृ 14-16

इण्टोदिया, सुन्दरलाल और पारीक, मंजू—भरतपुर जिला साक्षर बनेगा
ब 16, (6), सितम्बर 1972, पृ 2-7

इण्टोदिया, सुन्दरलाल—किसानों में नए ज्ञान प्राप्ति का माध्यम शैक्षिणिक भ्रमण
व 16 (7), अक्टूबर 1972, पृ 9-12

इण्टोदिया, सुन्दरलाल—क्रियात्मक शिक्षा एवं कृषि उत्पादन
व 15 (3), जून 1971, पृ 16-18

इन्टोदिया, सुन्दरलाल—व्याबहारिक शिक्षा और कृषि विकास
व 15 (5), अगस्त 1971, पृ 16-18

इण्टोदिया, सुन्दरलाल—प्रौढ़ों की शैक्षणिक आवश्यकताएं : एक अध्ययन
व 31 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1987, पृ 19-22

इन्द्रा ओझा—पंचायती राज में नारी शिक्षा
व 6 (2), जून-जुलाई 1962, पृ 15, 27

ईश्वर सिंह—युवकों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा का स्वरूप क्या हो
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 28-29

एम० बो०, अमादू-महतार—प्रामाणिक विकास की दिशा में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका
व 27 (4), जुलाई 1983, पृ 11-13

एम० वो०, अमादो महतार—निरक्षरता उन्मेलन : चुनौतियां और कार्यक्रम
व 32 (2), मई 1988, पृ 30-32

एरियल, आर० सी०—प्रौढ़ शिक्षा में दृश्य-श्रव्य साधनों का योगदान
व 25 (3), जून 1981, पृ 15-18, 27

एरियल, आर० सी०—राष्ट्रीय प्रौढ़-शिक्षा में कठपुतली के तमाशे का योगदान
व 23 (4), जुलाई 1979, पृ 12-14

कक्कड़, एस० बी०—बेहतर इन्सान और बेहतर समाज बनाने के लिए शिक्षा
व 29 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1985, पृ 21-22, 41

कपूर, आर० के०—चुनौती और प्रत्युत्तर
व 16 (12), मार्च 1973, पृ 2-8

कबठियाल, कैलाशचन्द्र—प्रौढ़ शिक्षा और नारी उत्थान
व 36 (10), जनवरी 1993, पृ 3-4

कबीर, हुमायूं—शिक्षा की पूर्वी व पश्चिमी प्रणालियां
व 2 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1958, पृ 4-7

कबीर, हुमायूं—संग्रहालयों का शिक्षा में महत्व
व 3 (2), जून-जुलाई 1959, पृ 6, 27

करणवाल, सूर्यप्रकाश—भारत में प्रौढ़ शिक्षा का फैलाव कैसे किया जाय
व 6 (2), जून-जूलाई 1962, पृ 9-10

करणवाल, सूर्यप्रकाश—नवयुवकों की शिक्षा कैसी हो
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 16-17

करिअप्पा, जनरल के० एम०—आपात-स्थिति में युवकों का कर्तव्य
व 6 (6), फरवरी-मार्च 1963, पृ 16-17

कालेलकर, काका—ईसा की तीन शिक्षाएं
व 18 (9), दिसम्बर 1974, पृ 6-7, 31

कालेलकर, काका—गांधी जी एक शिक्षा शास्त्री
व 9 (1), अप्रैल-मई 1965, पृ 17-18, 26

किड, जे० आर०—भारत और चीन में प्रौढ़ शिक्षा
व 24 (1), अप्रैल 1980, पृ 3-4

किड, रोवी सीखने में भावनाओं का स्थान
व 10 (5), दिसम्बर-जनवरी 1966, पृ 6-10

किदवई, मोहसिना—महिलाएं और शिक्षा
व 28 (6-7), अक्टूबर-नवम्बर 1984, पृ 5-7

किरननाथ—महिला साक्षरता की समस्यायें और सुझाव : एक प्रयोगात्मक अध्ययन
व 34 (11), फरवरी 1991, पृ 27-33

कुखरेना को सरगई—जीवन लौट आया
व 4 (3), अगस्त-सितम्बर 1960, पृ 4-6

कुण्डु एम०—जन-जातियों में प्रौढ़ सीखने वालों के लिए पठन सामग्री
व 25 (10), जनवरी 1982, पृ 13-14, 24

कुन्नकल, फादर टी० वी०—सामुदायिक केन्द्र के रूप में विद्यालय
व 26 (12), मार्च 1983, पृ 15-19, 32

कुमट रणजीत सिंह—कार्यात्मक साक्षरता
व 35 (8), नवम्बर 1991, पृ 7-9

कूरियन, बी०—ग्रामीण समाज को आधुनिक बनाने में विशिष्ट वर्ग की भूमिका
व 26 (3), जून 1982, पृ 3-6. 18

कोठिया, दरबारी लाल—समाज रचना में युवकों का स्थान और उनकी शिक्षा
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 49-50

कोठारी, डी. एस.—शिक्षा और मानवीय-मूल्य
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 5-8

कोशी, टी. ए—लखनऊ का साक्षरता निकेतन
व 23 (6), सितम्बर 1979, पृ 8-10

कोशी, टी. ए.—महिलाओं के लिए अनौपचारिक शिक्षा हेतु पाठय-क्रम निर्माण
व 20 (6), सितम्बर 1976, पृ 2-5, 7-8

कोशी, टी. ए.—विश्वविद्यालय के परिवेश में बसने वाले समुदाय की की शैक्षणिक आवश्यकताओं की पहचान
व 20 (4-5), जुलाई-अगस्त 1976, पृ 13-15, 21

कोशी, टी ए.—1980-1981 : अवैतनिक महासचिव की रिपोर्ट
व 25 (10), दिसम्बर 1981, पृ 19-23

कोशी, टी. ए.—समन्वित ग्राम विकास में अनौपचारिक शिक्षा
व 21 (4,5,6), जुलाई-सितम्बर 1977, पृ 23-28

कृपाल, प्रेम-शिक्षा—इक्कीसवीं सदी की ओर
व 31 (5), अगस्त 1987, पृ 5-9

कृपाल, प्रेम—क्या हमारे स्कूलों में शिक्षा स्तर गिर रहा है
व 7 (5), दिसम्बर-जनवरी 1963, पृ 7-8, 21

कृपाल सिंह—रेल यातायात और विद्यार्थी
व 7 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1963, पृ 13-16

कृष्ण कुमार—साक्षरता की जड़ों में
व 30 (4), जुलाई 1986, पृ 13-14

कृष्ण कुमार—शुरुआत शिक्षकों से करें
व 29 (4), जुलाई 1985, पृ 15-17

क्वारक्यूस, विलियम सी०—बाल अपराध रोकने में स्कूलों का महत्व
व 9 (2), जून-जुलाई 1965, पृ 12-14

खरे, गणेश—प्रौढ़ शिक्षा के पांच पाठ
व 35 (4-5), जुलाई-अगस्त 1991, पृ 31-33

खरे, दिनेश—क्लमुंही की देन
व 2 (2), अप्रैल-मई 1958, पृ 22-27, 30

खां, अंसार अली—विद्यालय बाह्य जन शिक्षा के लिए सामग्री का निर्माण
व 27 (7), अक्टूबर 1983, पृ 8-13

खुल्लर, प्रणव—राष्ट्रीय साक्षरता मिशन : एक नई आशा
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 46-48

ख्वाजा गुलामुस्सैयदैन—शफी : एक मानव
व 1 (1), अप्रैल 1957, पृ 4-8

गंगोपाध्याय, एस. आर.—व्यावसायिक शिक्षा : एक ऐतिहासिक परिदृश्य
व 29 (5), अगस्त 1985, पृ 14-15

गर्ग बी. एल.—बालकों का शैक्षिक विकास : समस्या और समाधान
व 33 (7), अक्टूबर 1989, पृ 21-23

गर्ग, बी. एल.—नारी शिक्षा बनाम सामाजिक जागरुकता
व 32 (1), अप्रैल 1988, पृ 48-49

गर्ग, बी. एल.—वर्तमान शिक्षा नीति क्या बेरोजगारी मिटा पायेगी
व 32 (12), मार्च 1989, पृ 24-25, 28

गर्ग, बी. एल.—शिक्षा बनाम राष्ट्रीय साक्षरता अभियान
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 43-45

गर्ग, भवानी शंकर—शिक्षित जनता ही प्रजातंत्रीय राष्ट्र का निर्माण कर सकती है
व 35 (9), दिसम्बर 1991, पृ 5-7, 13

गर्ग, भवानी शंकर—प्रौढ़ शिक्षा और मानवता
व 28 (11), फरवरी 1985, पृ 9-13

गर्ग, भवानी शंकर—देश के औद्योगिक विकास में श्रमिक शिक्षा की भूमिका
व 36 (9), दिसम्बर 1992, पृ 3-4

गर्ग, भवानी शंकर—निरक्षरता से मुक्ति का उपाय : सभी स्तरों पर समन्वय
व 33 (10), जनवरी 1990, पृ 20-23

गर्ग, भवानी शंकर—प्रौढ़ शिक्षा और मानवता
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 31-35

गर्ग, भवानी शंकर—अनौपचारिक शिक्षा और नई शिक्षा नीति
व 31 (11-12), फरवरी-मार्च 1988, पृ 8-13

गर्ग, भवानी शंकर—निरक्षरता से मुक्ति का उपाय : सभी स्तरों पर समन्वय
व 31 (8), नवम्बर 1987, पृ 5-8

गर्ग, भवानी शंकर—संपूर्ण साक्षरता के संदर्भ में : निरक्षरता से मुक्ति
व 35 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1991, पृ 11-14

गर्ग, भवानी शंकर—महिला शिक्षा : महिलाओं की भूमिका
व 32 (2), मई 1988, पृ 27-29

गांधी, इन्दिरा—शिक्षा, व्यक्ति और समाज
व 29 (4), जुलाई 1985, पृ 5-8

गांधी, इंदिरा—गरीबी ही हमारी सबसे बड़ी दुश्मन
व 16 (10), जनवरी, 1973, पृ 2-4

गांधी, राजीव—शिक्षा प्रणाली का नया स्वरूप
व 29 (11-12), फरवरी-मार्च 1986, पृ 5-10, 30

गांधी, राजीव—राष्ट्रीय साक्षरता मिशन : एक बड़ी समस्या का समाधान
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 5-7

गुप्त, कृष्ण कुमार—प्रौढ़ शिक्षा के अनुदेशकों से
व 32 (5), अगस्त 1988, पृ 10-12

गुप्त, चित्त भूषण दास—नई तालीम की पृष्ठ भूमि में 'समग्र शिक्षा' एक प्रयोग
व 22 (10), जनवरी 1979, पृ 13-15

गुप्त, देवेश कुमार—आज का समाज और महिला साक्षरता
व 28 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1984, पृ 8-9, 13

गुप्त, देवेश कुमार—संपूर्ण साक्षरता का राष्ट्रीय लक्ष्य और विकास
व 37 (5), अगस्त 1993, पृ 14-17

गुप्त, देवेश कुमार—भारतीय राजनीतिक संरचना में साक्षर की भूमिका
व 34 (11), फरवरी 1991, पृ 18-21

गुप्त, नेकी राम—प्रौढ़ साक्षरता हमारा दायित्व
व 16 (7), अक्टूबर 1972, पृ 3-7

गुप्त, नेकीराम—प्रौढ़ शिक्षा : स्वरूप और प्रक्रिया
व 33 (8-9), नवम्बर-दिसम्बर 1989, पृ 18-21

गुप्त, नेकी राम—अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस
व 20 (6), सितम्बर 1976, पृ 23-26

गुप्त, विजय कुमार—शत प्रतिशत साक्षरता-फिलीपीन्स का एक प्रयोग
व 26 (3), जून 1982, पृ 7-10, 30-31

गुप्त, बद्री नारायण—मंडलकारा में व्यस्क शिक्षा कार्यक्रम एक अनुभव
व 28 (3), जून 1984, पृ 6-7

गुप्त, ब्रह्मप्रकाश—प्रौढ़ शिक्षा प्रगति तथा संभावनाएं
व 23 (8), नवम्बर 1979, पृ 26-27

गुप्त, रूपकिशोर—राष्ट्र निर्माण में शिक्षित नारी की भूमिका
व 34 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1990, पृ 19-21

गुप्त, विनोद—आदिवासी जन-शिक्षा
व 30 (10), जनवरी 1987, पृ 19-21

गुप्त वेदप्रकाश—प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों पर कार्यक्रम
व 29 (11-12), फरवरी-मार्च 1986, पृ 37-39

गुप्त, शिवव्रत—राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के लिए आवश्यक
व 21 (12), मार्च 1978, पृ 17-18

गुप्ता, अनिता—नारी शिक्षा के बदलते आयाम
व 32 (1), अप्रैल 1988, 20-22

गुप्ता, नेकीराम—परिवार नियोजन के लिए प्रौढ़ शिक्षा आवश्यक
व 15 (5), अगस्त 1971, पृ 2-6

गुप्ता, नेकीराम—प्रौढ़ साक्षरता कक्षाओं में क्या पढ़ाएं
व 8 (6), फरवरी-मार्च 1965, पृ 7-9, 15

गुप्ता, पुष्पा—कार्यात्मक साक्षरता में गृह विज्ञान की भूमिका
व 25 (10), जनवरी 1982, पृ 11-12

गुप्ता, शोभा और···राष्ट्रीय साक्षरता मिशन : नव साक्षर प्रौढ़ महिलाओं पर प्रभाव
व 37 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1993, पृ 14-28

गुरुरानी, भैरवदत्त—प्रौढ़ शिक्षा एवं सामाजिक विकास
व 24 (12), मार्च 1981, पृ 13-15

गुलामुस्सैयदेन, ख्वाजा—शिक्षित महिलाएं घरेलू जीवन को सुन्दर बनाएं
व 3 (1), अप्रैल-मई 1959, पृ 12, 38

गैल्डेंस, मारया —उत्तर प्रदेश में महिलाओं के लिए कल्याण योजना
व 1 (2), जुलाई-सितम्बर 1957, पृ 11-15

गोर्डन, होपटन—जमायिका में प्रौढ़ शिक्षा
व 23 (1), अप्रैल 1980, पृ 9-12

गोयल, चम्पा—प्रौढ़-शिक्षा के सामाजिक रूप
व 1 (3), अक्टूबर.दिसम्बर 1957, पृ 24-27

घोड़ावत, सुरेशचन्द्र—नारी शिक्षा
व 8 (5), दिसम्बर जनवरी 1964, पृ 16

घोष, अरूप—बाल श्रमिकों की आवश्यकताएं और आंकाक्षाए क्षैक्षिक योजना और प्रबन्ध के निहितार्थ
व 36 (10), जनवरीं 1993, पृ 14-21

चंगे, थ्योडर पी—प्रौढ़-शिक्षा और परिष्कृत जीवन
व 10 (2), जून-जुलाई 1966, पृ 4-7

चक्रवर्ती, गौरी—बोधगया में महिलाओं का समाज सेवा प्रशिक्षण शिविर
व 2 (2), जून-जुलाई 1958, पृ 29-30

चक्रवर्ती, गौरी—बिहार में महिला प्रशिक्षण केन्द्र
व 1 (1), अप्रल 1957, पृ 23-26

चक्रवर्ती, गौरी—शिक्षा द्वारा ही नारी शक्ति का विस्फोट सम्भव है
व 3 (2), जून-जुलाई 1959, पृ 14-16

चटर्जी, एस. सी—ग्रामीण क्षेत्रों में प्रोढ़-शिक्षा
व 9 (1), अप्रैल-मई 1965, पृ 8-9, 25

चण्डालिया, उदयलाल—युवा नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम
व 24 (5), अगस्त 1980, पृ 14-16

चतुर्वेदी, जगदीश प्रसाद—ग्रामीण विकास और अनौपचारिक शिक्षा
व 21 (4-5-6), जुलाई-अगस्त-सितम्बर 1977, पृ 17-20

चतुर्वेदी, धर्मशील—शिक्षा का उद्देश्य
व 4 (3), अगस्त-सितम्बर 1960, पृ 9-10

चतुर्वेदी, धर्मशील—युवक शिक्षा समस्याए और समाधान
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 21-23

चतुर्वेदी, पृथ्वीनाथ—समाज शिक्षा में मनोरंजनात्मक तथा सांस्कृतिक कार्यकलापों का महत्व
व 3 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1959, पृ 7-10

चतुर्वेदी, पृथ्वीनाथ—प्रौढ़-शिक्षा की समस्याएं और हल
व 4 (1), अप्रैल-मई 1960, पृ 34-36

चतुर्वेदी, पृथ्वीनाथ—समाज शिक्षा का विकास
व 3 (1), अप्रैल-मई 1959, पृ 22-23, 30

चतुर्वेदी, पृथ्वीनाथ—युवक व समाज शिक्षा
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 55

चतुर्वेदी, लक्ष्मणसिंह—भारत में अनुसूचित जन-जातियों की शिक्षा की दिशा एवं दशा
व 23 (1), अप्रैल 1979, पृ 6-7

चतुर्वेदी, सीताराम—पचायत और सयानों की शिक्षा
व 4 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1960, पृ 11-13

चतुर्वेदी, सीताराम—क्या आज की परीक्षा प्रणाली चालू रखना उचित है
व 9 (3), अगस्त-सितम्बर 1965, पृ 14-15, 24

चतुर्वेदी, सीताराम—आत्म-त्याग
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 35-40

चन्द्रप्रकाश—जातिवाद तोड़न में शिक्षा का महत्व
व 36 (9), दिसम्बर 1992, पृ 10-11, 14

चन्द्रपाल—उत्तर प्रदेश में प्रौढ़ शिक्षा के बढ़ते चरण
व 30 (3), जून 1986, पृ 24-27

चन्द्राकर, विभा —साक्षरता के संदर्भ में दो अनुभव
व 35 (9), दिसम्बर 1991, पृ 21-24

चन्देल, नरेन्द्रपाल सिंह और साहब दयाल—उत्तर प्रदेश में प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम : स्वैच्छिक संगठनों का योगदान
व 35 (1-2), अप्रैल-मई 1991, पृ 24-25

चावला, एस० पी०—जन्म-मृत्यु के आंकड़ों की प्रवृत्तियों एवं प्रमाणिक विकास के बीच सम्बन्ध
व 26 (10-11), जनवरी-फरवरी 1983, पृ 19-25

चेल्लादुराई, मेरी—कबाड़ा बटोर बच्चों की शिक्षा : प्रयोग और अनुभव
व 36 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1992, पृ 17-24

चौधरी, अनुजा—क्या, साक्षरता अभियान का प्रतिफल मिलेगा
व 37 (1), अप्रैल 1993, पृ 6-7

चौधरी, उमराव सिंह—शिक्षा का ग्राम-व्यापीकरण
व 24 (1), अप्रैल 1980, पृ 5-8

चौधरी, एस० के० और शुक्ला, पी. के.—वियतनाम और थाईलैंड में प्रौढ़ शिक्षा : एक अध्ययन रिपोर्ट
व 28 (2), मई 1984, पृ 28-32

चौधरी, जगन्नाथ—श्रम संगठन और प्रौढ़ साक्षरता
व 23 (12), मार्च 1980, पृ 7-8

चौधरी, स्नेह कुमार—युवक शिक्षा की कुछ सामान्य समस्याएं
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 53-54

चौधरी, स्नेह कुमार—भारतवर्ष में शिक्षा को विदेशी साचे में ढालना क्या स्वस्थ है
व 6 (2), जून-जुलाई 1962, पृ 18-19

चौबे, एम० —प्रौढ़ शिक्षा में नए प्रशिक्षण
व 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 32-33

चौबे, जगन्नाथ प्रसाद—विकास की दौड़ में समाज शिक्षा का अस्पष्ट रूप
व 2 (1), अप्रैल-मई 1958, पृ 44-45

छाया, रतिलाल—अरविंद की दृष्टि में राष्ट्रीय शिक्षण
व 33 (3), जून 1989, पृ 24-31

जगदीश सिंह—प्रौढ़ शिक्षा : एक राष्ट्रीय समस्या
व 24 (10-11), जनवरी-फरवरी 1981, पृ 3-6

जलालुद्दीन, ए० के०—विकास के लिए प्रौढ़ शिक्षा
व 22 (2-3), मई-जून 1978, पृ 6-7, 16

जलालुद्दीन, ए० के० —जीवन और संस्कृति का अंग : प्रौढ़ शिक्षा
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 26-30

जलालुद्दीन, ए० के०—साक्षरता कार्यक्रमों का स्वरूप और उनकी अवधि
व 26 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1982, पृ 31-34

जाउलकर, विकास—महिला होगी साक्षर जब, राष्ट्र बनेगा साक्षर तब
व 37 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1993, पृ 3-4, 13

जायसवाल तारा—साक्षरता मिशन एवं आपकी भूमिका
व 34 (1), अप्रैल 1990, पृ 34-36

जायसवाल, राजेन्द्र—प्रौढ़ों द्वारा सीखना
व 11 (3), अगस्त-सितम्बर 1967, पृ 10-11, 31

जायसवाल, रमाशंकर—क्रिया द्वारा शिक्षा
व 10 (6), फरवरी-मार्च 1967, पृ 4-6

जायसवाल, सीताराम—नयी शिक्षा नीति और प्रौढ़ शिक्षा
व 30 (6), सितम्बर 1986, पृ 12-14

जायसवाल, सीताराम—राष्ट्रीय एकता के लिए प्रौढ़ शिक्षा
व 34 (10), जनवरी 1991, पृ 24-26

जायसवाल, सीताराम—प्रौढ़ मनोविज्ञान के कुछ बिन्दु
ब 29 (1), अप्रैल 1985, पृ 4-7

जायसवाल, सीताराम—भारत में साक्षरता : कल, आज और कल
व 33 (10), जनवरी 1990, पृ 12-14

जार्ज फ्रेडियर—पूर्व पश्चिम : अज्ञान का अध्ययन
व 7 (3), अगस्त-सितम्बर 1963, पृ 4-6

जिलि, फिलिप—सातवां राष्ट्रीय सेमीनार : कुछ संस्मरण
व । (1), अप्रैल 1957, पृ 31-33

जूनीद, यूसुफ बिब—मलेशिया और प्रौढ़ शिक्षा
व 16 (2), मई 1972, पृ 2-4

जैन, अजित कुमार—ग्रामोत्थान एवं प्रौढ़ शिक्षा
व 15 (1), अप्रैल 1971, पृ 12-15

जैन, अजित कुमार—राजस्थान में प्रौढ़-शिक्षा एवं स्वयंसेवी संस्थाएं
व 18 (5), अगस्त 1974, पृ 2-4

जैन, अजित कुमार—महिलाओं के लिए प्रौढ़ शिक्षा
व 11 (6), फरवरी-मार्च 1968, पृ 23-24

जैन, अजित कुमार—चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए साक्षरोत्तर शिक्षण योजना
व 11 (2), जून-जुलाई 1967, पृ 12-13

जैन, अजित कुमार—प्रौढ़ शिक्षा एवं परिवार नियोजन
व 15 (7), अक्टूबर 1971, पृ 2-6

जैन, अभय कुमार—गांव के नेता, जो कभी डाकू थे
व । (4), जनवरी-मार्च 1958, पृ 10-12

जैन, आशा—प्रौढ़ शिक्षा : एक पुनीत कार्य
व 32 (11), फरवरी 1989, पृ 29

जैन, एच० सी०—नैतिक मूल्य : प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका
व 37 (8), नवम्बर 1993, पृ 7-10, 13

जैन, एन. सी. और पाल एच. आर.—उच्चशिक्षा के विद्यार्थियों की महिला उत्थान में भूमिका
व 33 (3), जून 1989, पृ 32-34

जैन, गुमानमल—प्रौढ़ शिक्षा : एक टिप्पणी
व 33 (4), जुलाई 1989, पृ 34-35

जैन, श्याम सुन्दर—प्रौढ़ शिक्षा : कुछ आधार भूत समस्याएं
व 23 (10-11), जनवरी-फरवरी 1980, पृ 8-9

जैन, सुरेन्द्र कुमार—परिवार नियोजन के तरीके कोई मुश्किल नहीं है
व 9 (5), दिसम्बर-जनवरी 1965, पृ 17-19

जैन, हुकचचन्द्र—भारत में प्रसार शिक्षा और कार्यक्रम
व 34 (4), जुलाई 1990, पृ 9-15

जैन, हुकुमचन्द्र—राष्ट्रीय एकीकरण के लिए सामुदायिक शिक्षा
व 31 (11-12), फरवरी-मार्च 1988, पृ 25-27

जैन, हुकुमचन्द—प्रौढ़ शिक्षा : अन्तविरोधी को कम करने की दिशा में
व 34 (9), दिसम्बर 1990, पृ 8-12

जैन, हुकुमचन्द—प्रौढ़ शिक्षा : राष्ट्रीय मूल्यों के प्रसार का माध्यम
व 34 (10), जनवरी 1991, पृ 34-37

जैन, हुकुमचन्द—निरक्षरता का अन्तर्राष्ट्रीय आयाम
ब 36 (1), अप्रैल 1992, पृ 27-32

जैन, हुकुमचन्द—सन 2000 तक सबके लिए शिक्षा
व 36 (6), सितम्बर 1992, पृ 8-12

जैन, हुकुमचन्द – ब्रिटेन में मुक्त विश्वविद्यालय
व 33 (3), जून 1989, पृ 9-13, 20

जैन, हुकुमचन्द—विस्तार कार्यक्रमों में उच्चतर माध्यमिक छात्रों की भूमिका
व 36 (10), जनवरी 1993, पृ 5-6

जैन, हुकुमचन्द – राष्ट्रीय तकनालाजी मिशन्स और ग्रामीण विकास की दशा
व 32 (11), फरवरी 1989, पृ 19-23

जैन, हुकुमचन्द—प्रौढ़ शिक्षा : क्षेत्र-विकास उपागम
व 32 (9), दिसम्बर 1988, पृ 5-8

जैन, हुकुमचन्द—महिला शिक्षा और स्वास्थ्य : राष्ट्रीय विकास का आधार
व 35 (1-2), अप्रैल-मई 1991, पृ 12-15

जैन, हुकुमचन्द—नेहरू का शिक्षा दर्शन
व 35 (8), नवम्बर 1991, पृ 17-20

जैन, हुकुमचन्द—प्रौढ़ शिक्षा के जीवंत विद्यामंदिर : डेनिस लोक उच्च विद्यालय
व 33 (5), अगस्त 1989, पृ 8-11

जोशी, एन० डी०—केरल में जनजातियों की शिक्षा
व 25 (11-12), फ़रवरी-मार्च 1982, पृ 11-13, 40

जोशी, गोविन्द—प्रौढ़ शिक्षा के लिए एक सघन पदयात्रा
व 33 (5), अगस्त 1989, पृ 21-26

जोशी, गोविन्दराम—ग्रामीण युवा—नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर
व 22 (1), अप्रैल 1978, पृ 5-8

जोशी, गोविन्दराम—आजाद हिन्द फौज में प्रौढ़ शिक्षा
ब 23 (7), अक्टूबर 1979, पृ 24-26, 29

जोशी, देवेन्द्र—प्रौढ़-शिक्षा के क्षेत्र में शोध-कार्य की अपेक्षाएं
व 27 (9), दिसम्बर 1983, पृ 3-6

जोशी, नानूभाई—राष्ट्रीय साक्षरता मिशन में विश्वविद्यालयों का योगदान
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 27-29

जोशी, नानूभाई—गिरिजन ग्रामजन महिलाओं में शिक्षा
व 32 (1), अप्रैल 1988, पृ 35-36, 45

जोशी, नानूभाई—प्रौढ़ शिक्षा : जनता की भागीदारी
व 30 (2), मई 1986, पृ 17-18, 33

जोशी, नानूभाई एन और मालवीय, ए. एन—कारागार में साक्षरता अभियान एवं निरंतर शिक्षा : एक अनुभव
व 36 (4-5), जुलाई-अगस्त 1992, पृ 8-13

जोशी, पाद—मौनी विद्यापीठ
व 3 (6), फरवरी-मार्च 1960, पृ 21-24

जोशी, प्रभाष—पढ़े हुए क्यों होते पन्नालाल पटेल
व 30 (11), फरवरी 1987, पृ 23-25

जोशी, मालिनी—प्रौढ़ शिक्षा और पुस्तकालय
व 31 (10), जनवरी 1988, पृ 17-19

टंडन, राजेश—प्रारंभिक स्वास्थ्य परिचर्या के लिए सामुदायिकता सम्बद्धता में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका
व 28 (6), सितम्बर 1984, पृ 21-23

टी० आर० सिंह और भटनागर, आर० सी०—राष्ट्रीय सेवा योजना और अनौपचारिक शिक्षा
व 21 (2-3), मई-जून 1977, पृ 13-15

टुटेजा, एस. के.—भारत में प्रौढ़ शिक्षा : माध्यम की भूमिका
व 30 (3), जून 1986, पृ 5-8, शेष आवरण पृष्ठ 3 पर

टेलर, बी. एल.—प्रौढ़ शिक्षा में विभिन्न वर्गों का योगदान
व 32 (5), अगस्त 1988, पृ 7-9

ठाकुर, एच. एस.—कृषक प्रशिक्षण केन्द्रों की उपयोगिता
व 15 (8), नवम्बर, 1971, पृ 26-27

डडे, विलियम एम०—अमरीका में पढ़ने का शौक बढ़ा
व 8 (5), दिसम्बर-जनवरी 1964, पृ 18-21

डयूक, क्रिस—असमानता कम करने में प्रौढ़ शिक्षा का योगदान
व 31 (10), जनवरी 1988, पृ 20-25

ड्यूक, क्रिस—प्रौढ़ शिक्षा और विकास : कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे
व 26 (8), नवम्बर 1982, पृ 3-8, 29-33

डिलियोन, आशेर—अनौपचारिक शिक्षा
व 19 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1975, पृ 4-6

डिलियोन, आशेर—जीवन-व्यापी शिक्षा के व्यावहारिक परिणाम
व 19 (11), फरवरी 1976, पृ 2-8

डोंगरे, वल्लभ—साक्षरता का ताज पहना जा सकता है
व 35 (1-2), अप्रैल-मई 1991, पृ 19-20

तंपी, ए० एम०—प्रौढ़ शिक्षा में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका
व 30 (1), अप्रैल 1986, पृ 23-24

तपोदी, महावीर प्रसाद—प्रौढ़ शिक्षा के माध्यम से सांप्रदायिक एकता
व 33 (4), जुलाई 1989, पृ 22-25

तपोदी, महावीर प्रसाद—प्रौढ़ शिक्षा द्वारा अन्धविश्वासों का निराकरण
व 33 (11-12), फरवरी-मार्च 1990, पृ 11-13

तपोदी, महावीर प्रसाद—प्रौढ़ शिक्षा के प्रसार में युवा वर्ग का दायित्व
व 35 (4-5) जुलाई-अगस्त 1991, पृ 34-36

तपोदी, महावीर प्रसाद—प्रौढ़ शिक्षा के माध्यम से राष्ट्रीय एकता
व 32 (2), मई 1988, पृ 16-18

तपोदी, महावीर प्रसाद—प्रौढ़ शिक्षा के माध्यम से सामान्य कानूनों की जानकारी
व 32 (5), अगस्त 1988, पृ 19-21, 23

तरंग, जयपाल—प्रौढ़ शिक्षा समाज की मांग हो
व 28 (1), अप्रैल 1984, पृ 2-3

तरंग, जयपाल—ओपन स्कूल—प्रौढ़ शिक्षा में नया कदम
व 28 (2), मई 1984, मई 1984, पृ 9-11

तरंग, जयपाल—समन्वित शिक्षा-विकलांग बच्चों की शिक्षा का सवाल
व 28 (2), मई 1984, पृ 19-22

तरंग, जयपाल—पठन-संस्कृति की ओर साक्षरता अभियान
ब 27 (4). जुलाई 1983, पृ 14-18

तरंग, जयपाल—प्रौढ़ों के लिए शैक्षिक सामग्री में लोक माध्यमों का विनियोग
व 27 (9), दिसम्बर 1983, पृ 7-11

तरंग, जयपाल—महिलाओं के लिए प्रौढ़ शिक्षा : शिक्षण-व्यूहों की दिशा-दृष्टि
व 32 (1), अप्रैल 1988, पृ 23-28

तलेसरा, हेमलता—अनौपचारिक शिक्षा में शैक्षिक तकनीक का प्रयोग
व 29 (11-12), फरवरी-मार्च 1986, पृ 22-24

तलेसरा, हेमलता—शैक्षिक कठपुतली और प्रौढ़ शिक्षा
व 28 (3), जून 1984, पृ 16-18

तसलीम, मुहम्बद—बिहार में प्रौढ़ शिक्षा का इतिहास : एक मूल्यांकन
व 25 (1-2), अप्रैल-मई 1981, पृ 63-64

ताम्रकर, राम—नव-साक्षरोपयोगी साहित्य का सृजन
व 9 (3), अगस्त-सितम्बर 1965, पृ 14-15, 24

तिलक सिंह—गांवों के रचनात्मक आयामों से शिक्षा का जुड़ना जरूरी
व 29 (6), सितम्बर 1985, पृ 41-43

तिवारी, अंबिका प्रसाद—प्रौढ़ शिक्षा एक तिमाही आँकलन
व 23 (1), अप्रैल 1979, पृ 19-24

तिवारी, अंबिका प्रसाद – प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम : कुछ उपलब्धियाँ
व 23 (5), अगस्त 1979, पृ 13-15

तिवारी, अंबिका प्रसाद—मध्य क्षेत्रीय प्रौढ़ शिक्षा सम्मेलन : एक रिपोर्ट
व 37 (5), अगस्त 1993, पृ 22-24

तिबारी, अम्बिका प्रसाद—प्रौढ़ शिक्षा द्वारा सभी पक्षों का उन्नयन
व 23 (10-11), जनवरी-फरवरी 1980, पृ 20-21, 37

तिवारी, काशीनाथ—प्राचीन काल में महिला शिक्षा
व 33 (4), जुलाई 1989, पृ 32-33

तिवारी, काशीनाथ—शिक्षा और ग्रामीण महिलाएं
व 28 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1984, पृ 17-18, 21

तिवारी, चन्द्रशेखर—अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस
व 33 (6), सितम्बर 1989, पृ 20-22

तिवारी, चन्द्रशेखर—कार्यक्रमों का निर्धारण और प्रौढ़-शिक्षा
व 18 (1), अप्रैल 1974, पृ 2-7

तिवारी, चन्द्रशेखर—समाज शिक्षा में दृश्य-श्रव्य साधन
व 11 (5), दिसम्बर-जनवरी 1967, पृ 14-16, 28

तिवारी, जे०—व्यस्क शिक्षा बनाम महिला प्रतिभागी
व 27 (3), जून 1983, पृ 23-24

तिवारी, जे०—निरक्षर-अशिक्षितों में प्रवेश की समस्या
व 25 (11-12), फरवरी-मार्च 1982, पृ 15-18

तिवारी, प्रमिला—महिला शिक्षा : विकास की पहली आवश्यकता
व 28 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1984, पृ 14-16

तिवारी, बाल गोविन्द—शिक्षा का परिप्रेक्ष्य
ब 21 (10), जनवरी 1978, पृ 10-11, 21

तिवारी, बाल गोविन्द—भारत में प्रौढ़ शिक्षा
व 28 (12), मार्च 1985, पृ 5-11

तिवारी, बाल गोविन्द—सजीव प्रौढ़ शिक्षा
व 22 (8), नवम्बर 1978, पृ 13-14

तिवारी, बाल गोविन्द—प्रयोजनशील प्रौढ़ शिक्षा
व 11 (2), जून-जुलाई 1967, पृ 4-7, 25-26

तिवारी, रमाशंकर—राष्ट्रीय व्यस्क शिक्षा कार्यक्रम
व 23 (10-11), जनवरी-फरवरी 1980, पृ 3-4

तिवारी, रमाशंकर—साक्षरता एवं सामाजिक जागरूकता
व 28 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1984, पृ 19-21

तिवारी, विद्या सागर—प्रौढ़-शिक्षा : ग्राम स्तरीय संरचना
व 28 (4-5), जुलाई-अगस्त 1984, पृ 14-17

तिवारी, विद्यासागर—निरक्षरता और अनौपचारिक शिक्षण पद्धति
व 28 (3), जून 1984, पृ 25-26

तेज आनन्द—स्त्री-शिक्षा का छोटा-सा इतिहास
व 21 (1), अप्रैल 1977, पृ 18-20

त्यागी, सुशील कुमार और वर्मा, अनोखी लाली—नवसाक्षरों के लिए पठनीय सामग्री का उत्पादन
व 36 (2-3), मई-जून 1992, पृ 12-15

त्रिपाठी, पी. एन.—निरक्षरता निवारण : एक चुनौती
व 30 (5), अगस्त 1986, पृ 25-29

त्रिपाठी, लाडली प्रसाद—योजना और अध्यापक
व 6 (1), अप्रैल-मई 1962, पृ 13-15

त्रिवेदी, काशीनाथ—पंचायती राज के लिए प्रौढ़ शिक्षा
व 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 29-31

त्रिवेदी दुर्गाशंकर—ग्राम जिंदगी से जुड़ी प्रौढ़-स्त्री-शिक्षण की योजना
व 21 (2-3), मई-जून 1977, पृ 10-12

त्रिवेदी, शीला—विकास कार्यों में महिलाओं की भूमिका
व 19 (12), मार्च 1976, पृ 2-6

दत्ता बिमला—नेहरू साक्षरता पुरस्कार
व 17 (12), मार्च 1974, पृ 16, 18-21

दत्ता, विमला—अंगुल में लेखक कार्यशाला आयोजित
व 24 (7), अक्टूबर 1980, पृ 12-14

दत्ता, बिमला—साक्षरता प्रसारक : वैल्दी फिशर
व 28 (6), सितम्बर 1984, पृ 15-16, 23

दत्ता, बिमला—भोपाल में अनौपचारिक शिक्षा संबंधी परिसंवाद
व 21 (1), अप्रैल 1977, पृ 9-14

दत्ता, बिमला—राजस्थान की भूमि पर
व 17 (7), अक्टूबर 1973, पृ 2-12, 21-27

दत्ता, बिमला—अनौपचारिक शिक्षा का औदार्य
व 19 (7), अक्टूबर 1975, पृ 8-10

दत्ता, बिमला—प्रौढ़-शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित पाठय सामग्री निर्माण हेतु कार्यशाला
व 22 (6), सितम्बर 1978, पृ 2-15

दत्ता, बिमला—अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस
व 19 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1975, पृ 15-18

दत्ता, बिमला—नवसाक्षरों के लिए लिखिए
व 4 (6), फरवरी-मार्च 1961, पृ 14-15

दत्ता, बिमला—उदयपुर के अंचल में 30वां अखिल भारतीय प्रौढ़ शिक्षा सम्मेलन
व 21 (8), नवम्बर 1977, पृ 2-4

दत्ता, बिमला—उत्तर प्रदेश का पार्वात्य अंचल : अनौपचारिक शिक्षा : कुछ सुझाव
व 20 (4-5), जुलाई-अगस्त 1976, पृ 2-5, 8-12

दत्ता, विमला—उड़ीसा, उत्कल नव जीवन मण्डल, महिला अनौपचारिक शिक्षा पर उड़ीसा में आयोजित सेमीनार
व 20 (2-3), मई-जून 1976, पृ 2-10

दत्ता, बिमला—भीलवाड़ा में आयोजित पांचवा राजस्थान प्रौढ़ शिक्षा सम्मेलन : नागरिक चेतना में प्रौढ़ शिक्षा का उत्तर दायित्व
व 21 (11), फरवरी 1978, पृ 2-10

दत्ता, एस. सी.—शिक्षा के नए आयाम युवा वर्ग के लिए अनौपचारिक शिक्षा
व 21, (7), अक्टूबर 1977, पृ 2-8

दत्ता, बिमला—अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में
व 20 (6), सितम्बर 1976, पृ 16-20

दत्ता, एस० सी०—प्रौढ़ शिक्षा : प्रशिक्षण की रूप रेखा
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 92-95

दत्ता, एस० सी०—नई शिक्षा नीति
व 30 (6), सितम्बर 1986, पृ 15-17

दत्ता, एस० सी—प्रौढ़ शिक्षा और राष्ट्रीय एकता
व 30 (5), अगस्त 1986, पृ 5-7

दत्ता, एस. सी.—प्रौढ़ शिक्षा : प्रशिक्षण की एक रूप रेखा
व 30 (2), मई 1986, पृ 7-9, 12

दत्ता, एस० सी०—समाज शिक्षा के प्रति ग्रामीण पाठशालाओं का का कर्तव्य : मिले-जुले स्कूल तथा सामुदायिक केन्द्रों की योजना पर विचार
व 1 (3), अक्टूबर-दिसम्बर 1957, पृ 14-18

दत्ता, एस० सी०—औद्योगिक एवं नगरीय विकास में प्रौढ़-शिक्षा का महत्व-एशिया के परिप्रेक्ष्य में
व 26 (12), मार्च 1983, पृ 3-11

दत्ता, एस० सी०—राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम
व 22 (7), अक्टूबर 1978, पृ 7-9

दत्ता, एस० सी०—शत-प्रतिशत साक्षरता : स्वरूप, साधन और परिकल्पना
व 29 (4), जुलाई 1985, पृ 9-11, 14

दत्ता, एस. सी.—संघ के महामन्त्री की रिपोर्ट
व 10 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1966, पृ 5-9, 19

दत्ता, एस. सी.—समाज शिक्षा और शिक्षण संस्थाएं
व 1 (4), जनवरी-मार्च 1958, पृ 21-22

दत्ता, एस. सी—अखिल भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ : एक परिचय
व 1 (1), अप्रैल 1957, पृ 27-30

दत्ता, एस. सी.—प्रगति तथा विकास के लिए प्रौढ़-शिक्षा
व 11 (3), अगस्त-सितम्बर 1967, पृ 4-7

दत्ता, एस॰ सी॰—प्रौढ़ शिक्षा का लक्ष्य—विकास
व 29 (11-12), फरवरी-मार्च 1986, पृ 11-14

दत्ता, एस. सी.—प्रौढ़ शिक्षा आंदोलन—एक समालोचना
व 2 (6), फरवरी-मार्च 1959, पृ 10-11, 15

दत्ता, एस. सी. भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ का वार्षिक प्रतिवेदन
व 2 (6), फरवरी-मार्च 1959, पृ 4-5, 13

दत्ता, एस. सी.—सातवीं पंचवर्षीय योजना में प्रौढ़ शिक्षा का प्रारूप
व 27 (4), जुलाई 1983, पृ 27-28

दत्ता, एस. सी.—लोक हाई स्कूल भारत के संदर्भ में
व 27 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1983, पृ 24-27

दत्ता, एस. सी.—सार्वजनिक शिक्षा : एक वैकल्पिक रणनीति
व 28 (1), अप्रैल 1984, पृ 4-9

दत्ता, एस सी.—भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ की वार्षिक रिपोर्ट
व 19 (7), अक्टूबर 1975, पृ 2-7

दत्ता, एस. सी.—द्वितीय पंचवर्षीय योजना में समाज शिक्षा
व । (2), जुलाई-सितम्बर 1957, पृ 6-10

दत्ता, एस. सी.—-27वां अखिल भारतीय प्रौढ़ शिक्षा सम्मेलन
व 18 (8), नवम्बर 1974, पृ 2-9

दत्ता, एस. सी.—प्रौढ़ शिक्षा और ऐच्छिक संस्थाएं
व 10 (2), जून-जुलाई 1966, पृ 8-10

दत्ता, एस. सी.—प्रौढ़-शिक्षा और ऐच्छिक संस्थाएं
व 10 (1), अप्रैल-मई 1966, पृ 10-12

दत्ता, एस. सी.—अनौपचारिक शिक्षा
व 19 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1975, पृ 11-14

दत्ता, एस. सी.—प्रौढ़ शिक्षा के लिए कार्यकर्त्ताओं का प्रशिक्षण
व 25 (3), जून 1981, पृ 3-6

दत्ता, एस. सी.—प्रौढ़ शिक्षा आंदोलन का प्रभाव
व 25 (6), सितम्बर 1981, पृ 14-15

दत्ता, एस० सी०—एशिया में साधन विकास के लिए प्रौढ़ शिक्षा की आवश्यकता
व 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 16-19

दत्ता, एस० सी०—संघ के महासचिव की रिपोर्ट
व 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 5-7, 55

दत्ता, एस० सी०—भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ की रिपोर्ट
व 20 (8), नवम्बर 1976, पृ 4-10

दत्ता, संतो—साक्षरता का अर्थ साक्षरता से कहीं ज्यादा है
व 27 (3), जून 1983, पृ 7-10

दवे, एस० सी०—साक्षरता विकास की पहली प्राथमिकता है
व 35 (4-5), जुलाई-अगस्त 1991, पृ 28-30

दवे, सी० एस०—साक्षरता अभियान के लिये आवश्यकता है जन आंदोलन की
व 36 (4-5), जुलाई-अगस्त 1992, पृ 5-7

दवे, सी० एस०—ग्रामीण शिक्षा : प्रौढ़ शिक्षा के संदर्भ में
व 31 (5), अगस्त 1987, पृ 10-12, 30

दिनकर, रामधारी सिंह—शिक्षा में क्रांति
व 15 (4), जुलाई 1971, पृ 20-23

दिनकर, रामधारी सिंह—शिक्षा में क्रांति
व 15 (3), जून 1971, पृ 13-14

दिलीप कुमार—देश में राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संकट : शिक्षा की अपेक्षा
व 34 (10), जनवरी 1991, पृ 43-46

दिलीप कुमार—संपूर्ण साक्षरता का यथार्थ और आदर्श
व 36 (4-5), जुलाई-अगस्त 1992, पृ 14-20

दिलीप कुमार—ग्रामीण अंचलों में राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम की समस्याएं
व 23 (8), नवम्बर 1979, पृ 23-25

दिलीप कुमार—राष्ट्रीय एकता में प्रौढ़ों का दायित्व
व 31 (1-2), अप्रैल-मई 1987, पृ 46-50

दिलीप कुमार—प्रौढ़ शिक्षा की दिशा
व 33 (10), जनवरी 1990, पृ 15-19, 23

दिलीप कुमार—महिला शिक्षा की सार्थकता और आधार
व 32 (1), अप्रैल 1988, पृ 11-13, 16

दिलीप कुमार—राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की सफलता व्यक्ति और व्यवस्था का दायित्व
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 21-26

द्विवेदी, हजारी प्रसाद—पुस्तकालय संत मिलन का उत्तम मार्ग
व 17 (12), मार्च 1974, पृ 2-4

दीवान, अजीत—समग्र ग्रामीण विकास एवं अनौपचारिक शिक्षा
व 21 (8), नवम्बर 1977, पृ 11-14

दीक्षित, आशा और·····प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों पर उपस्थिति का स्वरूप : एक अध्ययन
व 30 (7), अक्टूबर 1986, पृ 14-25

दीक्षित, आशा—ग्रामीण महिला और प्रौढ़ शिक्षा
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 84-87

दीक्षित, सोमदत्त—प्रौढ़ शिक्षा में मूल्यांकन और अनुसंधान
व 23 (9), दिसम्बर 1979, पृ 18-23

दुआ, सुभाष—चुनौतियों के संदर्भ में अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष
ब 33 (1), अप्रैल 1990, पृ 22-25

दुआ, सुभाष—8 सितम्बर : 'अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस'
व 25 (6), सितम्बर 1981, पृ 11-13

दुबे, एस० सी०—अनौपचारिक शिक्षा का महत्व
व 24 (4), जुलाई 1980, पृ 8-9, 25

दुबे, लक्ष्मीनारायण—हिन्दी प्रौढ़ शिक्षा साहित्य की बुन्देली भूमिका
व 32 (3-4), जून-जुलाई 1988, पृ 8-10

दुबे, श्यामाचरण—हमारी शिक्षा-प्रणाली
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 8-11

दुबे, श्यामाचरण—हमारी शिक्षा-प्रणाली
व 30 (4), जुलाई 1986, पृ 9-12

दुर्योगसा, उसा—प्रौढ़ शिक्षकों के नाम खुली चिट्ठी
व 36 (9), दिसम्बर 1992, पृ 5-7

देव, आचार्य नरेन्द्र—जन-संस्कृति के लिए जन-शिक्षा
व 33 (8-9), नवम्बर-दिसम्बर 1989, पृ 15-17

देवदास, राजम्मल पी०—राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम में शिक्षा संस्थाओं का योगदान
व 23 (5), अगस्त 1979, पृ 3-5

देवेन्द्र सिंह—अनपढ़ों की किताब
व 36 (1), अप्रैल 1992, पृ 14-17

देवेन्द्र सिंह—ज्ञान कुण्ड के घाट पर
व 33 (10), जनवरी 1990, पृ 29-33

देवेन्द्र सिंह—इक्कीसवीं सदी तक पूर्ण साक्षरता के लिए
व 33 (5), अगस्त 1989, पृ 5-7

देवेन्द्र सिंह—प्रौढ़ शिक्षा : तथ्य, समस्या और समाधान
व 28 (9), दिसम्बर 1984, पृ 5-8, 11

देवेन्द्र सिंह—स्कूल और काम की दुनिया के बीच हमारी शिक्षा
व 36 (6), सितम्बर 1992, पृ 16-19

देश पांडेय, ए० आर०—नेहरू साक्षरता पुरस्कार
व 22 (9), दिसम्बर 1978, पृ 5-12

देशमुख, चिन्तामणि—प्रौढ़-शिक्षा राष्ट्रीय प्राथमिकता है
व 16 (1), अप्रैल 1972, पृ 8-13

देशमुख, दुर्गाबाई—कार्यात्मक साक्षरता और पारिवारिक जीवन में समाज शिक्षण
व 23 (6), सितम्बर 1979, पृ 16-18

देसाई, मोरारजी—राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा बोर्ड के उद्घाटन अवसर पर
व 21 (12), मार्च 1978, पृ 5-8

देसाई, रमा बेन—प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों की नव-शिक्षित महिलाएं
व 23 (10-11), जनवरी-फरवरी 1980, पृ 18-19

दोषी, परमानंद—समाज-शिक्षा की ओर
व 4 (2), जून-जुलाई 1960, पृ 8-9

दोषी, परमानंद—अशिक्षा का अभिशाप
व 7 (2), जून-जुलाई 1963, पृ 4, 27

धनकर, रोहित—सवाल शिक्षा की माध्यम भाषा का
व 29 (9), दिसम्बर 1985, पृ 24-25

धर्मवीर—प्रौढ़-शिक्षा की एक आधुनिक पद्धति
व 8 (6), फरवरी-मार्च 1965, पृ 10-11

धर्मवीर—सदस्य—शिक्षा की सक्रिय पद्धतियां
व 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 24-28

धर्मवीर—सहकारी शिक्षा की कुछ पद्धतियाँ
व 7 (5), दिसम्बर-जनवरी 1963, पृ 4-5

धर्मवीर—भारत में महिला सहकारी शिक्षा
व 32 (1), अप्रैल 1988, पृ 46-47

धर्मवीर—सहकारी-शिक्षा की कार्य-विधि और सामग्री
व 25 (6), सितम्बर 1981, पृ 6-8

धर्मवीर—प्रौढ़ों का मन और साक्षरता
व 10 (2), जून-जुलाई 1966, पृ 14-15

धर्मवीर—सेवा और शिक्षा की प्रतीक
व 15 (6), सितम्बर 1971, पृ 13-15

धर्मवीर—मालवा में महिला प्रौढ़-शिक्षा
व 16 (6), सितम्बर 1972, पृ 9, 21

नटराजन. आर—बिहार में प्रौढ़-शिक्षा कार्यक्रम का मूल्यांकन
व 26 (3), जून 1982, पृ 11-12, 32

नयाल, गोपाल सिंह—राष्ट्रीय प्रौढ़-शिक्षा-कार्यक्रम पर एक दृष्टि
व 26 (4), जुलाई 1982, पृ 15-18, 22

नरगुन्दे, विभा—साक्षरता की दिशा में
व 35 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1991, पृ 43-46

नरगुन्दे, विभा—प्रौढ़ शिक्षा में जनसंख्या शिक्षा का समन्वय
व 35 (8), नवम्बर 1991, पृ 29-30

नरेन्द्र कुमार—समाज शिक्षा का आशय व्यक्ति का संपूर्ण विकास करना है
व 1 (4), जनवरी-मार्च 1958, पृ 26-29

नरेन्द्र कुमार—जनतंत्रीय आदर्श में प्रौढ़ शिक्षा
व 1 (2), जुलाई-सितम्बर 1957, पृ 16-18

नरेन्द्र कुमार—समाज शिक्षा के नये रूप
व 2 (1), अप्रैल-मई 1958, पृ 28-30

नवल सिंह—प्रौढ़ शिक्षा के सन्दर्भ में जागरूकता : कुछ मुद्दे
व 28 (4-5), जुलाई-अगस्त 1984, पृ 4-7, 32

नसरीन—प्रौढ़ों के लिए पर्यावरणीय शिक्षा
व 35 (9), दिसम्बर 1991, पृ 14-16

नसरीन—प्रौढ़ शिक्षा : शिक्षित वर्ग के दायित्व
व 35 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1991, पृ 28-29

नाइक, जे०पी०—ग्राम पंचायत तथा प्राथमिक शिक्षा
व 4 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1960, पृ 41-43, 51

नागर, जनार्दन राय—प्रौढ़ शिक्षण का राष्ट्रीय मिशन : राष्ट्रीय साधना
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 8-11

नागर, जनार्दनराय—भारतीयता के उद्भव में प्रौढ़ शिक्षा का योग
व 31 (1-2), अप्रैल-मई 1987, पृ 12-15

नागर, जनार्दनराय—भारतीय राष्ट्रीय शिक्षा में प्रौढ़ शिक्षा
व 30 (10), जनवरी 1987, पृ 5-18

नागर, विनोद—अलग है हिन्दी राज्यों में साक्षरता की चुनौतियां
व 37 (8), नवम्बर 1993, पृ 14-16, 18

नाथ, शत्रुघ्न—अनौपचारिक शिक्षा
व 20 (2-3), मई-जून 1976, पृ 11-12, 20

नायक, जीवन—प्रौढ़ शिक्षा और राष्ट्रीय एकता
व 34 (11), फरवरी 1991, पृ 15-17

नायक, जीवन—प्रौढ़ शिक्षा के नये आयाम
व 29 (9), दिसम्बर 1985, पृ 5-7

नायक, जीवन—शिक्षा-नीति और नीति की शिक्षा
व 31 (3), जून 1987, पृ 5-7, 11

नायक, जीवन—कुछ लिख के सो, कुछ पढ़ के सो
व 34 (9), दिसम्बर 1990, पृ 4-7, 12

नायक, जे०पी०—अनौपचारिक शिक्षा के कुछ पहलू
व 20 (10), जनवरी 1977 पृ 2-7, 9-18

नायक, हरगोविन्द—निरक्षरता उन्मूलन कार्यक्रम के आलोचकों से
व 35 (1-2), अप्रैल-मई 1991, पृ 5-7

नायक, हरगोविन्द—निरक्षरता मुक्ति : उपेक्षा क्यों और कब तक
व 35 (8), नवम्बर 1991, पृ 5-6

नायक, हरगोविन्द—जनसमूह की निरक्षरता किसका पाप किसकी शरम
व 36 (11-12), फरवरी-मार्च 1993, पृ 6-14

नायब, सालेह मोहम्मद—विद्यार्थियों द्वारा साक्षरता—शिक्षण साकार अथवा बेकार
व 34 (6), सितम्बर 1990, पृ 33-35

नायब, सालेह मोहम्मद—सबकी शिक्षा—सबके द्वारा
व 36 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1992, पृ 12-14

नायब, सालेह मुहम्मद—लोक शिक्षक चूनी भाई भट्ट
व 27 (1), अप्रैल 1983, पृ 17-19

नायब, सालेह मोहम्मद—आदिवासी प्रोढ़ महिलाओं में साक्षरता
व 29 (4), जुलाई 1985, पृ 28-31

नायब, सालेह मोहम्मद—साक्षरता—शिक्षण के लिए योजना निर्माण
व 33 (3), जून 1989, पृ 14-16

नायब, सालेह मोहम्मद—प्रौढ़ शिक्षा और साक्षरता आन्दोलन
व 35 (10-11), जनवरी-फरवरी 1992, पृ 12-14

नायब, सालेह मोहम्मद—एक नजर 'आई०पी०सी०एल०' पर
व 35 (3), जून 1991, पृ 7-10

नायर, देव प्रकाश—गांधी दर्शन में ग्रामीण विकास का माध्यम : प्रौढ़ शिक्षा
व 20 (9), दिसम्बर 1976, पृ 9-19

नारकुंडे, विभा—उत्तम शिक्षा
व 29 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1985, पृ 25-26

नारायण, प्रकाश—प्रौढ़ शिक्षा और सर्वेक्षण
व 32 (5), अगस्त 1988, पृ 13-16

निगम, राधेलाल—प्रौढ़ शिक्षा आन्दोलन : एक जायजा
व 22 (7), अक्टूबर 1978, पृ 18-20, 24

नोवरूप, जोहन्स—डेन्मार्क में आवासिक संस्थाओं का मूल्य
ब 3 (5), दिसम्बर-जनवरी 1959, पृ 13-14

न्येरेरे, ज्यूलियस—प्रौढ़ शिक्षा और विकास
व 31 (10), जनवरी 1988, पृ 11-16

न्येरेरे, ज्यूलियस के०—मानव के लिए, मानव द्वारा मानव का विकास
ध 27 (1), अप्रैल 1983, पृ 9-16

पंजाबी, बाल कृष्ण—विश्व विद्यालयों की भूमिका साक्षरता अभियान में
व 37 (8), नवम्बर 1993, पृ 19-21

पंत, एन० के०—ग्रामीण युवकों के लिए अनौपचारिक शिक्षा
व 19 (1), अप्रैल 1975, पृ 2-4

पंत, कृष्ण चन्द्र—प्रौढ़ शिक्षा : एक जन-आन्दोलन
व 28 (11), फरवरी 1985, पृ 5-7

पचोली, सत्य प्रकाश—प्रौढ़ साक्षरता कार्यक्रम में बुनियादी शिक्षा
व 22 (11-12), फरवरी-मार्च 1979, पृ 21-24

पटनायक, पी० के०—क्रियात्मक साक्षरता के लिए जन-अभियान
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 56-71

पटनायक, पी० के०—क्रियात्मक साक्षरता के लिए जन-अभियान
व 30 (12), मार्च 1987, पृ 7-21

पाठक, वीणा—प्रसार शिक्षा-दर्शन एवं सिद्धान्त
व 36 (2-3), मई-जून 1992, पृ 9-11

पाण्डेय, कृष्ण प्रसाद—साक्षरता एवं सामाजिक जागरूकता
व 29 (5), अगस्त 1985, पृ 17-21, 36

पाण्डेय, प्रतिभा—प्रौढ़ शिक्षा : कर्त्तव्य-बोध
व 31 (9), दिसम्बर 1987, पृ 5-6, 10

पाण्डेय, प्रतिभा—नारी शिक्षा की प्रासंगिकता
व 36 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1992, पृ 8-11

पाण्डेय, प्रतिभा—अपरिहार्य महिला शिक्षा
व 32 (1), अप्रैल 1988, पृ 17-19

पाण्डेय, ब्रजभूषण—प्रौढ़ शिक्षकों का उत्तर दायित्व
व 2 (2), जून-जुलाई 1958, पृ 10-11

पाण्डेय, ब्रज मोहन—समाज शिक्षा का प्रचार
व 3 (5), दिसम्बर-जनवरी 1959, पृ 7-8

पाण्डेय, राजमंगल—समतावादी समाज के निर्माण में शिक्षा की भूमिका
व 35 (3), जून 1991, पृ 11-13

पाण्डेय, रत्नाकर—मिशन : कुछ प्रतिक्रियाएं
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 51-53

पाण्डेय, राम सहाय—भारतीय क्रान्ति के सूत्रधार
व 17 (2), मई 1973, पृ 14-18

पांडे, रास बिहारी—भारत और युवक शिक्षा
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 61-62

पांडे, रास बिहारी—ग्राम गौरव
व 6 (2), जून-जुलाई 1962, पृ 13-14

पाण्डेय, रास बिहारी—बालकों की शिक्षा में प्रौढ़ शिक्षा का महत्व
व 7 (3), अगस्त-सितम्बर 1963, पृ 13-14

पाण्डेय, शशिकला—भारतीय समाज में स्त्री-शिक्षा की अवधारणा
व 32 (11), फरवरी 1989, पृ 12-15

पाण्डेय, शशिकला—प्रसार शिक्षा का संस्थाकरण
व 33 (4), जुलाई 1989, पृ 8-12

पाण्डेय, शशिकला—ग्रामीण सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका
व 34 (11), फरवरी 1991, पृ 5-7, 21

पथिक, शालिग्राम—प्रौढ़ शिक्षा जरूर
व 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 36-38, 42

पथिक, शालिग्राम—ग्राम राज्य और राम राज्य की दिशा में
व 4 (2), जून-जुलाई 1960, पृ 18-19, 30

पथिक, शालिग्राम—व्यापक साक्षरता का एक शुभारम्भ
व 9 (1), अप्रैल-मई 1965, पृ 11, 26

पथिक, शालिग्राम—देश की बढ़ती हुई अनैतिकता के लिए जिम्मेदार
व 3 (3), अगस्त-सितम्बर 1959, पृ 10, 19

पथिक, शालिग राम—हमारी स्वतन्त्रता और भारतीय प्रौढ़ शिक्षा
व 17 (5), अगस्त 1973, पृ 7-9

पथिक, शालिगराम—आर्थिक उन्नति हेतु लोक शिक्षण
व 10 (3), अगस्त-सितम्बर 1966, पृ 23-25

पथिक, शालिगराम—कारखाने के श्रमिकों के लिए प्रौढ़ शिक्षा का प्रश्न
व 2 (2), जून-जुलाई 1958, पृ 24-25

पन्त, दया—भारतीय परिप्रेक्ष्य में शिक्षा के सिद्धान्त और लक्ष्य
व 30 (5), अगस्त 1986, पृ 9-13

पारीख, रामलाल—शिक्षा विकास का साधन है
व 32 (9), दिसम्बर 1988, पृ 12-16

पारीख, रामलाल—साक्षरता : एक अनन्त विवाद
व 36 (1), अप्रैल 1992, पृ 5-8

पाल, वाय० एस०—एक नया साहसिक कदम
व 10 (5), दिसम्बर-जनवरी 1966, पृ 25-26, 29

पाल, हंसराज—प्रौढ़ छात्र का मनोविज्ञान
व 23 (9), दिसम्बर 1979, पृ 3-4

पाल, हंसराज—शैक्षिक दूरदर्शन और मुद्रण-साधनों में परिवर्तन : प्रौढ़ शिक्षा के संदर्भ में
व 32 (8), नवम्बर 1988, पृ 15-18

पाल, हंस राज और तिवारी, सीमा—विकलांगों की शिक्षा की आवश्यकता
व 36 (1), अप्रैल 1992, पृ 9-13

पिल्लै, के० जी० बाल कृष्ण—प्रौढ़ शिक्षा के लिए एक समर्पित जीवन
व 30 (1), अप्रैल 1986, पृ 11-14

पीर जादे, एच० एस०—शिक्षक के चार अस्त्र
व 2 (5), दिसम्बर-जनवरी 1958, पृ 8

पुरोहित, ओम प्रकाश—राष्ट्रीय साक्षरता मिशन एवं हमारी नैतिक जिम्मेदारी
व 35 (8), नवम्बर 1991, पृ 30-31

पुरोहित, स्वरूप—टेप रिकार्डर द्वारा साक्षरता-प्रसार पद्धति
व 24 (8), नवम्बर 1980, पृ 13-14

पोद्दार, हनुमान प्रसाद—शिक्षा का यथार्थ उद्देश्य : आज की शिक्षा
व 33 (8-9), नवम्बर-दिसम्बर 1989, पृ 22-35

प्रकाश कान्त—"सबके लिए शिक्षा" का नारा केवल कागज पर ही न रह जाय
व 37 (9), दिसम्बर 1993, पृ 16-18, 24

प्रताप सिंह—निरक्षरता का कलंक मिटाइये
व 11 (6), फरवरी-मार्च 1968, पृ 21-22

प्रभाकर, कन्हैया लाल मिश्र—चीन की लड़ाई को धन्यवाद
व 6 (5), दिसम्बर-जनवरी 1962, पृ 4-6

प्रेम राज—हिमाचल प्रदेश में प्रौढ़ शिक्षा
व 1 (4), जनवरी-मार्च 1958, पृ 37-39

फिराक, बरकत अली—प्रौढ़ साक्षरता की ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि
व 15 (8), नवम्बर 1971, पृ 13-15, 20

फ्रियर, पाओलो—प्रौढ़-शिक्षा-कार्यकर्त्ताओं के नाम एक पत्र
व 26 (9), दिसम्बर 1982, पृ 7-9, 26

फारुक, निशात—राष्ट्रीय साक्षरता मिशन : प्रचार एवं प्रसार
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 40-42

फारूक, निशात—राष्ट्रीय साक्षरता मिशन और महिला स्तर
व 35 (10-11), जनवरी-फरवरी 1992, पृ 5-8

फारूक, निशात—प्रौढ़ शिक्षा की आधार शिला
व 31 (8), नवम्बर 1987, पृ 12-15

फारूक, निशात—प्रौढ़ शिक्षा और जनसंख्या शिक्षा
व 30 (5), अगस्त 1986, पृ 17-19

फारूक, निशात—प्रौढ़ शिक्षा के लिए पठन पाठन सामग्री
व 34 (5), अगस्त 1990, पृ 18-21, 30

फ्रेडियर, जोरजस—शिक्षा समानता का मार्ग है
व 6 (6), फरवरी-मार्च 1963, पृ 7-8

फ्लग, बर्ण्ड—प्रौढ़ शिक्षा : तीन एकालाप
व 29 (9), दिसम्बर 1985, पृ 21-23

बंसल, कुमुद—प्रौढ़ महिलाओं के लिए शैक्षिक कार्यक्रम
व 28 (6), सितम्बर 1984, पृ 11-14

बंसल, सरोज—प्रौढ़ शिक्षा : समस्याएं और निराकरण
व 28 (11), फरवरी 1985, पृ 14-15, 27

बॉलनाउ, ओटो एफ०—शिक्षक की नैतिकता
व 29 (1), अप्रैल 1985, पृ 12-14

बनवारी—शिक्षा कोई फैक्ट्री नहीं है
व 30 (1), अप्रैल 1986, पृ 39-42

बरनार्डिनो, फेलिसिटा जी०—अनौपचारिक शिक्षा
व 29 (5), अगस्त 1985, पृ 23-28

बरनार्डिन, फेलिसिटा जी०—अनौपचारिक शिक्षा
व 37 (10-11), जनवरी-फरवरी 1994, पृ 11-17

बलबीर सिंह—प्रौढ़ शिक्षा में सार्वजनिक पुस्तकालयों का योगदान
व 33 (11-12), फरवरी मार्च 1990, पृ 18-19, 31

बलबीर सिंह—हरियाणा में प्रौढ़ शिक्षा प्रगति
व 34 (2-3), मई-जून 1990, पृ 16-18

बहादुर, शरण—राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम में शिक्षा संस्थानों का योगदान
व 34 (2-3), मई-जून 1990, पृ 11-13

बाछोतिया, हीरा लाल—प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम : सवाल प्रासंगिकता का
व 34 (11), फरवरी 1991, पृ 11-14

बाछोतिया, हीरा लाल—नव साक्षर और अनुवर्ती साहित्य
व 30 (7), अक्टूबर 1986, पृ 5-7

बाछोतिया, हीरा लाल—प्रौढ़ शिक्षण सामग्री : निर्माण एवं प्रयोग की दिशाएं
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 96-100

बाछोतिया, हीरा लाल—नवसाक्षरों के लिए अनुवर्ती साहित्य
व 33 (10), जनवरी 1990, पृ 41-42

बाछोलिया, हीरालाल—ग्राम विकास में साक्षरता कार्यक्रम की भूमिका
व 35 (12), मार्च 1992, पृ 19-21

क्वारक्यूस, विलियम सी०—बाल अपराध रोकने में स्कूलों का महत्व
व 9 (2), जून-जुलाई 1965, पृ 12-14

बिमला—निरक्षरता अभिषाप है
व 34 (12), मार्च 1991, पृ 19-21

बी० एल० प्रसाद—श्रमिक शिक्षा योजना : उद्देश्य और उपलब्धियां
व 23 (3), जून 1979, पृ 6-8

बेगम, शमीमा—महिलाओं में प्रौढ़ शिक्षा
व 28 (4-5), जुलाई-अगस्त 1984, पृ 12-13, 17

बेहरन्स, गोरडन—निरक्षरता : एक विश्व समस्या
व (6), फरवरी-मार्च 1963, पृ 3-4

बोज, ज० ड०—यौन-शिक्षा
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 18-19

बोनानी, सी०—साक्षरता को व्यवसाय से जोड़ने की प्रक्रिया
व 37 (10-11), जनवरी-फरवरी 1994, पृ 3-7

बोडिया—उदार शिक्षा वह है जो विचार-शक्ति का विकास करें
व 9 (6), फरवरी-मार्च 1966, पृ 12-14, 32

बोडिया, अनिल—अपनी बुनियाद की तलाश
व 29 (9), दिसम्बर 1985, पृ 8-16

भक्त प्रिय, जी० बी०—निरक्षरता दूर करने की दिशाएं और जन शिक्षण निलयम
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 30-33

भगत, सरोज—व्यसक शिक्षा के क्षेत्र में : "जेवयर समाज सेवा संस्थान का योगदान"
व 25 (1-2), अप्रैल-मई 1981, पृ 35-36

भगवान, भाई—राजनीति की प्रौढ़ शिक्षा
व 32 (10), जनवरी 1989, पृ 5-7

भगवान, भाई—नई शिक्षा नीति में प्रौढ़ शिक्षा : स्वयंसेवी संस्थाओं का दायित्व
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 112-116

भगवान, भाई—प्रौढ़ शिक्षा की राजनीति
व 28 (3), जून 1984, पृ 11-13

भगवान, भाई—प्रौढ़ शिक्षा से आखिर चाहते क्या हैं
व 30 (2), मई 1986, पृ 10-12

भगवान, भाई—जन जाति शिक्षा के नये आयाम
व 34 (7-8), अक्टूबर-नबम्बर 1990, पृ 5-8, 24

भगवान, भाई—हम निरक्षरता को मिटाने की चुनौती का सामना करें
व 34 (5), अगस्त 1990, पृ 27-30

भटनागर, आर० सी० और सिंह, टी० आर०—हरित-क्रान्ति और अनौपचारिक शिक्षा
व 26 (7), अक्टूबर 1982, पृ 9-12

भटनागर, के० एम०—जनसंख्या शिक्षा एवं महिला साक्षरता
व 28 (10), जनवरी 1985, पृ 35-37

भण्डारी, जसवन्त सिंह—कृषि विकास में प्रौढ़ शिक्षा का महत्व
व 22 (9), दिसम्बर 1978, पृ 16-18

भसीन, कमला—परिवर्तनकर्त्ता का प्रशिक्षण और दायित्व
व 30 (11), फरवरी 1987, पृ 13-17

भसीन, कमला—विकास-प्रक्रिया में परिवर्तनकर्त्ता
व 25 (11-12), फरवरी-मार्च 1982, पृ 7-10

भाई, प्रेम—राष्ट्रीय साक्षरता मिशन और स्वयंसेवी संस्थाएं
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 49-50

भाटिया, चन्द्र मोहन—निरक्षरता का श्रोत कहां से निकता है
व 24 (12), मार्च 1981, पृ 3-5

भाटी, हेमराज—प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम में जन-भागीदारी
व 28 (3), जून 1984, पृ 8-10, 23-24

भादू, तारावती—राष्ट्रीय एकता और प्रौढ़ शिक्षा
व 28 (10), जनवरी 1985, पृ 25-27

भारती, जय प्रकाश—नव-साक्षर प्रौढ़ों के लिए क्या लिखें, कैसे लिखें
व 4 (1), अप्रैल-मई 1960, पृ 38-39

भारती, बलभद्र—देहाती शिक्षा
व 34 (6), सितम्बर 1990, पृ 28-32

भारती, बलभद्र—निरक्षरता उन्मूलन और लाडनूं प्रयोग
व 34 (12), मार्च 1991, पृ 16-18

भारद्वाज, भागीरथ लाल—समाज सेवक एक सफल व्यक्तित्व है
व 1 (3), अक्टूबर-दिसम्बर 1957, पृ 19-21

भीमसेन—नयी शिक्षा नीति का सफर
ब 29 (4), जुलाई 1985, पृ 18-21

भूरिया, दिलीप सिंह—प्रौढ़ शिक्षा में सहकारियों की भूमिका
व 33 (4), जुलाई 1989, पृ 5-7

भूषण, भारत—अमेरिका में निरक्षरता
व 37 (4), जुलाई 1993, पृ 22-24

भोला, एच० एस०—चीन लोक-गणराज्य के निरक्षरता-विरोधी अभियान
व 27 (4), जुलाई 1983, पृ 4-10

भोला, एच० एस०—साक्षरता के लिए अभियान चलाना
व 26 (9), दिसम्बर 1982, पृ 11-19, 27-29

मंगलसेन, शकुन्तला—समस्याओं के घेरे में शिक्षित एवं काम काजी नारी
व 28 (11), फरवरी 1985, पृ 16-19

मजूमदार, धीरेन—नई तालीम की दृष्टि से प्रौढ़ शिक्षा
व 3 (1), अप्रैल-मई 1959, पृ 10-11

मणि, गोमती—तमिलनाडु में प्रौढ़ सीखने वाले की रूप रेखा
व 26 (8), नवम्बर 1982, पृ 9-14

मत्त, कन्हैया लाल—प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में कुछ क्रियात्मक सुझाव
व 2 (3), अगस्त-सितम्बर 1958, पृ 6-8

मदारिया, मन मोहन—जी हां, साहित्य ऐसा हो जिसे पढ़ने के लिए नव साक्षर ललचाएं
व 24 (10-11), जनवरी-फरवरी 1981, पृ 9-11, 17

मदारिया, मनमोहन—साक्षरता और आर्थिक विकास
व 23 (10-11), जनवरी-फरवरी 1980, पृ 25-26

मनराल, जंग बहादुर सिंह—प्रौढ़ों की बुद्धि के सम्बन्ध में साक्षरता-ह्रास का अध्ययन
व 28 (3), जून 1984, पृ 21-22

मशरूवाला—प्रौढ़ शिक्षा पर गांधीजी से कुछ प्रश्न
व 3 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1959, पृ 4-6

महलावत, रामनाथ—पंचायती राज व्यवस्था और साक्षरता कार्यक्रम : एक टिप्पणी
व 35 (3), जून 1991, पृ 22-23

महलावत, रामनाथ—प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के प्रति मेरे अनुभव
व 24 (7), अक्टूबर 1980, पृ 17-18

महान्ति, विभूति भूषण—विज्ञान और तकनीक की प्रगति में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका
व 30 (8-9), नवम्बर-दिसम्बर 1986, पृ 7-10

महान्ति, विभूतिभूषण—प्रौढ़ शिक्षा के विकास में श्रव्य दृश्य संचार माध्यम की भूमिका
व 31 (10), जनवरी 1988, पृ 6-10

महापात्र, जयंत—पुस्तक पढ़ने की आदत बचपन में डालिए
व 37 (12), मार्च 1994, पृ 3-5

माथुर, उषा— बदलते सामाजिक दायरे और प्रौढ़ शिक्षा
व 27 (9), दिसम्बर 1983, पृ 17-19

माथुर, जगदीश चन्द्र—कार्यात्मक साक्षरता और किसान
व 16 (3), जून 1972, पृ 2-7

माथुर, जगदीश चन्द्र—कार्यात्मक साक्षरता और किसान
व 16 (4), जुलाई 1972, पृ 13-14

माथुर, जे० सी०—जीवन व्यापी शिक्षा
व 16 (8), नवम्बर 1972, पृ 2-8, 30-31

माथुर, जगदीश चन्द्र—क्षेत्रीय कार्यकर्त्ता : कुम्हार या 'स्टार्टर'
व 1 (1), अप्रैल 1957, पृ 19-20

माथुर, जगदीश चन्द्र—प्रौढ़-शिक्षा की बदलती हुई धारणा
व 15 (4), जुलाई 1971, पृ 2-8

माथुर, जगदीश चन्द्र—कृषि क्रान्ति का चौथा चरण
व 15 (10), जनवरी 1972, पृ 2-6, 31

माथुर, जगदीश चन्द्र—दृश्य-श्रव्य साधन और प्रौढ़ शिक्षा
व 4 (5), दिसम्बर-जनवरी 1960, पृ 17

माथुर, मंगल—श्रमिक शिक्षा : अध्यापन के मूल तत्व
व 29 (1), अप्रैल 1985, पृ 15-19

माथुर, बी० एस०—ग्रामीण-युवाओं की वृहत् संभावनाएं
व 25 (9), नवम्बर 1981, पृ 9-14

माथुर, बी० एस०—प्रौढ़ शिक्षा और साक्षरता
व 26 (5-6), अगस्त-सितम्बर, 1982, पृ 12-14

माथुर, बी० एस०—भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ की वार्षिक (1978-79) रिपोर्ट
व 23 (7), अक्टूबर 1979, पृ 7-11

माथुर, बी० एस०—भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ की वार्षिक रिपोर्ट (वर्ष 1979-80)
व 24 (10), दिसम्बर 1980, पृ 10-13

माथुर, बी० एस०—श्रमिकों की शिक्षा की वर्तमान स्थिति
व 27 (2), मई 1983, पृ 3-12

माथुर, वीरेन्द्र स्वरूप—ग्रामीण निर्धनों की सेवा में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका
व 18 (10), जनवरी 1975, पृ 2-7, 26-27, 32

माथुर, वीरेन्द्र स्वरूप—ग्रामीण निर्धनों की सेवा में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 71-75

माधव, भुवनेश्वर नाथ मिश्र—समाज शिक्षा आयोजक
व 2 (5), दिसम्बर-जनवरी 1958, पृ 9-11, 21

मान, बी० के०—गांवों में विज्ञान और तकनीकी प्रौढ़ शिक्षा की जिम्मेदारी
व 30 (8-9), नवम्बर-दिसम्बर 1986, पृ 45-48

मानव, अनन्त पै—प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में सफलता पाने के लिए व्यक्ति के भावात्मक व सांस्कृतिक जगत का स्पर्श करना ही होगा
व 2 (1), अप्रैल-मई 1958, पृ 48-49

मानिशे, पीटर—शिक्षा में व्यक्तिगत और मैत्रीभाव का विकास
व 27 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1983, पृ 28-31

मार्कण्डेय, सविता—प्रौढ़ / सतत् शिक्षा की संकल्पना
व 26 (1), अप्रैल 1982, पृ 7-12

मार्कण्डेय, सविता— सतत शिक्षा से स्त्रियों की अपेक्षायें
व 25 (7), अक्टूबर 1981, पृ 3-6

मिर्जा, तारिक—लोक विद्यालय
व 35 (8), नवम्बर 1991, पृ 21-23, 36

मिश्र, अरूप—प्रौढ़ प्रतिभागियों की उपलब्धि का मूल्यांकन
व 31 (8), नवम्बर 1987, पृ 9-11

मिश्र, अरूप—प्रौढ़ शिक्षा के क्रियान्वयन में बाधाओं का प्रत्यक्षीकरण
व 28 (1), अप्रैल 1984, पृ 10-12

मिश्र, अरूप—प्रौढ़ शिक्षा और जनसहयोग
व 29 (11-12), फरवरी-मार्च 1986, पृ 25-26

मिश्र, अरूप कुमार—प्रौढ़ शिक्षा के विविध पहलू
व 30 (3), जून 1986, पृ 13-16

मिश्र, जगन्नाथ—बिहार में व्यस्क शिक्षा की प्रगति
व 25 (9), नवम्बर 1981, पृ 5-8

मिश्र, दयाशंकर—ईरान और कार्यात्मक साक्षरता
व 15 (11), फरवरी 1972, पृ 16-20

मिश्र, दीना नाथ—सन् 2001 में 55 करोड़ भारतीय अंगूठा छाप होंगे
व 24 (3), जून 1980, पृ 3-4

मिश्र, द्वारिका प्रसाद—विश्वविद्यालय सम्मेलन का उद्घाटन
व 9 (3), अगस्त-सितम्बर 1965, पृ 8-9, 12

मिश्र, योगेन्द्र नारायण—क्षेत्र विकास उपागम के अन्तर्गत प्रौढ़ तथा सतत शिक्षा कार्यक्रम : कुछ चुनौतियां
व 35 (1-2), अप्रैल-मई 1991, पृ 21-23

मिश्र, योगेन्द्र नारायण—राष्ट्रीय एकता के संदर्भ में प्रौढ़ शिक्षा
व 31 (1-2), अप्रैल-मई 1987, पृ 42-45

मिश्र, योगेन्द्र नारायण—महिलाओं की अनौपचारिक शिक्षा
व 29 (1), अप्रैल 1985, पृ 33-35

मिश्र, लक्ष्मीधर—शिक्षा : राष्ट्रीय एकता और धर्म निरपेक्षता के लिए
व 34 (10), जनवरी 1991, पृ 8-17, 23

मिश्र, लक्ष्मीधर—राष्ट्रीय साक्षरता मिशन ने गहरी जड़ें पकड़ीं
व 33 (10), जनवरी 1990, पृ 5-11

मिश्र, लक्ष्मीधर—शिक्षा, विकास और सम्पूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण
व 34 (5), अगस्त 1990, पृ 4-14

मिश्र, लक्ष्मीधर—शिक्षा, विकास और सम्पूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण
व 34 (6), सितम्बर 1990, पृ 12-27

मिश्र, लक्ष्मीधर—शिक्षा, विकास और सम्पूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण
व 34 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1990, पृ 9-14

मिश्र, सुधीन्द्र कुमार—सफलता का रहस्य
व 20 (8), नवम्बर 1976, पृ 18-19

मिश्र, सुरेश चन्द्र—प्रौढ़ शिक्षा : एक ठोस कदम
व 30 (2), मई 1986, पृ 28-30

मिश्र, श्री धर—नई शिक्षा नीति के साथ कार्यान्वयन की निष्ठा आवश्यक
व 30 (2), मई 1986, पृ 22-24

मिश्रा, चंचल—स्वामी विवेकानन्द और महिला शिक्षा
व 30 (2), मई 1986, पृ 25-27

मुकर्जी, प्रणव—पश्चिमी बंगाल में साक्षरता आन्दोलन
व 15 (3), जून 1971, पृ 24, 32

मुकर्जी, राधा कमल—समाज-शिक्षा तथा जाति भेद
व 2 (6), फरवरी-मार्च 1959, पृ 8-9, 29

मुजीब, मोहम्मद—समाज, शिक्षा—एक विश्लेशण
व 3 (2), जून-जुलाई 1959, पृ 3-5, 22

मुदगल, अशोक कुमार—बंदियों के लिए साक्षरता प्रयास
व 33 (4), जुलाई 1989, पृ 29-31

मुश्ताक अहमद—साक्षरता की एक योजना
व 9 (1), अप्रैल-मई 1965, पृ 4-7, 22

मेंढ़, सुषमा—हमारे धर्म—ग्रन्थ और साक्षरता
व 34 (1), अप्रैल 1990, पृ 17-18, 28

मेहता, पी० ए०—श्रमिक शिक्षा योजना
व 29 (1), अप्रैल 1985, पृ 8-11

मेहता, वी० के—प्रौढ़ों के लिए—लेखन-पढ़न पद्धति
व 35 (1-2), अप्रैल-मई 1991, पृ 8-11

मेहता, वी० के० और पाठक, वीणा—सम्पूर्ण साक्षरता परियोजना की सक्षम मानिटरिंग
व 35, (10-11), जनवरी-फरवरी 1992, पृ 15-16, 22

मेहता, बलवन्त राय—संकट-काल में सेवा—संस्थाओं का योग
व 7 (1), अप्रैल-मई 1963, पृ 4-5

मेहता, मोहन सिंह—प्रौढ़ शिक्षा के लिए क्या माध्यम हो
व 24 (7), अक्टूबर 1980, पृ 10-11, 15

मेहता, मोहन सिंह—प्रौढ़-शिक्षा पर एक नजर
व 10 (1), अप्रैल-मई 1966, पृ 6-9, 22-23

मेहता, मोहन सिंह—प्रौढ़ शिक्षा क्षेत्र में अकेली राष्ट्रीय संस्था
व 8 (1), अप्रैल-मई 1964, पृ 8-12

मेहता, रतन चन्द्र—समन्वित शिक्षा द्वारा ग्राम विकास—एक भूमिका
व 21 (4,5,6), जुलाई-सितम्बर 1977, पृ 44-47

मेहता, सज्जनमल—भारत में निरक्षरता के विरुद्ध मुहिम
व 31 (4), जुलाई 1987, पृ 9-12

मेहता, सुरेश चन्द्र —इंसान स्कूल एक स्वैच्छिक संस्था के रूप में
व 25 (1-2), अप्रैल-मई 1981, पृ 37-40

मेहता, सुशीला—महिलाओं के लिए राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम
व 22 (11-12), फरवरी-मार्च 1979, पृ 16-18, 26

मेहता, सुशीला—अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 8 सितम्बर
व 23 (6), सितम्बर 1979, पृ 11-13

मेहता, सुशीला—ग्रामीण बिकास और अनोपचारिक शिक्षा
व 21 (4,5,6), जुलाई-सितम्बर 1977, पृ 31-35

मेहता, सुशीला—प्रौढ़-साक्षरता के कुछ अनुभव
व 9 (1), अप्रैल-मई 1965 पृ 15-16, 26

मैत्रा, सत्येन—29वां अखिल भारतीय प्रौढ़ शिक्षा सम्मेलन
व 20 (7), अक्टूबर 1976, पृ 2-15

मैत्रा, सत्येन—अनोपचारिक शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन
व 19 (8), नवम्बर 1975, पृ 5-9

मैत्रा, सत्येन—आखिर हम क्यों पढ़ें लिखें
व 26 (8), नवम्बर 1982, पृ 17-18

मोवा, सिराफिमा ल्यूबी—सोवियत संघ में साक्षरता आन्दोलन
व 2 (2), जून-जुलाई 1958, पृ 6-8

मोहता, छगन—अनोपचारिक शिक्षा मनुष्य के प्राणों की सुगन्ध है
व 19 (11), फ़रवरी 1976, पृ 9-10, 19

मोहता, छगन—मनुष्य से श्रेष्ठ कुछ भी नहीं
व 21 (11), फरवरी 1977 पृ 11-13, 24

मोहन कुमार, वी०—प्रौढ़ शिक्षा के साथ जनसंख्या—शिक्षा का एकीकरण
व 25 (5), अगस्त 1981, पृ 13-16

मोहन भाई—नई तालीम में प्रौढ़ शिक्षा का स्थान
व 6 (1), अप्रैल-मई 1962, पृ 8-10

मोहसिनी, एस० आर०—प्रामाणिक विकास तथा प्रौढ़-शिक्षा की भूमिका
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 12-18

मोहसिनी, एस० आर०—प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम में चेतना : अर्थ और सीमा क्षेत्र
व 27 (12), मार्च 1984, पृ 4-8

मोहसिनी, एस० आर०—भारत में फोक हाई स्कूल की प्रासंगिकता
व 27 (10-11), जनवरी-फरवरी 1984, पृ 10-16

मोहसिनी, एस० आर०—गुंड विग : जीवन और कार्य
व 27 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1983, पृ 34-37

मोहसिनी, एस० आर०—आर्थिक और सामाजिक विकास में प्रौढ़-शिक्षा
व 26 (12), मार्च 1983, पृ 12-14

मोहसिनी, एस० आर०—निरक्षरता-उन्मूलन के लिए आंदोलन और कार्यक्रम
व 26 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1982, पृ 6-11

यादव, अशोक कुमार—पारसोली गांव में अशिक्षा का अंधकार अब नहीं रहा
व 32 (9), दिसम्बर 1988, पृ 20-22

यादव, कालिका—राष्ट्रीय साक्षरता मिशन में सक्रिय भागीदारी
व 33 (10), जनवरी 1990, पृ 43-46

यादव, कालिका—सघन साक्षरता अभियान : समस्याएं एवं समाधान
ब 33 (3), जून 1989, पृ 5-8

यादव, कालिका और कृपा देवी—महिला प्रौढ़-शिक्षा और राष्ट्रीय नव निर्माण
ब 28 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1984, पृ 10-13

यादव, छोटे लाल—प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम का प्रौढ़ प्रतिभागियों के जीवन पर प्रभाव
ब 37 (2-3), मई-जून 1993, पृ 13-17

यादव, लाली—महिला शिक्षा और विकास
ब 34 (12), मार्च 1991, पृ 5-7

यादव, सुबह सिंह—ग्रामीण शिक्षा
ब 35 (10-11), जनवरी-फरवरी 1992, पृ 17-22

यादव, सुबह सिंह और यादव, जे० पी०—ग्रामीण जीवन एवं प्रौढ़-शिक्षा : एक सर्वेक्षण
ब 32 (2), मई 1988, पृ 33-35

यादव, सुबह सिंह और यादव, सत्यमान—खुला विश्वविद्यालय एवं दूरस्थ शिक्षा
ब 36 (4-5), जुलाई-अगस्त 1992, पृ 23-26

यूसुफ खान—प्रौढ़ शिक्षा : सामाजिक एवं आर्थिक विकास का सबल माध्यम
ब 31 (3), जून 1987, पृ 19-21

योगेन्द्र कुमार—प्रौढ़ शिक्षा और विकास कार्यक्रम
ब 25 (1-2), अप्रैल-मई 1981, पृ 57-58

रघुनंदन सिंह—उत्तर प्रदेश में प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम नए आयाम, नए अनुभव
व 28 (6), सितम्बर 1984, पृ 3-6

रघुवीर—आदर्श नगर की रूप रेखा
व 3 (3), अगस्त-सितम्बर 1959, पृ 22-24

रवीन्द्र, ए०—युवा और प्रौढ़ शिक्षा : एक अध्ययन
व 25 (7), अक्टूबर 1981, पृ 13-16

रस्तोगी, श्रीपति—जनसंख्या वृद्धि एवं साक्षरता
व 34 (12), मार्च 1991, पृ 11-12

रस्तोगी, श्रीपति—साक्षरता-प्रसार में कठपुतली नाटकों की भूमिका
व 32 (2), मई 1988, पृ 21-22, 26

रक्षक—समग्र ग्रामीण विकास और अनौपचारिक शिक्षा
व 21 (4,5,6), जुलाई--सितम्बर 1977, पृ 50-52

रक्षक, रामस्वरूप—नारी चेतना और अनौपचारिक शिक्षा
व 25 (7), अक्टूबर 1981, पृ 7-9, 31

राघवन, जे० वीरा—निरक्षरता के खिलाफ लड़ाई
व 35 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1991, पृ 14-17

राघवन, जे० वीरा —भारतीय प्रौढ़ शिक्षा के समक्ष चुनौतियां
व 27 (10-11), जनवरी-फरवरी 1984, पृ 47-57

राघवन, जे० वीरा—भारतीय प्रौढ़ शिक्षा के समक्ष चुनौतियां
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 40-48

राजपूत, भवर सिंह —प्रौढ़-शिक्षा में पुस्तकालयों का योगदान
व 23 (7), अक्टूबर 1979, पृ 21-23

राजू० एस०—समानांतर संकल्पनाओं के माध्यम से शिक्षा देना
व 25 (11-12), फरवरी-मार्च 1982, पृ 29-30, 32

राजेश—एड्स शिक्षा : विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों की भूमिका
व 36 (11-12), फरवरी-मार्च 1993, पृ 15-17

राज्य लक्ष्मी, सी०—कार्यात्मक साक्षरता कार्यक्रमों में प्रेरणा देने की समस्या
व 25 (4), जुलाई 1981, पृ 4-7, 18

राठौर, नरेन्द्र—दस वर्ष की बालिका लेती है 'प्रौढ़ शिक्षा क्लास'
व 35 (4-5), जुलाई-अगस्त 1991, पृ 37-38

राही, ए० एल०—सशक्त महिला और प्रौढ़ शिक्षा
व 35 (4-5), जुलाई-अगस्त 1991, पृ 18-20

राठोर, नरेन्द्र—अधूरा है उत्तर साक्षरता के बिना साक्षरता कार्यक्रम
व 36 (9), दिसम्बर 1992, पृ 8-9, 24

राधाकृष्णन—मनुष्य के लिए मनुष्य से अधिक महत्वपूर्ण और कुछ नहीं
व 9 (6), फरवरी-मार्च 1966, पृ 4-5

रानाडे—समाज शिक्षा
व 3 (3), अगस्त-सितम्बर 1959, पृ 8-9

रामचन्द्रन, जी०—जुड़वां बहनें : निरक्षरता और निर्धनता
व 19 (10), जनवरी 1976, पृ 2-7, 10-13

रामस्वरूप—अपराध-निरोध के लिए प्रौढ़ शिक्षा
व 26 (2), मई 1982, पृ 15-18

रामस्वरूप—भारतीय विद्याएं और जनोपयोगी शिक्षण
व 36 (11-12), फरवरी-मार्च 1993, पृ 18-20

रामस्वरूप—अपराध-निरोध और शांति कार्य के लिए प्रौढ़ शिक्षा (मीन)
व 27 (8), नवम्बर 1983, पृ 7-10

रामस्वरूप—निरक्षर विचारक और वानस्पतिक शोधकर्ता
व 33 (5), अगस्त 1989, पृ 35-37

राय, विवेकी—प्रौढ़ शिक्षा के संदर्भ में
व 22 (8), नवम्बर 1978, पृ 17-18

राय, सुभाष चन्द्र—ग्रामीण महिलाओं की शिक्षा एवं ग्रामीण विकास कार्यक्रम में उनकी सहभागिता
न 29 (5), अगस्त 1985, पृ 11-13, 28

रावत, डी०एस०—अनौपचारिक शिक्षा : उत्तर प्रदेश में भूमियाधार में एक पायलट प्रोजेक्ट्
व 24 (8), नवम्बर 1980, पृ 5-9

रावत, ताज—प्रौढ़ शिक्षा के नए आयाम : रोजगारोन्मुख शिक्षा
व 30 (7), अक्टूबर 1986, पृ 11-13

रावत, ताज—पहाड़ो में प्रौढ़ शिक्षा का भविष्य
व 30 (2), मई 1986, पृ 31-33

रावत, ताज—यूनेस्को द्वारा साक्षरता अभियान में योगदान
व 28 (1), अप्रैल 1984, पृ 13-16

राव, पी० वी० नरसिंह—साक्षरता की दिशा में
व 32 (2), मई 1988, पृ 5-8

राव, बी० के० आर० वी०—प्रौढ़ शिक्षा और आर्थिक विकास
व 10 (3), अगस्त-सितम्बर 1966, पृ 6-9, 28-30

रावल, राजेन्द्र—समाज शिक्षा की आवश्यकता
व 3 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1959, पृ 12-13

राही, ए० एल०—प्रौढ़ शिक्षा क्यों
व 33 (6), सितम्बर 1989, पृ 18-19

राही, ए० एल०—प्रजातंत्र और प्रौढ़ शिक्षा
व 33 (4), जुलाई 1989, पृ 26-28

राही, ए० एल०—प्रौढ़ शिक्षा के कुछ सिद्धान्त और शिक्षण प्रणाली
व 34 (9), दिसम्बर 1990, पृ 13-16

राही, ए० एल०—ग्रामीण विकास के लिए प्रौढ़ शिक्षा
व 34 (1), अप्रैल 1990, पृ 13-16

रूद्रदत्त—प्रौढ़ शिक्षा और जन सहयोग
व 23 (4), जुलाई 1979, पृ 6-9, 14

रेड्डी, एम० सी० रेडप्पा—विकास के लिए विज्ञान और तकनीकी की आवश्यकता
व 30 (8-9), नवम्बर-दिसम्बर 1986, पृ 15-18

रेणु—सार्वजनिक शिक्षा भारत के लिए चुनौती है
व 30 (12), मार्च 1987, पृ 22-30

रोकड़िया, वी० सी०—प्रौढ़ साक्षरता शिक्षकों का प्रशिक्षण
व 17 (11), फरवरी 1974, पृ 2-9

रोहिणी प्रसाद—ग्रामीण विकास के लिए जन साक्षरता
व 36 (6), सितम्बर 1992, पृ 13-15

रोहिणी प्रसाद—निरक्षरता उन्मूलन में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका
व 34 (5), अगस्त 1990, पृ 15-17

लपालीकर, मालती—महिलाओं के लिए व्यावहारिक शिक्षा
व 15 (2), मई 1971, पृ 2-5

ललित किशोर—राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति
व 17 (8), नवम्बर 1973, पृ 8-10

लेंग्रांड, पॉल—प्रौढ़ शिक्षा और द्वितीय विश्व सम्मेलन
व 4 (6), फरवरी-मार्च 1961, पृ 5-6

लैसर, र० ह०—चरित्र निर्माण और हमारे स्कूल
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 11-12

लोढ़ा, मनोहर लाल और जैन, राज —कृषि उत्पादन व प्रौढ़ शिक्षा
व 21 (1), अप्रैल 1977, पृ 15-17

वर्घीस, बी० जार्ज—स्वैच्छिक संस्थाएं : कितनी उपयोगी
व 25 (11-12), फरवरी-मार्च 1982, पृ 3-6

वर्मा, परदेशीराम—साक्षरता अभियान : महिलाओं का ऐतिहासिक कीर्तिमान
व 35 (8), नवम्बर 1991, पृ 10-12

वर्मा, परदेशीराम—छत्तीगढ़ नव साक्षरों के लिए लेखन कर्मशाला
व 37 (8), नवम्बर 1993, पृ 11-13

वर्मा, मंजू —शिक्षा के बगैर महिलाओं की सेहत में सुधार असंभव
व 37 (5), अगस्त 1993, पृ 18-20

वर्मा, मदन लाल—प्रौढ़ शिक्षा के नये आयाम
व 29 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1985, पृ 14-16, 20

वर्मा, मदन लाल—प्रौढ़ शिक्षा : अपेक्षाएं, अनुभव एवं संभावनाएं
व 28 (1), अप्रैल 1984, पृ 21-23

वर्मा, मोरध्वज—प्रौढ़ शिक्षा दर्शन
व 23 (10-11), जनवरी-फरवरी 1980, पृ 12-16

वर्मा, संजय—जनसंख्या प्रौढ़ शिक्षा : कितनी आवश्यक
व 36 (11-12), फरवरी-मार्च 1993, पृ 21-22

वर्मा, हरिनारायण —आधुनिक युग का मेघदूत : दूरसंचार
व 7 (2), जून-जुलाई 1963, पृ 24-25

वशिष्ठ, कैलाश चन्द्र—प्रौढ़ शिक्षा : आर्थिक कायाकल्प
व 25 (7), अक्टूबर 1981, पृ 17-18, 27

वहुखण्डी, जगत—प्रौढ़ शिक्षा और जन-संचार माध्यमों की भूमिका
व 30 (12), मार्च 1987, पृ 31-35

वात्स्यायन, कपिला—प्रौढ़ शिक्षा और राष्ट्रीय एकता
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 23-26

वात्स्यायन, कपिला—शिक्षा और राष्ट्रीय एकता
व 28 (10), जनवरी 1985, पृ 14-17

वासुदेव, एम० आर०—साक्षरता कार्यक्रम की समीक्षा की जरूरत
व 37 (9), दिसम्बर 1993, पृ 7-8, 11

वास्तव, औम्श्री—6-14 वर्ष के आयु वर्ग के लिए अनौपचारिक शिक्षा का पाठ्यक्रम निर्माण
व 20 (6), सितम्बर 1976, पृ 10-14, 29-32

विजय कुमार—प्रौढ़ शिक्षा एवं स्वायत्त संस्थाएं : एक भागलपुर अंचल में व्यस्क शिक्षा के क्षेत्र में "गांधी शान्ति प्रतिष्ठान" की भूमिका
व 25 (1-2), अप्रैल-मई 1981, पृ 30-34

विद्यार्थी, विद्याधर शुक्ल—भोजपुरी लोक-गीतों में प्रौढ़-शिक्षा पर जोर
व 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 43-44

विद्यालंकार, अवनीन्द्र कुमार—व्यस्क शिक्षा की समस्या
व 2 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1958, पृ 14-16

विद्यालंकार, महावीर नीर—कालीदास की शिक्षा पद्धति
व 10 (2), जून-जुलाई 1966, पृ 16-18, 21

विमला लाल—महिला प्रौढ़ शिक्षा : चाहिए-सजग और अन्वेषक दृष्टि
व 32 (1), अप्रैल 1988, पृ 40-42

विमला लाल—प्रौढ़ शिक्षा : कुछ कठिन मुद्दे
व 35 (9), दिसम्बर 1991, पृ 10-13

विमला लाल—प्रौढ़ शिक्षा : व्यावहारिक समस्यायें
व 23 (5), अगस्त 1979, पृ 6-7

विमला लाल—प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में क्राफ्ट
व 24 (3), जून 1980, पृ 12-15

विमला लाल— प्रौढ़ शिक्षा-परिभाषाओं की परिधि में
व 30 (7), अक्टूबर 1986, पृ 8-10

विमला लाल—साक्षरता के घेरे में
व 33 (7), अक्टूबर 1989, पृ 4-6

विमला लाल—सफलता की राहें
व 28 (9), दिसम्बर 1984, पृ 20-22

विरमानी, आर० एस०—प्रौढ़ शिक्षा के आधार : साक्षरता और नियोजित परिवार
व 29 (6), सितम्बर 1985, पृ 20-22

विराट, रामवृक्ष सिंह—प्रसार कार्यकर्ता के गुण
व 3 (3), अगस्त-सितम्बर 1959, पृ 16-17

विराट, रामवृक्ष सिंह—प्रसार सेवा में अन्धकूप
व 4 (1), अप्रैल-मई 1960, पृ 13-14, 31

विवेकानन्द, स्वामी—सबसे बड़ी कमजोरी निरक्षरता है
ब 35 (10-11), जनवरी-फरवरी 1992, पृ 23-26

वीर, कुसुम—साक्षरता आन्दोलन और प्रौढ़ शिक्षा
व 33 (6), सितम्बर 1989, पृ 15-17

वीरेन्द्र सिंह—समाज-शिक्षा में एन० सी० सी० का महत्व
व 8 (1), अप्रैल-मई 1964, पृ 13-16, 18

वेदालंकार, रामनाथ—वेदों में शिक्षा-शास्त्र के कतिपय सूत्र
व 9 (2), जून-जुलाई 1965, पृ 22-25, 31

वेलमेन्स, गार्डन—ज्ञान की खोज में विद्यार्थी विदेशों में
व 6 (3), अगस्त-सितम्बर 1962, पृ 5, 14

वैजनाथ सिंह—देश में साक्षरता का नया अभियान
व 21 (7), अक्टूबर 1977, पृ 22-26

वैद्य, शोभा—प्रौढ़ों को सही शिक्षा दीजिए
व 33 (7), अक्टूबर 1989, पृ 7-9

वैद्य, शोभा—प्रौढ़ों को शिक्षा : विश्वासों की, मान्यताओं की
ब 33 (4), जुलाई 1989, पृ 18-21

वैद्य, शोभा— प्रौढ़ अनुदेशकों के लिए कानूनी जानकारी : कितनी सुलभ-कितनी सरल
व 32 (12), मार्च 1989, पृ 5-7

वैद्य, शोभा—नारी एक मापदण्ड अनेक : प्रौढ़ शिक्षा की चुनौती
व 32 (10), जनवरी 1989, पृ 14-16

वैद्य, शोभा—राष्ट्रीय एकता के संदर्भ में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका
व 32 (5), अगस्त 1988, पृ 5-6, 9

वैद्य, शोभा—महिला जागृति : सफल लोकतंत्र का आधार
व 35 (4-5), जुलाई-अगस्त 1991, पृ 21-24

वैद्य, शोभा—प्रौढ़ जन को बहुमूल्य संसाधन का विकास करना चाहिए
व 35 (9), दिसम्बर 1991, पृ 8-9, 13

वैद्य, शोभा—प्रौढ़ों की आवश्कता : सुरक्षा शिक्षा
व 34 (1), अप्रैल 1990, पृ 26-28

वैद्य, शोभा—राष्ट्र के लिए प्रौढ़ जनों की संभाल आवश्यक है
व 36 (9), दिसम्बर 1992, पृ 22-23

बैश्य, जे० डी०—प्रौढ़ शिक्षा में सफलता कैसे प्राप्त करें
व 2 (1), अप्रैल-मई 1958, पृ 15-17

वोरा, मोती लाल—प्रौढ़ शिक्षा और परिवार कल्याण
व 32 (8), नवम्बर 1988, पृ 5-8

व्यास, वा० रा०—श्रमिकों के लिए शिक्षा का महत्व
व 28 (9), दिसम्बर 1984, पृ 16-17, 22

व्यास, वी० आर०—संपूर्ण साक्षरता : एक विश्लेषण
व 36 (1), अप्रैल 1992, पृ 18-20

व्यास, भगवती लाल—विदेशों में प्रौढ़ शिक्षा का स्वरूप
व 24 (5), अगस्त 1980, पृ 3-5

व्यास, भगवती लाल—शहरी जन-शिक्षण का एक प्रयोग : जनपद
व 27 (8), नवम्बर 1983, पृ 4-6

व्यास, भवानी शंकर—प्रौढ़ शिक्षा की विश्व जनीन समस्या : प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण
व 31 (8), नवम्बर 1987, पृ 19-30

व्यास, भगवती लाल—प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम परिवीक्षकों की नजर में
व 23 (1), अप्रैल 1980, पृ 17-18

व्यास, भगवती लाल—प्रौढ़ शिक्षा में अनुसंधान की आवश्कता
व 35 (12), मार्च 1992, पृ 30-32

शफी, आर० एस०—पर्यावरण, स्वास्थ्य, आवास, शिक्षा और पोषण से जनसख्या का संबंध
व 26 (4), जुलाई 1982, पृ 9-12, 14

शफी, आर० एस०—जनसंख्या शिक्षा का महत्व
व 25 (11), जनवरी 1982, पृ 3-4

शमसुद्दीन,—शिक्षा में प्रजातन्त्र
व 3 (1), अप्रैल-मई 1959, पृ 20-21

शमसुद्दीन—बुनियादी शालाओ के लिए जमीन और इमारत कैसी लें
व 8 (3), अगस्त-सितम्बर 1964, पृ 20-21

शमसुद्दीन—शिक्षा से दूरदर्शन का सरोकार
व 32 (12), मार्च 1989, पृ 35-37

शमसुद्दीन—भूदान के मूल में नैतिक शिक्षा
व 1 (3), अक्टूबर-दिसम्बर 1957, पृ 10-13

शमसुद्दीन—ग्रामीण शिक्षा
व 2 (3), अगस्त-सितम्बर 1958, पृ 15-16

शमसुद्दीन—समाज शिक्षा का स्वरूप व्यक्ति की आवश्यकता और अभिरुचि के अनुसार हो
व 1 (4), जनवरी-मार्च 1958, पृ 30-34

शमसुद्दीन—शिक्षा और सामुदायिक विकास
व 2 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1958, पृ 16, 18

शमसुद्दीन—भारत में निरक्षरता निवारण
व 2 (5), दिसम्बर-जनवरी 1958, पृ 16-17, 29

शमसुद्दीन—प्रौढ़ शिक्षा में नये मोड़ : प्रौढ़ शिक्षा समय की प्रधान आवश्यकता है
व 2 (1), अप्रैल-मई 1958, पृ 11-14

शमसुद्दीन—साक्षरता अभियान
व 35 (3), जून 1991, पृ 14-16

शमसुद्दीन—प्रौढ़ शिक्षा क्यों और कैसे
व 23 (2), मई 1979, पृ 3-6

शमसुद्दीन—गरीबी और अशिक्षा
व 24 (2), मई 1980, पृ 10-12

शमसुद्दीन—राष्ट्रीय एकता और प्रौढ़ शिक्षा
ब 34 (10), जनवरी 1991, पृ 30-33

शरद सिंह—नवसाक्षरों के लिए कथा साहित्य
व 34 (9), दिसम्बर 1990, पृ 27-28

शर्मा, आनन्द शंकर—दिल्ली के गाँव में प्रौढ़ शिक्षा
व 2 (5), दिसम्बर-जनवरी 1958, पृ 20-21

शर्मा, आनन्द शंकर—प्रौढ़ शिक्षा सर्वांगीण विकास की धुरी
व 27 (8), नवम्बर 1983, पृ 11-13

शर्मा, आनन्द शंकर—नवीन ग्रामीण दृष्टिकोण और समाज
व 2 (6), फरवरी-मार्च 1959, पृ 22-23

शर्मा, आनन्द शंकर—ग्राम विकास और साक्षरता
ब 3 (1), अप्रैल-मई 1959, पृ 36-37

शर्मा, आनन्द शंकर—दिल्ली के गांव में चहुँमुखी विकास
व 4 (1), अप्रैल-मई 1960, पृ 25-27

शर्मा, आर० आर०—प्रौढ़ शिक्षा और महिला विकास
व 25 (11-12), फरवरी-मार्च 1982, पृ 26-28

शर्मा, आर० ए०—विश्वविद्यालयीय पाठ्यक्रम में विस्तार आयाम : एक प्रस्ताव
व 34 (1), अप्रैल 1990, पृ 9-12

शर्मा, ओमप्रकाश—आखिर प्रौढ़ शिक्षा क्यों
ब 34 (4), जुलाई 1990, पृ 19-21

शर्मा, कन्हैया लाल—सामुदायिक विकास कार्यक्रम में समाज-शिक्षा संयोजक का कार्य व स्थान
व 8 (3), अगस्त-सितम्बर 1964, पृ 8-9

शर्मा, कमला कान्त—समाज शिक्षा में सहयोगात्मक प्रवृत्ति
व 17 (9), दिसम्बर 1973, पृ 7-10

शर्मा, कमलेश—महिला शिक्षा : गृह वैज्ञानिक की भूमिका
व 32 (10), जनवरी, 1989, पृ 10-13

शर्मा, गोपेशचन्द्र—किसान साक्षरता में रत अध्यापकों एवं पर्यवेक्षकों के गुण तथा दायित्व
व 17 (4), जुलाई 1973, पृ 10-14, 23-24

शर्मा, चन्द्रिका प्रसाद—भारत वर्ष में प्रौढ़-शिक्षा की समस्या
व 7 (3), अगस्त-सितम्बर 1963, पृ 17

शर्मा, जगदीश—प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र की आवश्यकताएं
व 33 (5), अगस्त 1989, पृ 16-18

शर्मा, जगदीश—साक्षरता की जरूरत
व 36 (1), अप्रैल 1992, पृ 24-25

शर्मा, जगदीश—जनसंख्या शिक्षा : प्रौढ़ शिक्षा के माध्यम से
व 32 (11), फरवरी 1989, पृ 24-26

शर्मा, जे० डी०—राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम का कार्यान्वयन एक विहंगम व लोकन
व 23 (8), नवम्बर 1979, पृ 6-9

शर्मा, जे० डी०—प्रौढ़ शिक्षा : एक राष्ट्रीय आन्दोलन
व 22 (9), दिसम्बर 1978, पृ 13-15

शर्मा, जे० डी०—हरियाणा-पंजाब में प्रौढ़ शिक्षा-कार्यक्रम के विस्तार से सम्बन्धित एक रिपोर्ट
व 22 (10), जनवरी 1979, पृ 3-4

शर्मा, जे० डी०—राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम कुछ झलकियां
व 25 (5), अगस्त 1981, पृ 7-9

शर्मा, जे० डी०—एशियन साउथ पैसेफिक ब्यूरो आफ एडल्ट एजुकेशन सम्मेलन (क्षेत्र-1) की सिफारिशें
व 24 (7), अक्टूबर 1980, पृ 4-6

शर्मा, डी० डी०—प्रौढ़ शिक्षा : जन आन्दोलन की प्रेरक एजेंसियां
व 30 (2), मई 1986, पृ 13-15

शर्मा, दामोदर—सामुदायिक विकास और शिक्षा
व 16 (11), फरवरी 1973, पृ 2-9

शर्मा, देवेन्द्र—राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम क्यों
व 24 (3), जून 1980, पृ 9-11

शर्मा, नरेश कुमार—भारतीय परिप्रेक्ष्य में शिक्षा
व 35 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1991, पृ 30-35

शर्मा, नीरजा—महिला प्रतिभागियों की भागीदारी : मनोवैज्ञानिक कारक
व 32 (9), दिसम्बर 1988, पृ 9-11

शर्मा, नीरजा—प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम का बदलता स्वरूप
व 37 (2-3), मई-जून, 1993, पृ 8-9

शर्मा, बैजनाथ—प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम एक : आइने अनेक प्रौढ़ों के आइने में (3)
व 28 (6), सितम्बर 1984, पृ 7-10

शर्मा, बैजनाथ—नई शिक्षा-नीति और प्रौढ़ शिक्षा
व 29 (11-12), फरवरी-मार्च 1986, पृ 49-51

शर्मा, बैजनाथ—प्रौढ़ शिक्षा : कार्यक्रम एक, आइने अनेक सिद्धान्तों के आइने में
व 28 (3), जून 1984, पृ 4-5 (शेष कवर 3 पर)

शर्मा, बैजनाथ—प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम एक : आइने अनेक क्रियाओं के आइने में (2) प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र सेरिया की सैर
व 28 (4-5), जुलाई-अगस्त 1984, पृ 8-10

शर्मा, बैजनाथ—प्रौढ़ शिक्षा : कार्यकर्त्ताओं के आइने में
व 28 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1984, पृ 25-28, 35

शर्मा, बैजनाथ—प्रौढ़ शिक्षा : एक विश्लेषण
व 28 (9), दिसम्बर 1984, पृ 25-27

शर्मा, बैजनाथ—प्रौढ़ों से पूछें-परम्पराओं का आधार
व 31 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1987, पृ 23-25

शर्मा, बैजनाथ—देश के लिए आवश्यक योजनाएं
व 19 (4), जुलाई 1975, पृ 2-6

शर्मा, बैजनाथ—प्रौढ़ों की बात प्रौढ़ों से : प्रौढ़ शिक्षा-कार्यक्रम के संदर्भ में
व 27 (12), मार्च 1984, पृ 15-17

शर्मा, बैजनाथ—प्रौढ़ों से क्या लें ? प्रौढ़ों का क्या दें
व 32 (3-4), जून-जुलाई 1988, पृ 5-7

शर्मा, बैजनाथ—सामाजिक परम्पराओं का आधार एवं प्रौढ़ शिक्षा
व 32 (10), जनवरी 1989, पृ 8-9, 13

शर्मा, भूदत्त—निर्देशन एवं परामर्श-समाज शिक्षा का नया आयाम
व 28 (2), मई 1984, पृ 12-14, 22

शर्मा, मंजू—शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में विवेकानन्द
व 29 (9), दिसम्बर 1985, पृ 26-31, 37

शर्मा, महेश चन्द्र—ग्रामीण विकास की कुन्जी : प्रौढ़ शिक्षा
व 23 (12), मार्च 1980, पृ 3-5

शर्मा, मेघराज—प्रौढ़ शिक्षा का मनोवैज्ञानिक आधार
व 1 (3), अक्टूबर-दिसम्बर 1957, पृ 28-30

शर्मा, रवीदत्त—समाज शिक्षा को निष्पक्ष भी होना चाहिए
व 1 (2), जुलाई-सितम्बर 1957, पृ 19-20

शर्मा, रामकृष्ण—प्रौढ़ साक्षरता का उत्तम केन्द्र
व 17 (1), अप्रैल 1973, पृ 2-6

शर्मा, रेखा—विकास के लक्ष्य : प्रौढ़ शिक्षा की आवश्यकता
व 35 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1991, पृ 49-50

शर्मा, शम्भू लाल—बड़ी साक्षरता केन्द्र
व 17 (5), अगस्त 1973, पृ 5-6

शर्मा, श्याम सुन्दर—विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्रसार और प्रौढ़ शिक्षा
व 30 (8-9), नवम्बर-दिसम्बर, 1986, पृ 13-14

शर्मा, सत्यसागर और राम शंकर—महिलाओं की पठन अभिरुचियां
व 37 (5), अगस्त 1993, पृ 3-11

शर्मा, सुरेश—ग्रामीण श्रमिक शिक्षा
व 29 (1), अप्रैल 1985, पृ 20-24

शारदा—प्रौढ़ कैसे सीखते हैं
व 37 (2-3), मई-जून 1993, पृ 10-12

शारदा कुमारी—आई० पी० सी० एल० क्या है
व 37 (12), मार्च 1994, पृ 6-8, 16

शास्त्री, धर्मदेव—ग्रामीण क्षेत्रों में प्रौढ़ शिक्षा के कुछ अनुभव
व 3 (4), अक्टूबर-नवम्बर, 1959, पृ 23, 51

शास्त्री, विमलादेवी—प्राचीन भारतीय वैदिक कालीन शिक्षा
व 9 (1), अप्रैल-मई 1965, पृ 23-25

शाह, कंचन लाल—शिक्षा का अर्थ
व 15 (10), जनवरी 1972, पृ 14-15

शाह, माधुरी—विश्वविद्यालय और प्रौढ़ शिक्षा
व 25 (10), दिसम्बर 1981, पृ 5-12

शाही, रंग—पुस्तकालय ही समाज-शिक्षा की रश्मियों को फैलाता है
व 7 (5), दिसम्बर-जनवरी 1963, पृ 22-23, 30

शाहू, पी० के०—अनुदेशक तथा ग्रामीण शिक्षार्थी
व 24 (6), सितम्बर 1980, पृ 6-7, 33

शिव दयाल—शिक्षा : पूर्णता : अभिव्यक्ति
व 19 (12), मार्च 1976, पृ 7-9

शिव रवि और खालिक, एम० ए०—प्रौढ़ शिक्षकों की समस्याएं और उनका हल
व 22 (6), सितम्बर 1978, पृ 17-20

शिशिर कुमार—बाल अपराध
व 17 (3), जून 1973, पृ 3-12

शिशिर कुमार—आत्महत्या से बचो और बचाओ
व 16 (11), फरवरी 1973, पृ 12-15, 19

शीरि, राशिदा—ग्रामीणों के लिए पुस्तकालय का महत्व
व 23 (2), मई 1979, पृ 14-15

शुक्ला, परमात्मादीन—जब तक जियो, तब तक सीखते रहो जीवन-व्यापी समाकलित शिक्षा गोष्ठी में
व 11 (6), फरवरी-मार्च 1968, पृ 4-7, 26-30

शुक्ला, मीना—अनौपचारिक शिक्षा-महिला विकास का एक सशक्त माध्यम
व 36 (4-5), जुलाई-अगस्त 1992, पृ 21-22

श्याम लाल—ग्राम स्तर पर प्रौढ़ शिक्षा के लिए सर्वेक्षण
व 23 (3), जून 1979, पृ 11-12

श्याम लाल—प्रौढ़ (महिला) शिक्षा बाधाएं एवं सुझाव
व 23 (9), दिसम्बर 1979, पृ 6-9

श्याम लाल—आप पढ़ेंगे
व 15 (11), फरवरी 1972, पृ 7-9

संजीव कुमार—सम्पूर्ण साक्षरता हेतु अभियान
व 37 (5), अगस्त 1993, पृ 12-13, 17

संजीवन प्रसाद—भारत में सौ प्रतिशत साक्षरता कैसे प्राप्त की जाये
व 28 (6), सितम्बर 1984, पृ 25-29

सक्सेना, उमाकान्त—सम्पूर्ण साक्षरता का आदर्श और यथार्थ
व 35 (12), मार्च 1992, पृ 22-24

सक्सेना, ए० के०—राष्ट्रीय प्रौढ़-शिक्षा नीति के संदर्भ में ग्रामों में अनौपचारिक शिक्षा
व 22 (11-12), फरवरी-मार्च 1979, पृ 3-7

सक्सेना, जे० सी०—भारत में महिला साक्षरता : एक महान चुनौती
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 81-84

सक्सेना, जे० सी०—भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ : वार्षिक रिपोर्ट
व 30 (2), मई 1986, पृ 34-40

सक्सेना, जे० सी०—भारत में महिला साक्षरता : एक महान् चुनौती
व 3 2(1), अप्रैल 1988, पृ 63-65

सक्सेना, जे० सी०—भारतीय शिक्षा संघ वार्षिक (1985-86) रपट
व 30 (8-9), नवम्बर-दिसम्बर 1986, पृ 23-29

सक्सेना, जे० सी०—भारत के मध्य क्षेत्र में साक्षरता की दशा और दिशा
व 33 (6), सितम्बर 1989, पृ 5-14

सक्सेना, जे० सी० और सचदेव, जे० एल०—अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता वर्ष : आगामी दशक के लिए कार्य-नीति
व 34 (5), अगस्त 1990, पृ 22-26

सक्सेना, सुधा—निरक्षरता उन्मूलन में विश्वविद्यालयों की भूमिका
व 35 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1991, पृ 47-48

सचदेव, जे० एल०—हिन्दी भाषी क्षेत्र में साक्षरता : स्थिति और चुनौतियां
व 35 (4-5), जुलाई-अगस्त, 1991, पृ 10-17

सचदेव, जे० एल०—अनौपचारिक शिक्षा पर एक विचार गोष्ठी
व 23 (2), मई 1979, पृ 18-19

सचदेव, जे० एल०—दक्षिण क्षेत्रीय प्रौढ़ शिक्षा सम्मेलन : एक रपट
व 28 (2), मई 1984, पृ 4-7

सचदेव, जे० एल०—श्रमिकों के लिए प्रौढ़ शिक्षा
व 34 (12), मार्च 1991, पृ 8-10

सचदेव, जे० एल०—प्रौढ़ शिक्षा को जन आन्दोलन बनाया जाय
व 35 (12), मार्च 1992, पृ 26-29

सचदेव, जे० एल०—पुस्तकालय एवं प्रौढ़ शिक्षा : एक ऐतिहासिक परिदृश्य
व 38 (1), अप्रैल 1994, पृ 11-14

सचदेव, जे० एल०—ग्रामीण गरीबों के लिए प्रौढ़ शिक्षा
व 25 (4), जुलाई 1981, पृ 13-14, 30

सचदेव, जे० एल०—1991 की जनगणना और साक्षरता
व 36 (2-3), मई-जून 1992, पृ 5-6

सचदेव, जे० एल०—प्रौढ़ों से व्यवहार के 20 सूत्र
व 36 (6), सितम्बर 1992, पृ 5-7

सचदेव जे० एल०—नवसाक्षर सामग्री : समाचारिका (न्यूज लैटर) का महत्व
व 37 (9), दिसम्बर 1993, पृ 9-11

सचदेव, जे० एल०—प्रौढ़ शिक्षा और नयी शिक्षा नीति
व 30 (6), सितम्बर 1986, पृ 19-21

सचदेव, जे० एल०—साक्षरता का दीप शिखा वेल्थी फिशर
व 23 (6), सितम्बर 1979, पृ 14-15

सचदेव, जे० एल०—ग्रामीणों के लिए प्रौढ़ शिक्षा का स्वरूप
व 37 (2-3), मई-जून 1993, पृ 3-4

सचदेव, जे० एल० साक्षरता अभियानों में जनसंख्या शिक्षा का समन्वय
व 36 (11-12), फरवरी मार्च 1993, पृ 3-5

सचदेव, जे० एल०—प्रौढ़-शिक्षा और विद्यालय
व 16 (3), जून 1972, पृ 8-9

सचदेव, ज० एल०—36वें अखिल भारतीय प्रौढ़ शिक्षा सम्मेलन का संक्षिप्त विवरण
व 27 (10-11), जनवरी-फरवरी 1984, पृ 4-9

सचदेव, जे० एल०—जनसंख्या शिक्षा की आवश्यकता कितनी सार्थक
व 33 (11-12), फरवरी-मार्च 1990, पृ 5-7

सचदेव, जे० एल०—प्रौढ़ शिक्षा की धुरी : अनुदेशक
व 31 (11-12), फरवरी-मार्च 1988, पृ 14-16

सचदेव, जे० एल०—प्रौढ़ शिक्षा और राष्ट्रीय एकता
व 31 (1-2), अप्रैल-मई 1987, पृ 73-75

सच्चिदानन्द—जन-जातीय क्षेत्रों में समाज-शिक्षा
व 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 39-40, 44

सच्चिदानन्द—जन-जातीय क्षेत्रों में समाज-शिक्षा
व 7 (1), अप्रैल-मई 1963, पृ 6-7, 9

सतीश चन्द्र—योजना की सफलता के लिए स्थानीय साधनों का विकास
व 6 (3), अगस्त-सितम्बर 1962, पृ 7-9, 14

सदगोपाल, अनिल—अनौपचारिक शिक्षा—एक बुनियादी सिद्धान्त
व 21 (1), अप्रैल 1977, पृ 30-32

सयानी, कुलसुम—पेरिस में प्रौढ़ शिक्षा गोष्ठी : सन् 1959-60 के यूनेस्को-कार्यक्रम के लिए सुझाव
व 1 (4), जनवरी-मार्च 1958, पृ 35-36

सर्यदेन, के० जी०—समाज के प्रति विश्वविद्यालयों का क्या कर्तव्य है
व 9 (5), दिसम्बर-जनवरी 1965, पृ 4-5

सय्येदैन, के० जी०—राष्ट्रीय जीवन में समाज शिक्षा का स्थान
व 2 (2), जून-जुलाई 1958, पृ 14-16

सरजान माड—प्रौढ़ शिक्षा का महत्व
व 3 (5), दिसम्बर 1959, पृ 4-6, 21

सरस्वती, एल० एस० और रवीन्द्रम, डी० जे०—नवसाक्षरों का कहना है
व 31 (11-12), फरवरी-मार्च 1988, पृ 17-21, 24

सलूजा, चुन्नीलाल—प्रौढ़ शिक्षा का आर्थिक पक्ष
व 18 (7), अक्टूबर 1974, पृ 2-4

सलूजा, चुन्नीलाल—क्या प्रौढ़ शिक्षा केवल साक्षरता तक सीमित है
व 17 (2), मई, 1973, पृ 2-5

सलूजा, चुन्नी लाल—प्रौढ़ कक्षाओं में जन-संख्या शिक्षा
व 23 (8), नवम्बर, 1979, पृ 20-21

सलूजा, चुन्नी लाल—प्रौढ़ की मनोवैज्ञानिक अपेक्षाएं
व 24 (8), नवम्बर 1980, पृ 11-12

सलूजा, चुन्नी लाल—नागरिक चेतना के लिए प्रौढ़ शिक्षा
व 17 (4), जुलाई 1973, पृ 2-6

सलूजा, चुन्नी लाल—प्रौढ़ शिक्षा अभियान : सफल कैसे हो
व 22 (10), जनवरी 1979, पृ 11-12

सहस्त्रबुद्धे, अन्ना साहब—प्रौढ़ शिक्षा के मानव का सर्वांगीण विकास
व 10 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1966, पृ 16-19

सहाय, भगवान—प्रौढ़-शिक्षा और तकनीकी नवीनता
व 26 (5-6), अगस्त-सितम्बर 1982, पृ 15-18, 40

सहाय, रघुबीर—साक्षरता और चरित्र निर्माण
व 28 (9), दिसम्बर 1984, पृ 3-4

सान्याल, वारीन्द्र—जन शिक्षा और स्वामी विवेकानन्द
व 10 (1), अप्रैल-मई 1966, पृ 4-5, 29-30

साहू, वी० के० और दीक्षत, ध्रुव—भारत में महिला शिक्षा की आवश्यकता
व 34 (9), दिसम्बर 1990, पृ 17-18

सिंघई, चम्पा लाल—महामना मोतीलाल संघी
व 16 (6), सितम्बर 1972, पृ 10-14

सिंह, अवनीश कुमार—प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम : सोच और विश्लेषण
व 33 (5), अगस्त 1989, पृ 12-15

सिंह, टी० आर० और भटनागर, आर० सी०—राष्ट्रीय सेवा योजना और प्रौढ़ शिक्षा एक अध्ययन
व 25 (10), जनवरी 1982, पृ 15-18

सिंह, डी० पी०—भारत में प्रौढ़ विकलांग : समस्या और समाधान
व 27 (12), मार्च 1984, पृ 9-12

सिंह, डी० पी०—राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय व्यस्क शिक्षा कार्यक्रम
व 24 (4), जुलाई 1980, पृ 20-21

सिंहल, एल० के०—भारतीय प्रौढ़ों के लिए पाठ्य-सामग्री
व 17 (6), सितम्बर 1973, पृ 2-5

सिंहल, एन० के०—रेडियो और किसान : कृषक शिक्षा की नई दिशाएं
व 19 (3), जून 1975, पृ 2-6

सिंह, मोहन प्रसाद—व्यस्क शिक्षा कार्यक्रम एवं पर्यवेक्षिकाएं
व 25 (1-2), अप्रैल-मई 1981, पृ 41-42

सिंह, राजेन्द्र पाल—प्रौढ़ शिक्षा : आम आदमी और विज्ञान तथा तकनीकी विकास
व 30 (8-9), नवम्बर-दिसम्बर 1986, पृ 11-12

सिंहवाल, श्याम लाल—प्रौढ़ शिक्षा का प्रगतिशील स्वरूप
व 23 (10-11), जनवरी-फरवरी 1980, पृ 28-29, 36

सिंह, सीताराम—भारत में साक्षरता : समस्या एवं समाधान
व 28 (6), सितम्बर 1984, पृ 30-33

सिंह, सूर्यपाल—अनौपचारिक शिक्षा और सामाजिक क्रान्ति
व 24 (5), अगस्त 1980, पृ 11-13

सिन्हा, अनिल के.— राष्ट्रीय साक्षरता मिशन : बनाम प्रौढ़ महिला शिक्षा
व 32 (1), अप्रैल 1988, पृ 14-16

सिन्हा, अनिल कुमार—राष्ट्रीय व्यस्क शिक्षा कार्यक्रम में प्राथमिकताएं क्या हों
व 25 (1-2), अप्रैल-मई 1981, पृ 15-17

सिन्हा, अनिल कुमार—राष्ट्रीय व्यस्क शिक्षा कार्यक्रम बिहार के आदिवासी क्षेत्र में
व 24 (7), अक्टूबर 1980, पृ 2-3, 18

सिन्हा, आशुतोष कुमार—विकास और अभिप्रेरणा
व 26 (1), अप्रैल 1982, पृ 3-4, 16

सिन्हा, रघुवीर—प्रजातन्त्र और साक्षरता
व 11 (1), अप्रैल-मई 1967, पृ 8-11, 29

सिन्हा, विश्वासकुमार—गांवों में पुस्तकालय
व 15 (11), फरवरी 1972, पृ 4-6

सिन्हा, सविता—प्रौढ़ अवस्था में पढ़ना लज्जा क्यों
व 33 (7), अक्टूबर 1989, पृ 10-12

सिन्हा, सविता—प्रौढ़ शिक्षा स्व-रोजगार पाने में सहायक
व 33 (3), जून, 1989, पृ 21-23

सिम्हाराम, एस०—शिक्षा और आर्थिक विकास का महत्व
व 10 (3), अगस्त-सितम्बर, 1966, पृ 14-17, 34-35

सिसोदिया, शांता—प्रौढ़ शिक्षा के बाद सतत शिक्षा : एक अध्ययन
व 28 (12), मार्च 1985, पृ 20-21, 29

सुपेकर, कुन्दा—शिक्षित महिला : निरक्षर बहनों की सेवा में
व 30 (6), सितम्बर 1986, पृ 24-26

सुमन, शिवमंगलसिंह—नई पीढ़ी के प्रति शिक्षा का अपराध
व 16 (10), जनवरी 1973, पृ 5-8

सुराणा, प्रताप सिंह—युवक शिक्षा एक चुनौती
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 25

सुशील कुमार—राष्ट्रीय एकता और प्रौढ़ शिक्षा
व 31 (1-2), अप्रैल-मई 1987, पृ 51-53

सुशील कुमार—शिक्षा के क्षेत्र में छोटा नागपुर की आदिम जातियां : तब और अब
व 24 (10-11), जनवरी-फरवरी 1981, पृ 12-15

सुशील कुमार—उत्तर क्षेत्रीय प्रौढ़ शिक्षा सम्मेलन
व 28 (11), फरवरी 1985, पृ 35-39

सूरतवाला, सुरेश—निर्धनता एवं निरक्षरता : कुछ भ्रान्तियां
व 37 (1), अप्रैल 1993 पृ 3-5

सेठ, मृदुला—प्रौढ़ शिक्षा को शिक्षार्थी की निजी समस्याओं से जोड़ना आवश्यक
व 27 (3), जून 1983, पृ 3-6

सेठ, वीणा—समूह मानस व शिक्षक
व 4 (6), फरवरी-मार्च 1961, पृ 11-12

सेन, ए० के०—सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेवक : एक प्रौढ़ शिक्षक
व 25 (6), सितम्बर 1981, पृ 9-10 (शेष आवरण तीन पर)

सेन्ट, किशोर—अनौपचारिक शिक्षा और ग्रामीण विकास
व 20 (1), अप्रैल 1976, पृ 2-10, 31

सेलेमानी, यूसूफ—साक्षरता—एक अनुभव
व 31 (10), जनवरी 1988, पृ 29-32

सोटे, पीटर डू—बूढ़ी दादी की शिक्षा
व 4 (5), दिसम्बर-जनवरी 1960, पृ 19-21

सोनवणें, जनार्दन—निरक्षर क्यों पढ़ें
व 31 (3), जून 1987, पृ 34-36

सोनी, दयाल चन्द्र—साक्षरता का प्रश्न इतना सरल नहीं है
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 16-20

सोनी, दयाल चन्द्र—निरक्षरता को "कलंक" कहना "स्कूलित लोगों का कोरा दम्भ"
व 34 (6), सितम्बर 1990, पृ 4-11

सोनी, दयाल चन्द्र—शिक्षत निरक्षरों से अशिक्षित साक्षरों को भी कुछ सीखना चाहिए
व 37 (4), जुलाई 1993, पृ 3-5

सोनी, दयाल चन्द्र—मानवता के विकास में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 18-22

सोनी, दयाल चन्द्र—लोक संस्कृति की रीढ़, स्थानीय लोकवाणी बनाम आज का साक्षर आन्दोलन
व 37 (9), दिसम्बर 1993, पृ 12-15

सोनी, दयालचन्द्र—मानवता के विकास में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका
व 28 (12), मार्च 1985, पृ 13-16

सोनी, दयाल चन्द्र—साक्षरता का सवाल सरल नहीं है
व 33 (10), जनवरी 1990, पृ 24-28

सोनी, दयाल चन्द्र—राष्ट्रीय एकता के ह्रास के राजनीतिक एवं शैक्षिक कारण
व 31 (1-2), अप्रैल-मई 1987, पृ 21-27

सोनी, दयाल चन्द्र—भ्रम को तोड़ना ही होगा
व 31 (3), जून 1987, पृ 8-11

सोनी, दयाल चन्द्र—शिक्षा के वर्तमान महाभारत का कुरुक्षेत्र प्रौढ़ शिक्षा
व 30 (1), अप्रैल 1986, पृ 5-10

सोनी, बनवारी लाल—प्रौढ़ शिक्षा : उद्भव और विकास
व 34 (7-8), अक्टूबर-नवम्बर 1990, पृ 25-26

सोलंकी, परमेश्वर लाल—ग्रामों की मौलिक शिक्षा
व 4 (3), अगस्त-सितम्बर 1960, पृ 7-8, 17

सोहन सिंह—जनता कालेज क्यों चलाए जायें
व 2 (2), जून-जुलाई 1958, पृ 20-23

सोहन सिंह—समाज शिक्षा—क्या और क्यों
व 1 (1), अप्रैल 1957, पृ 13-18

सोहन सिंह—भारत में 1947-63 में प्रौढ़ शिक्षा की झलक
व 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 8-15

स्नातक, ब्रह्मादत्त— प्रौढ़ शिक्षा एक व्यापक कार्यक्रम
व 24 (3), जून 1980, पृ 5-8

स्वामीनाथन, एम० एस०—आर्थिक उन्नति और प्रौढ़ शिक्षा
व 33 (1-2), अप्रैल-मई 1989, पृ 49-56

स्वामीनाथन, एम० एस०—प्रौढ़ शिक्षा की नई विचार धारा : आर्थिक उन्नति व प्रौढ़ शिक्षा
व 21 (9), दिसम्बर 1977, पृ 2-4, 6-12

स्वामी, मीनाक्षी—मुस्लिम महिलाओं में शिक्षा और जागरूकता
व 37 (1), अप्रैल 1993, पृ 8-11

स्वामी, मीनाक्षी—शिक्षा की शुरूआत—नारी शोषण का अंत
व 36 (2-3), मई-जून 1992, पृ 7-8

स्वामी, मीनाक्षी—भारत में महिला शिक्षा की आवश्यकता
व 35 (10-11), जनवरी-फरवरी 1992, पृ 9-11

हरिनारायण—शिक्षा, विज्ञान, औद्योगिकी तथा समाकलित विकास
व 26 (10-11), जनवरी-फरवरी 1983, पृ 30-45

हरि, वियोगी—खाक एक सूरत बहुतेरी
व 4 (1), अप्रैल-मई 1960, पृ 15-16

हर्ष, राम रतन—राष्ट्रीय शिक्षा नीति : क्रियान्वयन के दौर में
व 31 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1987, पृ 5-14

हर्ष, हरिदास—प्रौढ़ शिक्षा एक महद् कार्य
व 17 (10), जनवरी 1974, पृ 2-6

हर्ष, हरिदास—राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के कुछ विचारणीय बिन्दु
व 23 (1), अप्रैल 1979, पृ 3-5

हर्ष, हरिदास—विकास की प्रक्रिया में साक्षरता का योगदान
व 24 (6), सितम्बर 1980, पृ 11-13

हॉल, बड एल और किड़ जे० रोबी—प्रौढ़ों की शिक्षा के लिए एक कार्यक्रम का स्वरूप
व 27 (2), मई 1983, पृ 19-20, 25-28

हीली, एस० सी० एम०—साक्षरता आन्दोलन में पाठशालाओं का योग
व 11 (4), अक्टूबर-नवम्बर, 1967, पृ 17-22

हुसैन, जाकिर—जीवन की शून्यता को भरने वाली पुस्तकें
व 17 (4), जुलाई 1973, पृ 7

हुसैन, जाकिर—भारत में शिक्षा का पुनर्गठन
व 2 (6), फरवरी-मार्च 1959, पृ 6-7, 28

हुसैन, जाकिर—गांवों में सड़ती हुई सामाजिक व आर्थिक स्थितियां जहां प्रौढ़ शिक्षा की नितान्त आवश्यकता है
व 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 34-35

हुसैन, जाकिर—राष्ट्र के लिए अनिवार्य प्रौढ़ शिक्षा
व 8 (1), अप्रैल-मई 1964, पृ 4-7

हूजा, वलभद्र कुमार—नई शिक्षा—नीति और नारी उत्थान
व 34 (4), जुलाई 1990, पृ 29-36

हूजा, वलभद्र कुमार—साक्षरता का पोत
व 34 (1), अप्रैल 1990, पृ 5-8

हूजा, वलभद्र कुमार—सम्पूर्ण साक्षरता क्यों और कैसे
व 35 (4-5), जुलाई-अगस्त 1991, पृ 25-27, 33

हूजा, वलभद्र कुमार—साक्षरता मिशन : कार्य-प्रणालियों की खोज
व 32 (6-7), सितम्बर-अक्टूबर 1988, पृ 12-15

हेमन्त कुमार—अपंग व्यक्तियों के सुखी जीवन
व 17 (1), अप्रैल 1973, पृ 23-25

हेमन्त कुमार—भारत में समाज कल्याण : प्राचीन और आधुनिक
व 16 (12), मार्च 1973, पृ 12-13, 22-24

हेमन्त कुमार—1971 की जनगणना तथा साक्षरता
व 11 (2), मई 1971, पृ 16-19, 25

होल्डन, जौन वी०—आओ, हम प्रौढ़ शिक्षा की मुख्य धारा में रखें
व 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 20-23

श्रीदास गुप्ता, कु० गीता—किसान साक्षरता कक्षा के संगठन एवं संचालन में शिक्षक की भूमिका
व 22 (8), नवम्बर 1978, पृ 22-24

श्रीप्रकाश—सामाजिक कुरीतियों को उखाड़ो
व 4 (1), अप्रैल-मई 1960, पृ 10-11

श्रीमन्नारायण—लोकतंत्र में शिक्षा का महत्व
व 2 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1958, पृ 11-13

श्रोमाली, के० एल०—राष्ट्रीय एकता, धर्म निरपेक्षरता और शिक्षा
व 28 (10), जनवरी 1985, पृ 8-9, 13

श्रीमाली, कालूलाल—विश्वविद्यालयों का महान दायित्व
ब 7 (6), फरवरी-मार्च 1964, पृ 50-52

श्रीवास्तव, ओम्—सूक्ष्म-स्तर की प्रौढ़ शिक्षा परियोजना पर एक आलोचनात्मक दृष्टि
व 26 (8), नवम्बर 1982, पृ 15-16

श्रीवास्तव, ओम—प्रौढ़ों के सीखने के आधार एक वैचारिक यात्रा
व 30 (11), फरवरी 1987, पृ 18-22

श्रीवास्तव, ओम—प्रौढ़ शिक्षा में भाषा की समस्याएं
व 25 (5), अगस्त 1981, पृ 3-6

श्रीवास्तव, नारायण प्रसाद—यह कैसी छुआ छूत
व 4 (1), अप्रैल-मई 1960, पृ 28-30

श्रीवास्तव, नारायण प्रसाद—कमला का स्कूल
व 4 (3), अगस्त-सितम्बर 1960, पृ 14-16

श्रीवास्तव, प्रताप नारायण—निरक्षरता उन्मूलन की चुनौती को स्वीकार करना चाहिए
व 32 (11), फरवरी 1989, पृ 5-11

श्रीवास्तव, पीताम्बर लाल—न्याय-प्रतिन्याय
व 6 (1), अप्रैल-मई 1962, पृ 10-12

श्रीवास्तव, प्रेमलता—ग्रामीण समुदाय और महिला शिक्षा
व 28 (12), मार्च 1985, पृ 18-19

श्रीवास्तव, प्रेमलता—प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों तथा जन शिक्षण निलयम द्वारा महिलाओं में जागरूकता
व 33 (8-9), नवम्बर-दिसम्बर 1989, पृ 13-14

श्रीवास्तव, वीरेन्द्र कुमार—आपसी कलह से घिरा साक्षरता अभियान
व 35 (8), नवम्बर 1991, पृ 13-14

श्रीवास्तव, सुभाष चन्द्र—राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा एवं गांव का पुस्तकालय
व 23 (10-11), जनवरी-फरवरी 1980, पृ 22-24

श्रीवास्तव, सूर्यदेव नारायण—श्रव्य-दृश्य साधन और युवक शिक्षा
व 6 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1962, पृ 13-15

श्रीवास्तव, सूर्यदेव नारायण—मनोरंजन द्वारा शिक्षा
व 3 (1), अप्रैल-मई 1959, पृ 13-15, 44

श्रीवास्तव, सूर्यदेव नारायण—लोक-रंग मंच
व 2 (4), अक्टूबर-नवम्बर 1958, पृ 19-21

श्रीवास्तव, सूर्यदेव नारायण—अपनी शिक्षा आप
व 1 (3), अक्टूबर-दिसम्बर 1957, पृ 6-9

श्रीवास्तव, सूर्यदेव नारायण—समाज शिक्षा में लोक नाटकों का योग
व 1 (4), जनवरी-मार्च 1958, पृ 6-9, 12

ज्ञानेन्द्र कुमार—जनसंख्या शिक्षा की आवश्यकता
व 24 (4), जुलाई 1980, पृ 5-7